@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

रविवार, 10 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 271 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली-एनसीआर में 'मूसलाधार आफत': दरिया बनीं सड़कें

त्योहार वाले दिन सरकारी दावे फेल,रक्षाबंधन पर बेबस दिखे लोग

एजेंसी

सीतामढ़ी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार रात से लेकर शनिवार सुबह से तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश देर शाम तक जारी थी। इस बारिश ने गर्मी से तो राहत जरूर दी, लेकिन सड़कों पर भयंकर जाम लग गया। कई जगहों पर लोग बारिश के बाद घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहे। साउथ दिल्ली, पूर्वी व मध्य दिल्ली के कई इलाकों में भारी जलभराव और ट्रैफिक जाम की समस्या ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी। सबसे ज्यादा परेशानी राखी बांधने के लिए जानी वाली महिलाओं को हुई।

● बारिश से रक्षाबंधन के त्यौहार की रौनक फीकी

दिल्ली में सुबह से शुरू हुई बारिश देर रात तक होती रही। बारिश ने रक्षाबंधन के त्यौहार की रौनक को फीका कर दिया। शाहदरा की मशहूर छोटा बाजार मार्केट, जो आमतौर पर इस मौके पर खचाखच भरी रहती है, इस बार सुनी-सुनी नजर आई। मिठाइयों की कुछ दुकानें ही खुली थीं, जबकि बाकी अधिकांश दुकानें बंद रहीं। त्यौहार के दिनों में जहां सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल होता था, वहीं आज हालात ऐसे थे कि बैटरी रिक्शे तक आराम से चल रहे थे, जो सामान्य दिनों में यहां प्रतिबंधित रहते हैं।

बारिश ने सिर्फ बाजारों ही नहीं, बल्कि लोगों के घरों को भी प्रभावित किया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों, खासकर सोनिया विहार की गलियों में, नालियों का पानी घरों में घुस गया। लोगों को घर से पानी निकालने के लिए जूझना पड़ रहा था।

अंडरपास में फंसा ऑटो

दिल्ली में तेज बारिश, दीवार ढहने से 8 की मौत

दिल्ली के जैतपुर थाना इलाके में शनिवार दोपहर घर की दीवार गिरने से 8 लोगों की दबकर मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं।

एयरफोर्स चीफ बोले-ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 5 जेट गिराए

सर्विलांस एयरक्राफ्ट को भी तबाह किया, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम गेम-चेंजर रहे

एजेंसी

चंडीगढ़। एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है। एपी सिंह बेंगलुरु के HAL मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सीजन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। उन्होंने कहा, 'हाल ही में खरीदे गए एस-400 सिस्टम गेम-चेंजर रहे हैं। पाकिस्तान लंबी दूरी के ग्लाइड बम होने के बाद भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाया।' एयर फोर्स चीफ ने आगे कहा कि पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें सबके सामने हैं। वहां कुछ नहीं बचा था। ये तस्वीरें न सिर्फ सैटेलाइट से ली गईं। बल्कि लोकल मीडिया ने भी तबाह हुई बिल्डिंग की अंदर की तस्वीरें दिखाई थीं।

"हम पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था। हमारे हमले सोच-समझकर किए गए थे। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है।
एपी सिंह
वायुसेना प्रमुख

'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रमुख आक्रामक हथियार था ब्रह्मोस', डीआरडीओ प्रमुख का बड़ा बयान

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख समीर कामत ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता और स्वदेशी तकनीकी क्षमता के जरिए अपनी ताकत का उद्घोष था। कामत पुणे में रक्षा उन्नत तकनीकी संस्थान (डीआईएटी) के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। कामत ने कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर बेहद समन्वित और बहुआयामी अभियान केवल सैनिकों की वीरता नहीं दिखाता, बल्कि उस तकनीकी आधार को भी सामने लाता है, जो उनकी मदद कर रहा था। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर केवल एक मिशन नहीं था। यह भारत की आत्मनिर्भरता, रणनीतिक सोच और स्वदेशी तकनीक की ताकत का एलान था।

चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने

राहुल गांधी के आरोपों पर हलफनामा की मांग करना हास्यास्पद - अभिषेक मनु सिंघवी

एजेंसी

जोधपुर। देश की सियासत में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर उबाल देखने को मिल रहा है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष के तमाम नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर जारी हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि मैं बिहार एसआईआर मामले में सर्वोच्च न्यायालय में पेश हो रहा हूं। यह मामला मंगलवार को निर्धारित है। लोग इसमें शामिल मुद्दों से पहले से ही अवगत हैं। वहां प्रस्तुत तर्क कानूनी प्रकृति के होंगे और हम जो राजनीतिक अभियान चला रहे हैं, वह एक अलग मामला है। मैं एक महत्वपूर्ण बात स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई कानून वैध है या अवैध, यह उसकी कानूनी वैधता से तय होता है, न कि इस बात से कि वह उस समय सही, तार्किक या आवश्यक लगता है या नहीं। इसका आकलन पूरी तरह से कानूनी प्रावधानों से होता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर आरोपों

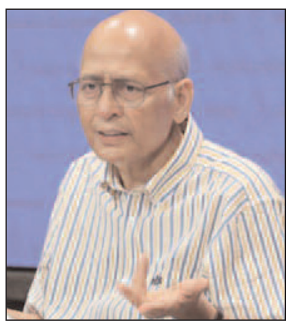

को लेकर सिंघवी ने कहा कि राहुल गांधी के सवालों पर देश की सबसे बड़ी संस्था चुनाव आयोग हलफनामा पेश करने की बात कर रही है, जो हास्यास्पद नजर आती है। मेरा मानना है कि संसदीय क्षेत्र की एक या दो असेंबली में अगर वोटों की चोरी होती है तो संसदीय सीट का पूरा परिणाम बदल जाता है।

● पाटिल ने चुनाव आयोग पर लगाया वोटों पर डाका डालने आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक के कानून एवं संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने शनिवार को चुनाव आयोग (ईसीआई) पर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में एक लाख से ज़्यादा वोट 'चोरी' हुए हैं। श्री पाटिल ने यहां मीडिया से बात करते हुए ने कथित कदाचार को सामान्य चुनावी कदाचार से कहीं ज़्यादा गंभीर बताया। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ़ चोरी नहीं, डकैती है। एक लाख से ज़्यादा वोट चुराए गये हैं। चुनाव आयोग को इस पर ध्यान देना चाहिए लेकिन इसके बजाय, वे विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हलफनामे पर शिकायत दर्ज कराने के लिए कह रहे हैं।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने चुनाव आयोग के जवाब पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि वह राजनीतिक दलों से औपचारिक प्रस्तुतिकरण की प्रतीक्षा किये बिना स्वतंत्र रूप से कार्य करे। श्री पाटिल ने कहा, 'क्या चुनाव आयोग का यह कर्तव्य नहीं है कि वह स्वतः संज्ञान लेकर शिकायत दर्ज करे? क्या आपको हलफनामे या शिकायत की आवश्यकता है? इन गंभीर आरोपों पर तुरंत ध्यान देना आपका कर्तव्य है।

● चुनाव आयोग पर राहुल के आरोप निराधारः जोशी

हुबली। केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की चुनाव आयोग पर की गयी हालिया टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की और उन्हें निराधार तथा गैर-ज़िम्मेदाराना बताया। श्री जोशी ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि श्री गांधी की टिप्पणियों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है और उनका उद्देश्य जनता को गुमराह करना है। उन्होंने कहा, ÷देश में कानून हैं...बिना किसी आधार के, वह आरोप लगा रहे हैं, और उनके आरोप निराधार, झूठे, अपरिपक्व हैं और उनकी गैर-ज़िम्मेदारी को दर्शाते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाएं स्वतंत्र रूप से और कानून के अनुसार काम करती हैं और बिना सबूत के उन पर संदेह करने के प्रयास जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाना है। उन्होंने कहा, ऐसे बयान न केवल राजनीति से प्रेरित हैं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति असम्मान को भी दर्शाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को वैध लोकतांत्रिक माध्यमों से सुलझाया जाना चाहिए। सार्वजनिक रूप से व्यापक और असत्यापित आरोप लगाने से गुरेज करना चाहिए।

पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू बोले- किसी दबाव में नहीं आएगा भारत, राष्ट्रीय हित में खुद लेंगे फैसले

▶▶ भारत पूरी तरह आत्मनिर्भर है और किसी के दबाव में नहीं आएगा : नायडू

एजेंसी

बेंगलुरु। अमेरिका की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने पर पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत अपनी स्थिति पर कायम रहेगा। हम ऐसी नीतियां अपनाएंगे जो हमारे राष्ट्रीय हित में हों। किसी से समझौते या दबाव में आने का सवाल ही नहीं उठता। नायडू ने कहा, हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं और हमें भरोसा है कि जो हम कर रहे हैं, वह सही है। हम अमेरिका सहित सभी देशों से अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश करेंगे, क्योंकि दोनों ही

लोकतंत्र हैं। लेकिन भारत के लोग इस बात से खुश नहीं हैं कि अमेरिका ने पाकिस्तान को संरक्षण देने की कोशिश की, जो अब आतंकवादियों का अड्डा बन चुका है और जिसने 26 निर्दोष लोगों की हत्या करवाई।

राष्ट्रीय हित में खुद फैसले लेगा भारतः पूर्व उपराष्ट्रपति

पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, ऐसे हालात में अगर कोई पाकिस्तान का समर्थन करता है, तो यह हमारी समझ में नहीं आ रहा है कि ये सब क्यों हो रहा है। मैं दोबारा स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम एक स्वतंत्र देश हैं और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए पूरी मजबूती से खड़े रहेंगे, कोई समझौता नहीं होगा। रूस से कच्चा तेल खरीदने के लोकर उन्होंने कहा, जो देश खुद रूस से तेल खरीद रहे हैं, वहीं हमारे रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति जता रहे हैं। लेकिन हमें किस देश से तेल मंगाना है, यह फैसला हम अपने राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए खुद करेंगे।

अगस्त क्रांति दिवस पर खरगे ने आजादी के शहीदों को किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अगस्त क्रांति दिवस पर शनिवार को देश की आजादी के लिए शहीद होने वाले महान देशभक्तों को याद करते हुए नमन किया। श्री खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के अमूल्य मंत्र 'करो या मरो' से अंग्रेज़ी हुकूमत के विरुद्ध 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरुआत हुई जिसने आज़ादी की लड़ाई को नया उत्साह प्रदान किया। भारत छोड़ो आंदोलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अगुवाई में अनगिनत भारतीयों ने सड़कों पर उतरकर इस अविस्मरणीय इतिहास की गाथा लिखी। उन्होंने कहा, अगस्त क्रांति दिवस पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को हम कोटि-कोटि नमन करते हैं।

चुनाव से पहले दो लोग मिले, 160 सीट जिताने का दावा किया

शरद पवार के दावे पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने उठाए सवाल

एजेंसी

चंडीगढ़। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार के हालिया दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि दो लोग उनसे मिले और विपक्ष को चुनाव जीताने की पेशकश की। फडणवीस ने पूछा कि पवार अब यह बात क्यों कह रहे हैं और पहले क्यों नहीं। देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि शरद पवार ने दो लोगों की पेशकश का खुलासा अब क्यों किया, जबकि यह घटना पिछले साल के विधानसभा चुनाव से पहले की है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पवार ने पहले कभी राहुल गांधी के ईवीएम हेरफेर के दावों का समर्थन नहीं किया था। फडणवीस ने पवार के बयान को 'सलिम-जावेद' जैसी स्क्रिप्ट बताया।

● पवार के किस खुलासे पर बोले फडणवीस?

शरद पवार ने शनिवार को दावा किया कि दिल्ली में उनसे दो लोग मिले थे, जिन्होंने विपक्ष को महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से 160 सीटें जीताने का प्रस्ताव दिया था। पवार ने कहा कि उन्होंने इन लोगों को राहुल गांधी से भी मिलवाया, लेकिन राहुल भी इस बात से सहमत थे कि विपक्ष को इस तरह के काम में शामिल नहीं होना चाहिए।

पीएम मोदी का कर्नाटक दौरा - बेंगलुरु मेट्रो येलो लाइन का करेंगे उद्घाटन

▶▶ वंदे भारत ट्रेनों को दिखाएंगे हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को कर्नाटक दौरे पर रहेंगे। वे बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर सुबह 11 बजे 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद वे बेंगलुरु मेट्रो की येलो लाइन का उद्घाटन करेंगे और आरवी रोड (रघिगुड्डा) से इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक मेट्रो से यात्रा करेंगे।दोपहर 1 बजे प्रधानमंत्री बेंगलुरु में शहरी परिवहन से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री बेंगलुरु मेट्रो फेज-2 की येलो लाइन का उद्घाटन करेंगे, जो आरवी रोड (रघिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक बनेगी। इस लाइन की कुल लंबाई 19 किलोमीटर से ज्यादा है और इसमें 16 स्टेशन हैं। यह परियोजना करीब 7,160 करोड़

रुपए की लागत से बनी है। इस येलो लाइन के शुरू होने से बेंगलुरु मेट्रो का कुल नेटवर्क 96 किलोमीटर से ज्यादा हो जाएगा, जिससे शहर की बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। यह परियोजना 15,610 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बनेगी। कुल लंबाई 44 किलोमीटर से अधिक होगी और इसमें 31 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। यह मेट्रो लाइन शहर के रिहायशी, औद्योगिक, व्यावसायिक और शैक्षणिक इलाकों को जोड़ने का काम करेगी, जिससे बेंगलुरु की बढ़ती ट्रैफिक समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें बेंगलुरु से बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृतसर से माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस और नागपुर (अजनी) से पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। प्रधानमंत्री का यह दौरा कर्नाटक के विकास में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पूरा चुनाव आयोग अकेले राहुल गांधी से ही डिबेट कर ले - आदित्य ठाकरे

एजेंसी

मुंबई । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए आरोपों का शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने समर्थन किया है। साथ ही दावा किया कि उनकी पार्टी पहले से ही ये कहती आ रही है। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम पहले से ही कहते आ रहे हैं कि देश में जगह-जगह वोटों की चोरी हो रही है। ऐसा हमने महाराष्ट्र चुनाव में हारने के बाद नहीं, बल्कि लोकसभा चुनाव से कहा है। कई बार तो ऐसा लगता है कि मानो भाजपा के दफ्तर से ही चुनाव आयोग चल रहा हो। ऐसे में राहुल गांधी ने जो तथ्य सामने रखे हैं, वे हवा में की गई बातें नहीं हैं, बल्कि सबूत के साथ वोट की चोरी को पकड़ा है। कुछ लोग पांच-पांच बार अलग-अलग वोटिंग कर चुके हैं।

आयोग ने 334 पंजीकृत दलों के नाम काटे

▶▶ अयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्रवाई बाकायदा जांच पड़ताल के बाद की गयी है

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि चुनाव प्रणाली को स्वच्छ बनाने के क्रम में उसने पंजीकृत एवं गैर- मान्यताप्राप्त (आरयूपीपी) राजनीतिक दलों की सूची से 334 दलों के नाम हटा दिए है। अयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्रवाई बाकायदा जांच पड़ताल के बाद की गयी है फिर भी ये दले चाहें तो 30 दिन के अंदर अयोग के समक्ष अपील दायर कर सकते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29क के प्रावधानों के अनुसार देश में इस समय छह राष्ट्रीय, 67 राज्यस्तरीय और 2854 पंजीकृत एवं गैरमान्यता

प्राप्त राजनीतिक दल हैं। आम आदमी पार्टी (आप),बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट) , इंडियन नेशनल कॉग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी को राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता है। नियमतः यदि कोई दल लगातार छह वर्ष तक चुनाव नहीं लड़ती है तो उसे पंजीकृत दल की सूची से हटा दिया जाता है। पंजीकृत दलों को समय समय पर अनिवार्य रूप से अपने बारे में कुछ विवरण भी देने होते हैं। आयोग ने कहा है कि उपरोक्त नियमों-निर्देशों के अनुपालन के संबंध में उसने जून, 2025 में राज्यों तथा केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से 345 पंजीकृत गैर-मान्यताप्राप्त दलों की जांच करने को कहा था। जांच के दौरान इन दलों को नोटिस जारी किए गए थे और बात रखने का मौका भी दिया गया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट में पाया गया था कि उनमें से 334 दल पंजीकरण शर्तों का पालन नहीं कर रहे हैं। शेष मामलों को पुनः सत्यापन के लिए अधिकारियों को वापस भेजा गया है।

आयोग ने सभी तथ्यों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की सिफारिशों पर गौर कर 334 आरयूपीपी को पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया है। इस तरह अब सूची में कुल 2854 आरयूपीपी में से 2520 शेष बचे हैं। निकाले गए दल 30 दिन के भीतर आयोग के समक्ष अपील कर सकते हैं।

इंफाल में जबरन वसूली करने वाले दो उग्रवादियों समेत छह गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में सुरक्षाबलों ने जबरन वसूली में शामिल दो उग्रवादियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के तेलीपती क्षेत्र में दुकानों और लोगों से जबरन वसूली करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के हुइकाप माखा लेइकाई से गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक उग्रवादी को बुधवार को इंफाल पश्चिमी जिले के मोइदांगपोक मानिंग से गिरफ्तार किया गया था, जो आम लोगों से जबरन वसूली और महिलाओं के साथ अपराध के मामलों को डरा-धमकाकर निपटाने में शामिल था। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को काकचिंग जिले के लुसी पाट चिंगखोक क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक इंसास राइफल, एक सिंगल बैरल राइफल और स्थानीय रूप से निर्मित एक पिस्तौल बरामद की है। इसने बताया कि विभिन्न प्रकार के 60 से ज्यादा कारतूस, दो विस्फोटक पैकेट और दो डेटोनेटर भी बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिमी जिले के लांगोल उसोई माखोंग में सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है।

लापता मछुआरे का शव एक सप्ताह बाद समुद्री तट पर मिला

बालासोर (एजेंसी)। समुद्र में लापता हुए ओडिशा के चार मछुआरों में से एक का शव एक सप्ताह बाद बालासोर जिले में समुद्री तट से बरामद हुआ है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक गोपाल गिरि (60), उनके बेटे मधुसूदन (35) और रवींद्र (38) व उनके रिश्तेदार जगन्नाथ पाल (23) 2 अगस्त को समुद्र में मछली पकड़ने गए थे और लापता हो गए थे। इनमें से दो को बचा लिया गया था। तलसारी समुद्री थाने की प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गोपाल गिरि का शव शुक्रवार को भोगराई प्रखंड में उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक इससे पहले जगन्नाथ और मधुसूदन को पड़ोसी पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में दीघा तट के पास से बचा लिया गया था, जबकि रवींद्र गिरि का शव उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद हुआ था।

दिल्ली के जैतपुर में मकान की दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत.... महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में तेज बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एक मकान की दीवार गिरने से कई लोग मलबे में दब गए। हादसे में कुल 8 लोग घायल हुए, जिसमें से 7 की मौत हुई है, जबकि एक व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने बिना समय गंवाए हाथों से मलबा हटाकर फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। हादसे के वक्त ज्यादातर लोग घर के अंदर मौजूद थे। हादसे में घायल हुए 5 लोगों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया, जहां सभी की मौत हो गई। एक अन्य घायल व्यक्ति, हाशिबुल, अभी भी सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर है। मृतकों में महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां भी शामिल है। मृतकों में शबीबुल (30 वर्ष), रबीबुल (30 वर्ष), मुत्तु अली (45 वर्ष), रुबीना (25 वर्ष), डॉली (25 वर्ष), रुखसाना (6 वर्ष), हसीना (7 वर्ष) शामिल है। घटना के चश्मदीद और स्थानीय निवासी ने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ, लोग बिना देर किए मदद के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने कहा, 'यह हादसा बेहद दर्दनाक था। मलबे से लोगों को निकालने के दौरान स्थिति भयावह थी और ज्यादातर लोग पहले से ही गंभीर रूप से घायल हो चुके थे।' हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तान में 10 में 6 नागरिकों को नहीं मिल रहा पौष्टिक खाना... कंगाल देश की सच्चाई

सूची में भारत स्थिति में हुआ सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताज़ा रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया और पड़ोसी देशों में पौष्टिक आहार की पहुंच को लेकर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 60 प्रतिशत जनता साल 2024 में पौष्टिक और स्वस्थ आहार का खर्च वहन करने में असमर्थ रही। यह न केवल देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के गहराने की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां आर्थिक कठिनाइयों और बढ़ती महंगाई के कारण अधिकतर लोग पौष्टिक खाना पान का खर्च नहीं उठा पा रहे हैं। 2024 में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ोतरी दिखाता है। इसका मतलब है कि हर 10 में से 6 पाकिस्तानी नागरिकों की थाली में पर्याप्त पोषण नहीं पहुंच रहा। पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश का नाम आता है, जहां 2024 में 44.4 प्रतिशत जनता पौष्टिक आहार तक पहुंच बनाने में असमर्थ रही। हालांकि, बांग्लादेश ने 2017 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार किया है। सात साल पहले यहां 65.7 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, लेकिन सरकारी नीतियों, आर्थिक सुधारों और खाद्य वितरण कार्यक्रमों के चलते इसमें कमी आई है।

फिलीपींस, श्रीलंका और भारत की स्थिति

फिलीपींस में 44 प्रतिशत और श्रीलंका में 42.9 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार से वंचित हैं। वहीं, भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर हुई है। 2017 में जहां 59.2 प्रतिशत भारतीय पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर 40 प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद, अभी भी हर 10 में से 4 भारतीय स्वस्थ आहार के खर्च को वहन करने में असमर्थ हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वाले सुन लें... 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया

भारतीय वायु सेना का दावा, एस-40 मिसाइल सिस्टम गेंम चेंजर साबित हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) प्रमुख एयर चीफ मार्शल (एसीएम) एपी सिंह ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के एस-40 मिसाइल सिस्टम ने हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 5 पाकिस्तानी वायु सेना (पीएफए) के लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। इसके अलावा, एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/ इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी) विमान को भी 300 किलोमीटर की दूरी से नष्ट किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि जेकबाबाद में खड़े कु एफ-16 विमानों और भोलारी एयर बेस पर एक एईडब्ल्यू एंड सी को विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर नष्ट किया।

एसीएम सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए एस-400 का इस्तेमाल किया। यह रूस से खरीदा गया एक उन्नत सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जो 400 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के लिए गेंम चेंजर साबित हुआ। इस ऑपरेशन में एस-400 ने शानदार प्रदर्शन कर 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी विमान को 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो सिस्टम की रेंज और सटीकता को दिखाता है। एईडब्ल्यू एंड सी विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में इस्तेमाल होता है। इसलिए इसका नष्ट होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका हो सकता है। वायुसेना प्रमुख ने दावा किया कि जेकबाबाद एयर बेस पर खड़े कुछ एफ-16 लड़ाकू विमानों को नष्ट किया गया। ये विमान पार्किंग में थे, लेकिन सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना ने उन पर हमला किया। इस तरह, भोलारी एयर बेस पर एक और एईडब्ल्यू एंड सी विमान को निशाना बनाया गया। ये हमले दिखाते हैं कि भारत के पास दुश्मन की गतिविधियों की सटीक जानकारी थी। उसका इस्तेमाल सही समय पर किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई छोटी लेकिन तीव्र सैन्य मुठभेड़ का हिस्सा था। इस दौरान भारत ने अपनी हवाई श्रेष्ठता साबित करने के लिए कई कदम उठाए। एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे हथियारों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया। यह ऑपरेशन भारत की हवाई रक्षा और सटीक हमले की क्षमता को दुनिया के सामने लाया है।

सैफ अली खान परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत, हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्षस्थ न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पूर्वजों से जुड़े संपत्ति विवाद में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्लाह खान की शाही संपत्ति से जुड़े दशकों पुराने संपत्ति विवाद को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया था। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। बेंच ने नवाब हमीदुल्ला खान के बड़े भाई के वंशजों उमर फारुक अली और राशिद अली की याचिका पर नोटिस जारी किया, जो हाईकोर्ट के 30 जून के आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें 14 फरवरी, 2000 के निचली अदालत के फैसले को खारिज कर दिया गया था, जिसमें नवाब की बेटी साजिदा सुल्तान, उनके बेटे मंसूर अली खान (पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान) और उनके कानूनी उत्तराधिकारियों, अभिनेता सैफ अली खान, सोहा अली खान, सबा सुल्तान और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के संपत्ति पर विशेष अधिकार बरकरार रखे गए थे। हाईकोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत का फैसला 1997 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले पर आधारित था, जिसे बाद में 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया था। हालांकि, 2019 के उदाहरण को लागू करने और मामले का निर्णायक रूप से फैसला करने के बजाय, हाईकोर्ट ने मामले को पुनर्मूल्यांकन के लिए वापस भेज दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के तहत उल्लिखित प्रक्रियात्मक मानदंडों के विपरीत है।

राहुल के आरोप झूठ का पुलिंदा, जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया: भाजपा

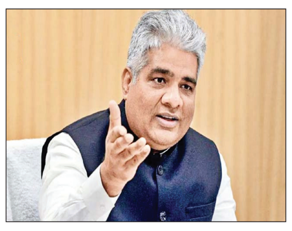

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को झूठ का पुलिंदा करार दिया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि राहुल जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग (ईसी) जैसे संवैधानिक संस्थान को धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, जो विपक्ष के नेता के पद की गरिमा के खिलाफ है। यादव ने कहा कि अगर राहुल को वाकई आपत्ति है, तो उन्हें मीडिया में आरोप लगाने की बजाय चुनाव आयोग के सामने शपथपत्र देकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

भूपेंद्र यादव ने बताया कि राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक करोड़ नए वोटर जुड़े, लेकिन चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार यह संख्या 40 लाख से थोड़ी अधिक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने आरोपों की जो बुनियाद बनाई, वह ही गलत साबित हो गई। यादव ने कहा कि महाराष्ट्र की कई सीटों जैसे मढ़ा, मोहोल, नागपुर वेस्ट और नागपुर नॉर्थ में वोटर की संख्या बढ़ी और वहां कांग्रेस या उसकी सहयोगी पार्टियां ही जीतीं। ऐसे में धांधली का आरोप खुद उनके ही दावे को गलत साबित करता है। यादव ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो वही बात हो गई जैसे कोई आदमी जिस डाल पर बैठा हो, उसी को काट दे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सिर्फ एक परिवार के लिए संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब करने में लगी है, चाहे वो चुनाव आयोग हो, संसद हो या सेना।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को पहले सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी थी क्योंकि उन्होंने सेना को लेकर भी गलत बयान दिए थे। अंत में भूपेंद्र यादव ने कहा कि जो लोग संविधान का सम्मान करते हैं, उन्हें संवैधानिक संस्थानों के खिलाफ धमकी भरी भाषा नहीं अपनानी चाहिए।

रिश्तों में बढ़ेगी तल्खी: किसी भी हाल में ट्रंप के टैरिफ के आगे नहीं झुकेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में भारत की आर्थिक मजबूती पर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार मार्गों और साझेदारियों में बदलाव के बीच भारत अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। गोयल ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गतिशील प्रकृति पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया निरंतर विकसित हो रही है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नया रास्ता तलाश रहा है।

गोयल ने भरोसा जताया कि भारत विजेता के रूप में उभरेगा। ट्रम्प के भारत को डेड इकोनॉमी बताने वाले बयान का जवाब देते हुए गोयल ने तंज कसते हुए कहा कि समझने वाले समझ गए, जो न समझे वो अनाड़ी हैं। गोयल ने भारत की मजबूत आर्थिक नींव पर जोर दिया और कहा कि पूरी दुनिया भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रही है। पूरी दुनिया भारत की ताकत, हमारी डेमोग्राफिक ताकत और 1.4 अरब महत्वाकांक्षी भारतीयों की मांग को पहचान रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत एक विशाल बाजार है। उन्होंने सवाल किया कि आपको क्यों लगता है कि देश हमारे साथ व्यापार या बेहतर बाजार पहुंच के लिए कतार में हैं? यह भारत की बढ़ती वैश्विक निवेश और व्यापार साझेदारी की अपील को दर्शाता है। ट्रम्प के शुल्क से कपड़ा, दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में निर्यातकों के बीच चिंता है, जो अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं। गोयल ने वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को एक स्वाभाविक उथल-पुथल बताया, जहां कुछ देश उभरते हैं और कुछ पीछे रह जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह भारत का समय है और भारत को वैश्विक बाजारों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरते हुए देखा जा रहा है। मंत्री ने भविष्यवाणी की कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का निर्यात पिछले वर्ष के रिकॉर्ड 825 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा, जिसमें 437 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वस्तु निर्यात शामिल थे। ये वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद स्थिर रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रस्तावित 50 फीसदी शुल्क के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने निश्चिंतता जताई। उन्होंने कहा कि भारत संकट में अवसर तलाशता है। राष्ट्र का मनोबल ऊंचा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत ताकत है।

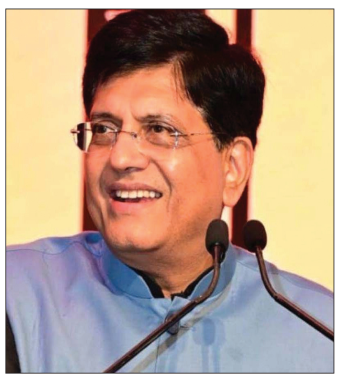

नीतीश पर चिराग के बयान से नाखुश बीजेपी, बंद कमरे में होगी बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे से पहले एनडीए (एनडीए) गठबंधन में तनाव बढ़ गया है। बीजेपी, एलजेपी (एलजेपी) प्रमुख चिराग पासवान के हाल ही में दिए गए बयानों से नाराज़ है, जिसमें उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार सरकार की आलोचना की थी। बीजेपी का मानना है कि चिराग के ये बयान गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचा रहे हैं और महागठबंधन के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं। इस लेकर बीजेपी के सीनियर नेता सक्रिय मोड में आ चुके है। बीजेपी जल्द ही चिराग पासवान के साथ एक बंद कमरे में मीटिंग करेगी। इस मीटिंग में उन्हें यह साफ़ संदेश दिया जाएगा कि गठबंधन की एकता बनाए रखें और नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। इतना ही नहीं बीजेपी बार-बार यह दोहरा चुकी है कि बिहार में एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं, और चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। बात दें कि चिराग पासवान का यह रवैया नया नहीं है, वह पहले भी कड़े तेवर दिखा चुके हैं। बीजेपी ने पहले भी उन्हें संयम बरतने की सलाह दी थी। एनडीए ने सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद फाइनल होगा। कुछ लोगों का मानना है कि चिराग नीतीश की आलोचना करके पासवान वोटों को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं। राम विलास पासवान के समय से ही एलजेपी और जेडीयू के बीच रिश्ते सहज नहीं रहे हैं।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा यमुना का जलस्तर... दिल्ली में बाढ़ की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर शनिवार सुबह 9 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर 204.40 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 204.50 मीटर से बस थोड़ा ही नीचे है। दिल्ली प्रशासन ने इस बात को गंभीरता से लेकर सभी संबंधित विभागों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कह दिया हैं। दरअसल केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने बताया, यमुना का जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी का छोड़ा जाना है। इसके अलावा, हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश ने भी नदी के जलस्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इसकारण यमुना में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जो कि आने वाले दिनों में बाढ़ का कारण बन सकता है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 30,800 क्यूसेक और हथिनीकुंड बैराज से 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे का समय लेता है। ऊपरी क्षेत्रों से कम मात्रा में पानी छोड़े जाने के बावजूद, दिल्ली में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है खतरे का निशान?

दिल्ली में यमुना के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.30 मीटर पर है। यदि जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचता है, तब शहर में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ओल्ड रेलवे ब्रिज यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। वहीं दिल्ली सरकार ने बाढ़ की आशंका को देखकर सभी जरूरी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। संबंधित एजेंसियों को नदी के किनारे बसे इलाकों में नजर रखने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। दिल्लीवासियों से भी अपील की गई है कि वे नदी के आसपास सावधानी बरतें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया है कि 2024-25 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। यह पिछले साल के 1.27 लाख करोड़ से 18 प्रतिशत ज्यादा है, और 2019-20 के 79,071 करोड़ की तुलना में 90 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी है। इस कुल उत्पादन में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान लगभग 77 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत रहा। पिछले साल की तुलना में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 21 से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है, जो दिखाता है कि देश के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इस उपलब्धि का श्रेय केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की नीतियों को दिया जा रहा है। मोदी सरकार का मुख्य लक्ष्य आयात पर निर्भरता को कम करना और भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों ने इस साल क्रमश: 16 और 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह रिकॉर्ड वृद्धि दर्शाती है कि भारत का रक्षा उद्योग लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में और भी तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

भारत सही मायने में विश्व गुरु तब बनेगा जब देश अध्यात्म की और बढ़ेगा: भागवत

दुनिया में कई देश अमीर पर उनके पास अध्यात्म और धर्म नहीं जो हमारे पास है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में भारत के विश्व गुरु कहे जाने को लेकर कहा कि विश्व भारत को उसके अध्यात्म के लिए महत्व देता है और इस क्षेत्र में देश को विश्व गुरु मानता है, बजाय इसके कि वह इस बात से आश्चर्यचकित हो कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है। एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि सभी के साथ अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने भी भावना ही भारत को सचमुच में महान बनाती है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगर हम 3000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन भी जाएं तो दुनिया को इससे कोई आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि कई देश हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। अमेरिका अमीर है, चीन अमीर हो गया है और कई अमीर देश हैं। कई चीजें ऐसी हैं जो अन्य देशों ने की हैं और हम भी करेंगे, लेकिन दुनिया में अध्यात्म और धर्म नहीं है जो हमारे पास है।

संघ प्रमुख ने कहा कि अर्थ (धन) भी महत्वपूर्ण है इसके साथ ही सभी क्षेत्रों में प्रगति भी जरूरी है, लेकिन भारत सही मायने में विश्व गुरु तब माना जाएगा जब देश अध्यात्म की और आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अध्यात्म और धर्म में यह वृद्धि तब होगी जब हम न केवल त्योहार मनाएंगे और अपनी पूजा पद्धति से काम करेंगे, बल्कि हमारा जीवन भी भगवान शिव की तरह इतना निर्भय हो जाएगा कि हम अपने गले में सांप भी धारण कर सकें। हमारे पास जो गुण, शक्ति और बुद्धि है उसका उपयोग दूसरों के लाभ के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे अंदर जो भी अच्छाई है, उसे हमें सबके साथ बांटना चाहिए। बुराई कुछ हद तक मौजूद है, लेकिन उसे रोका जाना चाहिए और उसे फैलने नहीं देना चाहिए। हमें नकारात्मकता को कभी दूसरों को नहीं देना चाहिए। बल्कि उसे अपने भीतर समेटकर उसे खत्म करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर अच्छाई बांटनी चाहिए। हमें इसी तरह जीना चाहिए ज्यादा से ज्यादा लोग हमसे जुड़ें। अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने की यही भावना भारत को सचमुच महान बनाती है।

उत्तराखंड में 2015 से 2024 तक 4654 लैंडस्लाइड, 92 एवलांच, 67 बार फटे बादल

-मानसूनी बारिश में हर पल मंडराता है संकट, स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण

देहरादून (एजेंसी)। हिमालयी राज्यों में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। आए दिन भूस्खलन, बादल फटना, एवलांच, बिजली गिरना, आंधी तूफान जैसे घटनाएं होती हैं। बीते कुछ सालों से उत्तराखंड भी ऐसी ही आपदाओं से जूझ रहा है। भले ही उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता हो लेकिन यहां स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। मानसूनी बारिश में हर पल यहां संकट मंडराता रहता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटनाओं के आंकड़ों को आपदा प्रबंधन विभाग तैयार करता है। विभाग के 2015 से लेकर 2024 तक के आंकड़ों को देखें तो पूरे प्रदेश में इन सालों में तकरीबन 4654 भूस्खलन, एवलांच की 92, बिजली गिरने की 259, बादल फटने की 67, तेज़बारिश और बाढ़ की तकरीबन 12758 घटनाएं हुई हैं। इन आकंड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड आपदा ग्रसित राज्य है। यही नहीं बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं 13 जिलों में से पौड़ी में सबसे ज्यादा हुई हैं।

वहीं उत्तरकाशी में 2015 से लेकर 2024 तक तकरीबन 1525 घटनाएं हुई, जिसमें लैंडस्लाइड से लेकर बाढ़, एवलांच, ओलावृष्टि, बादल फटना, जंगल में आग की घटनाएं भी शामिल हैं। आंकड़ों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तराखंड में 2015-2024 के दशक में प्राकृतिक आपदाओं से कुल मिलाकर करीब 1100 लोगों की मौत हुई है। इसमें भूस्खलन सबसे बड़ा कारक है, जबकि बाढ़ और अतिवृष्टि और बादल फटना अन्य प्रमुख कारण हैं। सिर्फ लैंडस्लाइड से तकरीबन 319 लोगों ने अपनी जान गंवाई।

पौड़ी जिले के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं हुई हैं। बीते 10 सालों के आंकड़ों को देखें तो पौड़ी में सिर्फ भूस्खलन की तकरीबन 2040 घटनाएं हुईं। पिथौरागढ़ में 1426, टिहरी में 279, चमोली में 258 और चंपावत 173, उत्तरकाशी में 80, रुद्रप्रयाग में 48, अल्मोड़ा में 30 घटनाएं दर्ज़ हुईं। बता दें हर साल ये सिलसिला यूं ही चलता रहता है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि नेचुरल डिजास्टर के इम्पैक्ट को कम करने के लिए काम किया जा रहा है। जहां-जहां अक्सर भूस्खलन की समस्याएं आती हैं, वहां इसे रोकने के लिए काम ट्रीटमेंट किया जा रहा है। इसके अलावा, विभाग द्वारा इन सभी प्राकृतिक आपदाओं पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है, जिसकी मदद से उनका अध्ययन किया जाता है। बता दें 5 अगस्त को उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल में आई आपदा ने लोगों को झकझोर दिया है। पानी के साथ आए मलबे से बचने के लिए लोगों इधर-उधर भागते नज़र आए, जिनकी वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खेलते हुए मेनहोल में गिरा तीन साल का बच्चा, तलाश जारी; मशीन से तोड़ी जा रही गली

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला के खेड़ा खुर्द गांव में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। तीन साल का मासूम निकुंज खेलते समय एक खुले मेनहोल में गिर गया। घटना के बाद से बच्चे की तलाश में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया है, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। स्थानीय पुलिस और राहत बचाव दल मौके पर मौजूद हैं। बच्चे को ढूंढने के लिए गली को अर्थ मूवर मशीन से तोड़ा जा रहा है, ताकि सीवर लाइन के अंदर फंसे बच्चे का पता लगाया जा सके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निकुंज सुबह खेलते समय अचानक मेनहोल में गिर गया, जो संभवतः खुला छोड़ दिया गया था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खुले मेनहोल की वजह से पहले भी कई बार खतरा उत्पन्न हो चुका है, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और राहत कार्यों को तेज करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाए जा रहे हैं। बच्चे के परिजन और स्थानीय निवासी मौके पर मौजूद हैं और निकुंज की सलामती की दुआ कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने और बचाव कार्य में सहयोग करने की अपील की है। फिलहाल, सभी की निगाहें राहत दल की कोशिशों पर टिकी हैं, जो बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए जुटे हुए हैं।

कड़कड़डूमा के अस्पताल में लगी आग, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में आज शनिवार को आग लगने की खबर सामने आई है। कड़कड़डूमा के कॉसमॉस अस्पताल में आग लगी है। जहां दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। आग की घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। घायलों में से सात को आनंद विहार अस्पताल में ही भर्ती कराया गया है, जबकि तीन अन्य को मामूली चोटें आई हैं। आग लगने की जानकारी होने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुँचीं। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। अग्निशमन अधिकारी अशोक कुमार जायसवाल ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा के नियंत्रण कक्ष को दोपहर करीब 12.20 बजे सूचना मिली कि कॉसमॉस अस्पताल में आग लग गई है।

दिल्ली में बारिश से आफत: सड़कें डूबी ट्रैफिक की थमी रफ्तार, पेड़ भी गिरे

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। तेज बारिश से दिल्ली और नोएडा के कई हिस्सों में जलभराव हो गया है। लगातार बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटे तक लगातार बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। दिल्ली के वसंत कुंज, आरके पुरम, कनॉट प्लेस और मिंटो ब्रिज जैसे इलाकों में तेज बारिश हो रही है। सुबह से ही लगातार हो रही बारिश के कारण पंचकुइयां मार्ग पर जलभराव की खबर है। दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश के कारण एम्स के पास यातायात ठप हो गया है। राजधानी में भारी बारिश के बाद बारापुला पुल के पास वाहनों की धीमी गति और जाम देखा गया। मूसलाधार बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया है। मध्य दिल्ली के पटेल नगर इलाके में बारिश के कारण जलभराव हो गया है। जलभराव की वजह से लोगों का रास्ते पर चलना मुश्किल हो गया है। वहीं बाइक-स्कूटी वाले यात्री रेंगते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज रक्षा बंधन का पर्व मनाया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा में शनिवार सवेरे से तेज बरसात से दादरी ओर ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर जलभराव हो गया। दादरी के रेलवे रोड़, तिलपता, 130 मीटर, मकौड़ा, बोड़ाकी समेत कई स्थानों पर बने अंडरपास पर पानी भरने से आवागमन बंद हो गया। इनसे बचने के लिए लोगों को सूरजपुर से जाना पड़ा। यातायात बाधित होने पर जाम लगा रहा। बरसात से

दादरी नगर ओर देहात समेत कई इलाकों की बिजली गुल हो गयी। सूरजपुर कासना रोड पर जगत फार्म के सामने मैन रोड पर बहुत ज्यादा बारिश का पानी भरा हुआ है। जलभराव की वजह से वाहनों का निकलना मुश्किल हो रहा है। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को हल्की बारिश का अनुमान जताया था। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर के मुताबिक, मानसून ट्रफ वर्तमान में दिल्ली के उत्तर की ओर खिसक गई है, जिसके कारण दिल्ली-एनसीआर में अच्छी बारिश की संभावना कम हो गई है। इस वजह से बारिश ज्यादातर पहाड़ी इलाकों तक सीमित है। अगले हफ्ते के मध्य से बारिश के तेज होने की उम्मीद है। तब तक सप्ताह भर में एक-दो बार हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, शुक्रवार से सोमवार (8-10 अगस्त) के बीच मानसून ट्रफ के उतार-चढ़ाव के कारण एक-दो बार मध्यम बारिश भी हो सकती है। मध्य दिल्ली के रामा रोड पर बारिश के कारण आज सुबह एक पेड़ अचानक से गिर गया। हालांकि राहत की बात यह है कि इसमें कोई भी जान या माल का नुकसान नहीं हुआ। मौके पर निगम कर्मी गिरे हुए पे? हटा रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेक-इन-मानसून की स्थिति को खत्म करने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक नया चक्रवाती सिस्टम बनना जरूरी है। विभाग के अनुसार, 11-12 अगस्त 2025 को उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो अगले 24 घंटों में मजबूत होकर देश के अंदरूनी हिस्सों में बढ़ेगा। इससे मानसून ट्रफ दक्षिण की ओर खिसकेगी, जिससे ब्रेक मानसून की स्थिति खत्म होगी और दिल्ली-एनसीआर में सामान्य बारिश शुरू हो जाएगी। अगले हफ्ते के मध्य से बारिश के तेज होने की उम्मीद है। तब तक सप्ताह भर में एक-दो बार हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, शुक्रवार से सोमवार (8-10 अगस्त) के बीच मानसून ट्रफ के उतार-चढ़ाव के कारण एक-दो बार मध्यम बारिश भी हो सकती है।

जेल में बरसाती नाले में डूबने से दो कैदियों की मौत, तिहाड़ में हत्या की सजा काट रहे थे दोनों

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में शुक्रवार को दो कैदियों की बरसाती नाले में डूबने से मौत हो गई है। मृतकों की शिनाख्त अमित व विनय के रूप में हुई है। दोनों जेल संख्या आठ- नौ में हत्या के मामले में सजायाफ्ता थे। जेल प्रशासन सीसीटीवी कैमरे की मदद से इस बात की जांच कर रही है कि दोनों कैदी कैसे डूबे। शुरुआती जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में जेल मुख्यालय ने उपाधीक्षक, सहायक अधीक्षक व हेड वार्डर को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच की जिम्मेदारी जेल के डीआइजी को सौंपी गई है। घटना की न्यायिक व पुलिस जांच भी की जा रही है। जेल के अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे की है। जेल में बंद अमित व विनय को बागवानी की

जिम्मेदारी दी गई थी। बागवानी से जुड़े काम के लिए दोनों कैदी जेल की दो बाहरी दीवार के बीच बने रास्ते से काम करने के लिए जा रहे थे। जिस रास्ते से दोनों जा रहे थे, उस रास्ते से करीब 15 फीट गहरा बरसाती नाला गुजरता है। यह नाला ऊपर से ढका है, लेकिन जगह जगह इसमें ढक्कन लगे हैं। सूत्रों का कहना है कि कुछ जगहों पर ढक्कन पूरी तरह बंद नहीं है या ढक्कन गायब हैं। सुबह साढ़े आठ बजे जेल के वाच टावर पर तैनात आइटीबीपी के एक जवान ने इसमें एक कैदी को गिरता हुआ देखा। उन्होंने शोर मचाया। जब लोग वहां पहुंचे तो पाया कि नाले में दो कैदी अचेत पड़े हैं। दोनों को नाले से बाहर निकाला गया। इन्हें मौके पर ही सीपीआर दिया गया। इनके शरीर में थोड़ी हलचल होने पर दोनों को तुरंत जेल के अस्पताल और फिर डीडीयू अस्पताल भेजा गया, जहां दोनों ने दम तोड़ दिया। जेल सूत्रों का कहना है कि दोनों कैदी को नाले की सफाई के लिए नहीं भेजा गया था। ऐसे हालत में वह किसके कहने पर नाले के पास गए थे। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। जेल प्रशासन का कहना है कि जेल में नाले की सफाई का काम कैदी नहीं करते। यह जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग की है। आशंका है कि पहले एक कैदी गलती से नाले में फिसल गया होगा और फिर दूसरा उसकी जान बचाने के चक्कर में अंदर गया होगा। जेल प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के बारे में जानकारी मिल पाएगी।

मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के मादक द्रव्य निरोधक शाखा ने मादक पदार्थों की आपूर्ति में लिप्त चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन की दो हजार से अधिक गोलियां और एविल इंजेक्शन की करीब दस हजार शीशियां बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान कुलदीप कुमरा, रोहित गोयल, सतीश और सिद्धार्थ बंसवाल के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 31 जुलाई को पुलिस को मादक पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज स्थित एक घर में छापा मारा। वहां से कुलदीप कुमार को गिरफ्तार किया। घर की तलाशी के दौरान ब्यूप्रेनॉर्फिन की 133 गोलियां और एविल इंजेक्शन की 420 शीशियां बरामद की गईं। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि उसने बरामद मादक पदार्थ संतनगर निवासी रोहित गोयल से खरीदे थे और उन्हें अवैध रूप से बेचता था। 2 अगस्त को पुलिस ने दबिश देकर रोहित गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोहित गोयल ने बताया कि यह दवा और इंजेक्शन उसने भलस्वा डेयरी निवासी सतीश से खरीदी थी। पुलिस ने उसके निशानदेही पर सतीश को गिरफ्तार कर लिया। उसके घर की तलाशी लेने पर ब्यूप्रेनॉर्फिन की करीब दो हजार गोलियां और एविल इंजेक्शन की 4700 शीशियां बरामद हुईं। आरोपी सतीश कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने एविल इंजेक्शन चावड़ी निवासी सिद्धार्थ बंसवाल और ब्यूप्रेनॉर्फिन गोलियां बुराड़ी निवासी वंश त्यागी से खरीदी थी। 5 अगस्त को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीता राम बाजार चावड़ी बाजार स्थित सिद्धार्थ बंसवाल के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान एविल इंजेक्शन की कुल 4800 शीशियां बरामद हुईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुलदीप ई-रिक्शा चलाता है और रोहित गोयल फास्ट फूड बेचने का काम करता है। वहीं, सतीश अपने घर के पास एक छोटा सा मेडिकल स्टोर चलाता है। सिद्धार्थ बंसवाल एक मेडिकल स्टोर में काम करता है। चारों जल्दी अमीर बनने के चक्कर में दवाओं की तस्करी करने लगे।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि चार अगस्त को आशीष अपने दोस्तों के साथ वाल्मीकि मार्ग पर पार्टी करने के लिए गया था। पार्टी के दौरान आशीष और उसके दोस्तों में झगड़ा हो गया, जिसके बाद सभी दोस्तों ने मिलकर आशीष के साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्त उसे वहीं पर छोड़कर भाग गए। सूचना मिलने के बाद जब तक पुलिस घटनास्थल तक पहुंची तब तक आशीष के परिजन उसे जीटीबी अस्पताल ले जा चुके थे।

दूषित भूजल से निपटने में लापरवाही पर एनजीटी की फटकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने आवासीय सोसाइटियों में खराब और दोषपूर्ण वर्षा जल संचयन प्रणालियों (आरडब्ल्यूएच) के चलते द्वारका में भूजल प्रदूषण से निपटने में दिल्ली के अधिकारियों की तरफ से की गई अपर्याप्त कार्रवाई पर फटकार लगाई है। ऐसे में अदालत ने डीजेबी और डीपीसीसी को चार सप्ताह के अंदर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा। साथ ही, आवेदक को कानूनी सलाहकार नियुक्त करने का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी। अदालत ने यह भी नोट किया कि मूल 2021 के आदेश में डीजेबी, डीपीसीसी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को शामिल करते हुए संयुक्त सुधारात्मक कार्य योजना अनिवार्य की गई थी। चूंकि सीपीसीबी को मौजूदा निष्पादन कार्यवाही में पक्ष नहीं बनाया गया था, इसलिए आवेदक को इसे शामिल करने के लिए उचित कदम उठाने की अनुमति दी गई। यह मामला 2021 में दायर एक मूल आवेदन से उत्पन्न हुआ है, जिसमें द्वारका की आवासीय कॉलोनियों में दोषपूर्ण या उपेक्षित वर्षा जल संचयन बुनियादी ढांचे के कारण भूजल प्रदूषण के बारे में चिंता जताई गई थी। एनजीटी ने पहले डीजेबी, डीपीसीसी और सीपीसीबी द्वारा एक संयुक्त कार्य योजना सहित सुधारात्मक उपायों का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान आवेदक महेश चंद्र सक्सेना अधिकरण के सामने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों की तरफ से पूर्व में जारी किए गए उपचारात्मक निर्देशों को लागू करने में निरंतर विफलता पर जोर दिया। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने 22 जुलाई, 2025 को पुनः प्रस्तुत की गई एक नई रिपोर्ट में द्वारका में 176 आवासीय सोसाइटियों में किए गए एक सर्वेक्षण के चौंकाने वाले निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए। डीजेबी की रिपोर्ट से पता चला कि 115 सोसाइटियों में भूजल फीकल कोलीफॉर्म से दूषित था। चार सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) प्रणालियां पूरी तरह से निष्क्रिय थीं। 25 सोसाइटियों में सूखे गड्ढे थे और केवल 32 सोसाइटियों में फीकल कोलीफॉर्म की कोई उपस्थिति नहीं पाई गई। अदालत ने पाया कि डीजेबी ने पहले 20 जनवरी, 2025 को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को सूचित किया था, जिसमें चूक करने वाली सोसाइटियों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने की सिफारिश की गई थी। हालांकि, एनजीटी के समक्ष कोई ठोस अनुवर्ती कार्रवाई प्रस्तुत नहीं की गई, जिससे प्रवर्तन को लेकर चिंताएं पैदा हुईं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था।

एवीयूटी को अभियोजन में सहायता करने की अनुमति

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने उपहार त्रासदी पीड़ित संघ (एवीयूटी) को व्यवसायी सुशील अंसल के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में अभियोजन पक्ष की सहायता करने की अनुमति दे दी है। अंसल को 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड में दोषी ठहराया गया था, जिसमें 59 लोग मारे गए थे। एवीयूटी की अध्यक्ष नीलिमा कृष्णमूर्ति ने मामले में अभियोजन पक्ष की सहायता के लिए एक आवेदन दायर किया था, जिसमें जांच और आरोपपत्र दाखिल करने में कुछ आपत्तियां उठाई गई थीं। अंसल पर दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 2019 में पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया था, जो राष्ट्रीयता की जानकारी छिपाकर पासपोर्ट प्राप्त करने से संबंधित है। एफआईआर आईपीसी की धारा 177 (जानबूझकर किसी लोक सेवक को गलत जानकारी देना) और 181 (लोक सेवक या शपथ दिलाने के लिए अधिकृत व्यक्ति को शपथ या प्रतिज्ञान पर झूठा बयान देना), 192 (झूठे साक्ष्य गढ़ना), 197 (झूठा प्रमाण पत्र जारी करना या हस्ताक्षर करना) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत भी दर्ज की गई थी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रेया अग्रवाल ने कहा कि जिस एसोसिएशन के कहने पर इस मामले में कानून बनाया गया था, उसे अभियोजन पक्ष की सहायता करने का अधिकार मिलना चाहिए, जिस पर कानून में कोई रोक नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि एवीयूटी को इस मामले में अभियोजन पक्ष की सहायता करने की पूरी स्वतंत्रता है। अभियुक्तों के साथ कोई पक्षपात नहीं किया जाएगा। वकील ने कहा कि यह मामला एवीयूटी की तरफ से दायर एक रिट याचिका में उच्च न्यायालय के आदेश के माध्यम से दर्ज किया गया था। इसलिए एसोसिएशन को भागीदारी का प्रभावी अधिकार दिया जा सकता है। इससे पहले, अपनी 8-पृष्ठ की अंतिम रिपोर्ट में पुलिस ने दावा किया था कि अंसल ने शपथ पत्र पर सरकारी प्राधिकार को गुमराह किया कि उन्हें किसी भी अदालत ने किसी भी आपराधिक कार्यवाही में दोषी नहीं ठहराया गया है। यह मामला उच्च न्यायालय के निर्देश पर कृष्णमूर्ति की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अंसल ने अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए अधिकारियों से जानकारी छिपाई या गलत जानकारी दी। हालांकि, अंतिम रिपोर्ट में कहा गया है कि अंसल ने 14 अगस्त, 2017 को अपना पासपोर्ट जमा कर दिया था। क्योंकि उन्हें पता था कि उनके खिलाफ प्रतिकूल आदेश पारित किए जा सकते हैं।

पुरानी गाड़ियों पर बैन को लेकर सीएक्यूएम का बड़ा खुलासा, कोई रिसर्च नहीं की गई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर लगे बैन को लेकर अब एक अहम जानकारी सामने आई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (ष्टक्रू)

(सीएक्यूएम) ने खुद स्वीकार किया है कि इस फैसले के पीछे किसी भी तरह की वैज्ञानिक शोध या अध्ययन नहीं किया गया है। ये जानकारी पर्यावरण कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा दायर की गई एक आरटीआई के जवाब में सामने आई। जब आयोग से पूछा गया कि फिर किस आधार पर ये बैन लगाया गया, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ह्लत्रञ्ज) (एनजीटी) के %वर्धमान कौशिक बनाम भारत सरकार% केस और सुप्रीम कोर्ट के एमसी मेहता बनाम भारत सरकार% केस के आदेशों के आधार पर लिया गया है। यानी कि यह प्रतिबंध कोर्ट के निर्देशों को मानते हुए लागू किया गया, न कि किसी नए शोध या अध्ययन के आधार पर। हाल ही में सीएक्यूएम ने एक और आदेश में कहा था कि 1 जुलाई से जो फ्यूल स्टेशन पर पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल या डीजल न देने का निर्देश था, उसे 31 अक्तूबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। दिल्ली सरकार ने इसे लागू करने में ऑपरेशनल और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी दिक्कतें बताते हुए वक्त मांगा था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में इस समय लगभग 62 लाख पुरानी गाड़ियां हैं, जिनमें से करीब 41 लाख दोपहिया वाहन हैं। पूरे एनसीआर क्षेत्र में ऐसे वाहनों की संख्या 44 लाख के आसपास है, जिनमें से अधिकतर गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर और सोनीपत जैसे शहरों में हैं। सीएक्यूएम का प्लान था कि इन पुरानी गाड़ियों की पहचान ह्क्क्र (ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन) कैमरों के जरिए की जाए, ताकि उन्हें फ्यूल स्टेशन से पेट्रोल-डीजल देने से रोका जा सके। ये सिस्टम गाड़ी की नंबर प्लेट को पढ़कर उसे वाहन डाटाबेस से मिलाता है। लेकिन दिल्ली सरकार ने बताया कि यह सिस्टम अभी तकनीकी खामियों से जूझ रहा है। जैसे सॉफ्टवेयर की दिक्कतें, कैमरों की गलत जगहों पर फिटिंग, सेंसर खराब होना और आस-पास के राज्यों के डाटाबेस से सही तरीके से कनेक्शन न होना। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी कई बार दिल्ली-एनसीआर में पुरानी और प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों को हटाने में हो रही देरी को लेकर अधिकारियों को फटकार लगा चुके हैं। अब जबकि खुद सरकार ये मान रही है कि सिस्टम में खामियां हैं और खुद सीएक्यूएम ये मानता है कि कोई रिसर्च नहीं हुई, तो यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सिर्फ पुराने कोर्ट ऑर्डर के आधार पर करोड़ों लोगों की गाड़ियों पर पाबंदी लगाना सही है? दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक पुनर्विचार याचिका भी दायर की है, जिसमें 2018 में लगाए गए इस प्रतिबंध पर फिर से विचार करने की मांग की गई है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में कोर्ट और सरकार इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाते हैं।

बेटी ने तवे से पीटकर उतार दिया पिता को मौत के घाट

दिल्ली। शाहदरा जिले के मानसरोवर पार्क इलाके में बुधवार दोपहर युवती ने अपने ही पिता को रोटी पकाने वाले तवे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की शिनाख्त टेकचंद गोयल (55) के रूप में हुई है। दरअसल बेटी अन्नू (32) की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। पिता बेटी से दवाई खाने के लिए कह रहा था। इससे अचानक अन्नू आग बबूला हो गई और उसने पास रखा तवा उठाकर पिता पर हमला कर दिया। जब तक बाकी परिजन उसे पकड़ पाते उसने पिता के सिर पर कई वार कर दिए। पिता को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां टेकचंद को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने अन्नू को हिरासत में ले लिया है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 3.56 बजे वारदात की सूचना मिली। अस्पताल में मौजूद टेकचंद के बेटे से पुलिस ने पूछताछ की। शिवम ने पुलिस को बताया कि उनकी बहन मानसिक रूप से बीमार है। पिता उसको दवाई देने का प्रयास कर रहे थे। उस समय उसकी मां बाला देवी और शिवम की पत्नी प्रिया भी वहां मौजूद थी। अचानक अन्नू ने पिता पर तवे से हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अन्नू के इलाज के पेपर भी मांगे गए हैं। इसके अलावा टेकचंद की पत्नी और बेटे शिवम की पत्नी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बाकी रिश्तेदारों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विभाजन विभीषिका दिवस मनाने से मिलती है एकजुटता, बलिदान की प्रेरणा : ग्रोवर

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि विशिष्ट दिवस मनाने का बड़ा महत्व होता है। विभाजन विभीषिका दिवस मनाने से एकजुटता, बलिदान और पुनर्निर्माण की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने यह बात बहादुरगढ़ में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय संगोष्ठी में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही।भारतीय जनता पार्टी जिला झज्जर ने बहादुरगढ़ स्थित गुरुद्वारा श्री सचखंड साहिब में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और वरिष्ठ नेता बोध राज सिकरी शामिल हुए। संगोष्ठी की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने की। बैठक में मनीष ग्रोवर ने बताया कि 14 अगस्त को फरीदाबाद में राज्य स्तरीय विभाजन विभीषिका स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी होंगे। साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक और पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने कहा कि विभाजन की पीड़ा को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

नागरिक क्यूआर कोड का उपयोग कर नशा मुक्ति की ऑनलाइन ले शपथः डॉ विवेक भारती

नारनौल। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने सभी विभागों के अधिकारियों को 'नशा मुक्त भारत अभियान' से जुड़ने के निर्देश दिए। इस मौके पर सभी अधिकारियों ने नशा मुक्ति को लेकर एक शपथ भी ली। जिला में यह राष्ट्रव्यापी अभियान आगामी 30 अगस्त तक जारी रहेगा। डॉ भारती ने अधिकारियों से कहा कि वे अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और यह सुनिश्चित करें कि समाज का हर वर्ग इस पहल से जुड़े। उन्होंने विशेष रूप से सेवा विभाग की ओर से जारी किए गए क्यूआर कोड का उपयोग करके लोगों को अभियान से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक नागरिक ऑनलाइन शपथ ले सकें। उन्होंने नागरिकों से भी आह्वान किया कि वे क्यूआर कोड के माध्यम से नशा मुक्ति की ऑनलाइन शपथ ले। इस अभियान के तहत जिलेभर में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न सेमिनार और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को भी निर्देश दिए कि वे लगातार इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करें। डॉ.भारती ने कहा कि 'नशा मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को सफल बनाने के लिए विशेष कर शिक्षण संस्थानों में सेमिनार तथा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करवा कर जागरूकता फैलाएं।

जिला स्तर के अधिकारी दो-दो टीबी के मरीजों को लेंगे गोद

नारनौल। जिले के सभी महकमों के जिला स्तर के अधिकारी दो-दो टीबी (तपेदिक) के मरीजों को गोद लेकर उनके इलाज और पोषण में सहायता करेंगे। टीबी मुक्त भारत अभियान की बैठक के दौरान शुक्रवार को लघु सचिवालय में अधिकारियों ने उपायुक्त डॉ विवेक भारती के समक्ष इस संबंध में अपनी सहमति प्रकट की। उपायुक्त ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में लगभग 1100 टीबी मरीज हैं। इसके लिए उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों व नागरिकों से भी आह्वान किया है कि वे टीबी मरीज को गोद लेकर निक्षय मित्र बनें। उन्होंने बताया कि निक्षय मित्र मरीजों को सिर्फ वित्तीय या पोषण संबंधी सहायता ही नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक समर्थन भी प्रदान करते हैं, जिससे वे बीमारी से लड़ने में बेहतर महसूस करते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। इस संबंध में सीएमओ डॉ अशोक कुमार ने बताया कि निक्षय मित्र बनने की प्रक्रिया बहुत सरल है। निक्षय मित्र बनने संबंधी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए सबसे पहले आपको निक्षय पोर्टल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन फॉर्म में आपको अपनी जानकारी भरनी होगी। आप टीबी मरीजों को किस तरह की सहायता देना चाहते है उसे चुनें। इसके बाद नागरिक न्यूनतम छह महीने और अधिकतम तीन साल तक के लिए 500 रुपये प्रति माह सहायता प्रदान करने का संकल्प ले सकते हैं।

गोहाना में विकास को मिले रफ्तार, मंत्री ने दिए निर्देश

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना का समग्र विकास सभी जनप्रतिनिधियों का प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में कोई लापरवाही सहन नहीं की जाएगी और सभी योजनाओं को तय समय में पूरा किया जाए। नगर परिषद सभागार गोहाना में आयोजित बैठक में मंत्री ने अधिकारियों व पार्षदों से संवाद किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्षद अपने-अपने वार्ड की तीन-तीन प्रमुख समस्याएं प्राथमिकता के आधार पर दें, जिन पर जल्द एस्टीमेट बनाकर उन्हें और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल को भेजा जाए ताकि बजट प्रावधान कराया जा सके। डॉ शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास को लेकर प्रतिबद्ध है और धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हाल ही में स्वीकृत और अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि आमजन को लाभ मिल सके।

गोसाईं समाज को केंद्र ओबीसी सूची में शामिल करने की सिफारिश करेगी हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के चंडीगढ़ आवास पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से गोस्वामी समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों सहित प्रदेश के कौने-कौने से आए बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज द्वारा रखी गई मांग पर बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि गोसाई समाज को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए हरियाणा सरकार ओबीसी आयोग को पत्र लिखकर सूची में नाम शामिल करवाने के लिए अनुशंसा करेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में किसी एक चौक का नाम तथा हिसार में स्थापित किए जाने वाले बड़े पुस्तकालय का नाम गोस्वामी

तुलसीदास जी के नाम पर रखा जाएगा। साथ ही, गोस्वामी समाज सभा की कुरुक्षेत्र में निर्माणाधीन धर्मशाला के लिए मुख्यमंत्री ने अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समारोह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता की एक गौरवमयी अभिव्यक्ति है। गोस्वामी तुलसीदास जी का नाम लेते ही मन में भक्ति, ज्ञान का भाव आ जाता है। वे मात्र एक कवि या संत दृष्टा ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने रामचरितमानस के माध्यम से भारतीय समाज को एक नई दिशा दी।

जिस समय समाज में अनेक बुराइयां फैली हुई थीं, लोगों में निराशा का भाव था, तब तुलसीदास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। उनका साहित्य केवल भारत ही नहीं, बल्कि सारी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है और हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाकर आदर्श समाज निर्माण की दिशा में कार्य करना चाहिए।

डबवाली में 24 अगस्त को होगी 'यूथ मैराथन', मुख्यमंत्री होंगे शामिलः उपायुक्त

एजेंसी

सिरसा। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि नशे के खिलाफ आमजन को जागरूक करने व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से 24 अगस्त को डबवाली में 'यूथ मैराथन' का आयोजन किया जाएगा। 'यूथ मैराथन' में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे। उपायुक्त लघुसचिवालय में आयोजन संबंधी तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मैराथन की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक डबवाली निकिता खट्टर, एडीसी विरेंद्र सहरावत, एसडीएम अर्पित संगल, जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलोड, जिला खेल अधिकारी जगदीप, डीआईओ रमेश कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों के साथ यूथ मैराथन का रूट, सुरक्षा व यातायात व्यवस्था सहित अन्य प्रबंधों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ तैयारियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। यूथ मैराथन पांच किलोमीटर, दस किलोमीटर और 21.1 किलोमीटर की श्रेणी में आयोजित की जाएगी, इसमें नागरिक विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार भागीदार बनेंगे। मैराथन के विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि गत दिनों सिरसा में हुए साइक्लोथॉन कार्यक्रम की भांति डबवाली में भी यूथ मैराथन का सफल आयोजन किया जाएगा। नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान की कड़ी में आयोजित इस यूथ मैराथन में व्यापक जनभागीदारी होगी।

भाजपा के सेवाकाल में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हित सर्वोपरि : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी की सचिव पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखेड़ी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के चलते खेती किसानी, पशुपालकों, मछुआरों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं होगा। भाजपा के कार्यकाल में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हित सबसे ऊपर हैं और रहेंगे।भाजपा नेता ओमप्रकाश धनखड़ ने यहां जारी बयान में कहा कि पीएम मोदी प्रतिबद्धता के साथ 140 करोड़ भारतीय उनके साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। पूरा देश उनके सशक्त नेतृत्व में किसानों, पशुपालकों और मत्स्य पालकों के हित में कोई भी कुर्बानी देने को तैयार है। लेकिन विपक्षी नेता और कुछ राजनीतिक दल विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की भाषा बोल रहे हैं। मौजूदा माहौल में विपक्षी नेता को भी पूरे देश की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए । विपक्षी नेता को भी देश के किसानों और पशु पालकों के हितों की सुरक्षा की बात करनी चाहिए । धनखड़ ने कहा कि दुनिया की कॉरपोरेट लॉबी भारत को उभरती

आर्थिक शक्ति के रूप में देख रही है, क्योंकि भारत की विकास दर विकसित देशों से भी ज्यादा है। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि हमारे किसान मेहनती हैं, हमारे पशु पालक मेहनती हैं, हमारे मत्स्य पालक मेहनती हैं, हमारी युवा पीढ़ी मेहनती है, हमारे वैज्ञानिक मेहनती हैं। दुनिया की कोई भी ताकत भारत को आत्मनिर्भर बनने से नहीं रोक सकती। भारत के पास पीएम मोदी जैसा सशक्त नेतृत्व और 140 करोड़ भारतीयों के मजबूत इरादे हैं। जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। माननीय अदालतों में भी मतदाता के पास अपील करने का अधिकार है। यह प्रक्रिया 1952 में हुए पहले आम चुनाव से चली आ रही है। एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा बार बार संवैधानिक संस्था पर तथ्यहीन आरोप लगानाए उसकी अपरिपक्वता को दर्शाता है। यही कारण है उनकी पार्टी में संगठन भी नहीं बन पा रहा है।

सफाई निरीक्षकों को निगमायुक्त ने दिए सफाई पुख्ता रखने के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम में हाल ही में नियुक्त किए गए 57 सहायक सफाई निरीक्षकों के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने सभी नव नियुक्त कर्मियों को कर्तव्यों के प्रति सजग, निष्ठावान, जिम्मेदार और पारदर्शी बनने का आह्वान किया। निगमायुक्त ने कहा कि आपको सरकारी विभाग में सेवा का अवसर मिला है, जिसे एक मिशन के रूप में स्वीकार करें और बेहतर कार्य करके एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अपने कार्य में कोताही या लापरवाही बरतेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। नगर निगम द्वारा हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से नियुक्त इन 57 सहायक सफाई निरीक्षकों में से 15 को जोन-1 क्षेत्र में लगाया गया है, जबकि जोन-2, 3 व 4 में 14-14 सहायक सफाई निरीक्षकों को जिम्मेदारी दी गई है। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी निरीक्षक प्रतिदिन सुबह सात बजे अपने निर्धारित क्षेत्र में पहुंचे और स्वच्छता पॉलीथीन ना पड़ी हो। डोर-टू-डोर कचरा एकत्रण व्यवस्था की निगरानी करना भी सहायक सफाई निरीक्षकों की जिम्मेदारी है। निगमायुक्त ने कहा कि सभी सहायक सफाई निरीक्षक

कर्मियों की उपस्थिति को एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर दर्ज कराएं। सहायक सफाई निरीक्षकों को सौंपी गई जिम्मेदारियों के तहत वे क्षेत्र की बेहतर सफाई सुनिश्चित कराने के साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि कहीं पर भी कचरा, मलबा या अपने-अपने क्षेत्र के पार्षद, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों के साथ संपर्क करके संवाद करें और क्षेत्र की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान कराएं। अगर कहीं पर सीवरेज या अन्य कोई समस्या है।

चेयरमैन बलियाला ने एससी-एसटी एक्ट से संबंधित शिकायतें सुनी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के पंचायत भवन में हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डा. रविंद्र बलियाला ने एससी-एसटी एक्ट से संबंधित केसों की जन सुनवाई की गई। बैठक के दौरान आयोग के समक्ष अनुसूचित जाति से जुड़े 58 से अधिक मामलों की समीक्षा की और कई मामलों में परिवादी द्वारा संतुष्ट न जाहिर करने पर आयोग ने रिपोर्ट मांगी। सूची में रखे गए 58 मामलों के अलावा करीब 15 अन्य मामलों को भी आयोग ने सुना और समाधान का आश्वासन दिया।

इस दौरान आयोग ने विभिन्न थानों में अनुसूचित जाति अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा करते हुए मौके पर ही अधिकारियों से केस के संबंध में बारीकी से जानकारी जुटाई। आयोग ने थाना सिविल लाइन में दर्ज एक केस के मामले में शिकायतकर्ता द्वारा पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट न होने पर केस

की रिपोर्ट आयोग को भेजने के निर्देश दिए।

इसी तरह रानियां थाना में दर्ज मुकदमे में पुलिस कार्रवाई से संबंधित पूरी रिपोर्ट 15 दिन में कमीशन को भेजने के निर्देश दिए। इसी तरह थाना सिरसा में दर्ज मारपीट संबंधी मामले में शिकायतकर्ता द्वारा पक्ष रखने के बाद आयोग ने पुलिस की रिपोर्ट मांगी। आयोग के चेयरमैन रविंद्र बलियाला ने कहा कि आयोग ने आज जनसुनवाई में प्राप्त विभिन्न केसों की समीक्षा की है। जिसमें जिला व पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग का गठन का लक्ष्य अनुसूचित जाति-जनजाति के अधिकारों की रक्षा करने का है। सिरसा में जनसुनवाई के दौरान सभी मामलों का बारीकी से एग्जामिन किया गया है।

कुछ मामलों में अधिकारियों से रिपोर्ट मांग ली गई है। आयोग के उपाध्यक्ष विरेंद्र बडगुर्जर ने कहा कि आयोग हर मामले की बारीकी से सुनवाई करता है और हर पक्ष को न्याय मिले, इसलिए मामलों में दोनों पक्षों को सुना जाता है। इस दौरान आयोग के उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिरसा डा. मयंक गुप्ता, पुलिस अधीक्षक डबवाली निकिता खट्टर, जिला परिषद के सीईओ डा. सुभाष चंद्र, आयोग के उपाध्यक्ष विरेंद्र बडगुर्जर, सदस्य रतनलाल बामणिया तथा रवि कुरुक्षेत्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलौड, जिला कल्याण अधिकारी राकेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चंडीगढ़, शिमला व देहरादून रूट पर चलेगी दस नई एसी बसें

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद से चंडीगढ़, शिमला और देहरादून रूट पर नई एसी बसों को संचालन जल्द ही शुरू हो जाएगा। इस रूट पर 10 नई बसों को चलाया जाएगा। जिसे लेकर रोडवेज विभाग कागजी कार्रवाई को पूरा कर रहा है। हरियाणा रोडवेज फरीदाबाद शाखा महाप्रबंधक शिखा ने बताया कि परिवहन विभाग ने फरीदाबाद डिपो को 10 नई एसी बसें भेज दी हैं। अभी तक उनके पास बसों की संख्या 160 थी, लेकिन अब 10 नई बस मिलने के बाद यह संख्या 170 हो गई है। इन बसों को चंडीगढ़, शिमला और देहरादून रूट पर चलाया जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग सहारनपुर और मेरठ के लिए बस सेवा की मांग कर रहे हैं। इन बसों के शुरू होने से सहारनपुर और मेरठ के यात्रियों को भी फायदा होगा। फरीदाबाद रोजवेज डिपो से अमृतसर, जयपुर, दिल्ली, आगरा, चंडीगढ़, शिमला, देहरादून, बैजनाथ,

कटरा, मथुरा और अलीगढ़ के लिए बसें चलाई जाती हैं। इन 10 एसी बसों के चलने से बसों की संख्या बढ़ी है। अभी तक केवल चंडीगढ़, शिमला, देहरादून, जयपुर के रूट पर ही एसी बसों की सेवा थी, लेकिन अब कई दूसरे रूट पर भी लोगों को ये सेवा मिलेगी।

हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चे के आह्वान पर किसानों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चे के आह्वान पर किसानों ने जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और मांगों को लेकर उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान एकता बीकेई व पगड़ी संभाल जट्टा (किसान संघर्ष समिति) की ओर से किसान शहीद भगत सिंह स्टेडियम, बरनाला रोड में इकट्ठे हुए और किसानों, सैनिकों, पहलवानों की आवाज पूर्व गवर्नर स्वर्गीय सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। बीकई प्रधान लखविंद्र सिंह ने बताया कि उपयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें भारी बरसात से हुए जल भराव, फसलों की खराबे की स्पेशल गिरदावरी करवा कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए, किसानों को समय पर यूरिया व डीएपी खाद की उपलब्धता, नकली खाद, बीज, बायोफर्टिलाइजर पर नकेल कसने के लिए तत्काल प्रभाव से संशोधन किया गया एक्ट लागू किया जाए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सुधार किया जाए, किसानों का बैंक खातों से जबरन बीमा प्रीमियम काटना बंद किया जाए, बकाया बीमा क्लेम जारी किया जाए, नहरों में दो

सप्ताह पानी की सप्लाई और एक सप्ताह बंदी वाला पुराना शेड्यूल बहाल किया जाए, सभी टेलों तक पानी पहुंचाया जाए, किसानों को पोर्टल प्रथा से आजाद किया जाए क्योंकि शातिर व अपराधिक प्रवृत्ति के लोग मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर किसानों की फसल का पंजीकरण राजस्व विभाग से मिलकर धोखे से अपने नाम करवा लेते हैं। धान की सरकारी खरीद 15 सितंबर से शुरू की जाए, बासमती धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण करके सरकारी खरीद सुनिश्चित की जाए, परमल धान पर नमी के नाम पर अनावश्यक लगने वाला काट बंद की जाए, अनाज मंडियों में फसल की तुलाई पारदर्शिता से हो, मंडियों के बाहर फसलों के तुलाई, सुखाई, उतराई, झराई संबंधित सभी खर्चों का विवरण फ्लेक्स बोर्ड लगाकर प्रदर्शित किया जाए, नए ट्यूबल कनेक्शन पर काडा रिपोर्ट की अनिवार्यता समाप्त की जाए, 2025 बिजली शोध बिल को रद्द किया जाए।

पानीपत में छात्रों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

एजेंसी

पानीपत। पानीपत पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई गई मुहिम के तहत पुलिस टीम ने बिंझौल गांव में सरकारी स्कूल में छात्रों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक किया। अभियान के जिला नोडल अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह ने कहा कि नशे से शरीर का नुकशान होने के अतिरिक्त पैसों की भी बर्बादी होती है। नशा करने वाले व्यक्ति का ध्यान अपराध की तरफ बढ़ता है। युवाओं को नशे की गर्त से बचाने के लिए हरियाण पुलिस लगातार प्रयासरत है। पुलिस स्कूल, कॉलेज, फैक्ट्री, गांव व कॉलोनियों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन व विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ जागरूक कर रही है। इस दौरान पुलिस टीम ने छात्रों को नशे के सेवन से होने वाले मानसिक, शारीरिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया कि किस प्रकार नशा करने से व्यक्ति

का स्वास्थ्य तो बिगड़ता ही है, साथ ही उसका सामाजिक जीवन, शिक्षा और भविष्य भी प्रभावित होता है। युवाओं को नशे की ओर आकर्षित करने वाले कई कारक होते हैं, जैसे दबाव, गलत संगत या जिज्ञासा। जागरूकता और आत्म-नियंत्रण ही इससे बचने का सबसे कारगर तरीका है। इस दौरान छात्रों को शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करेंगे।

पंचकूला व फतेहाबाद में बनेगी नई जेल, सरकार ने अलाट की जमीन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पंचकूला में नई जेल की स्थापना को मंजूरी देते हुए जमीन अलाट कर दी है। यहां बहुत जल्द जेल का निर्माण शुरू हो जाएगा। यह जानकारी जेल विभाग के महानिदेशक आलोक कुमार रॉय ने दी। श्पंचकूला मुख्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में आलोक कुमार राय ने बताया कि रोहतक में हाई सिक्योरटी जेल का काम आने वाले करीब तीन महीने में पूरा हो जाएगा, जबकि पंचकूला और फतेहाबाद में नई जेलें बनाने के लिये जमीन मिल चुकी है। हरियाणा की जेलों की अभी तक 22 हजार कैदियों की क्षमता है, जबकि कैदियों की संख्या 27 हजार है। नई जेल बनने के बाद यह समस्या खत्म हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि हरियाणा की जेलों में बंद हार्डकोर अपराधी कैसे अपना आपराधिक नेटवर्क स्थापित करते हैं और उनकी क्या कार्यप्रणाली रहती है। इसको स्टडी करने के लिये हरियाणा पुलिस ने एक एसआईटी का गठन किया है। इससे हार्डकोर अपराधियों की गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। रॉय ने बताया कि जेलों में होने वाली आपराधिक

गतिविधियों की जांच में भी की गई है। जेलों में होने वाली आपराधिक या अवैध गतिविधियों की जांच अभी तक जिला स्तर पर पुलिस द्वारा की जाती थी जबकि अब यह जांच स्टेट क्राइम ब्रांच द्वारा सेंट्रल लेवल पर की जाएगी। कारागार विभाग महानिदेशक ने दावा किया कि हरियाणा की जेलों से अब अपराधी किसी भी तरह का नेटवर्क नहीं चला रहे हैं और इस पर पूर्ण विराम लगा दिया गया है। यदि इसमें किसी जेल कर्मचारी की संलिप्तता भी पाई गई तो उसके खिलाफ क्रिमिनल करवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा की जेलों में 27 हजार कैदी हैं, जिनमे 27 गैंगस्टर्स शामिल हैं। गैंगस्टर्स का नेटवर्क तोड़ने के लिये जेल प्रशासन ने हार्डकोर क्रिमिनल्स की जेलें शिफ्ट भी की हैं। एक सवाल के जवाब में रॉय ने कहा कि पिछले छह माह में जेलों से 21 मोबाइल फोन मिलने के मामले सामने आए हैं। अभी तक जेलों में नशीले पदार्थ मिलने के 20 मामले सामने आ चुके हैं।

टायर फटने से स्कूल वैन पलटी, एक बच्चे की मौत और तीन घायल

एजेंसी

झज्जर। झज्जर-रोहतक मार्ग पर अनियंत्रित हुई स्कूल वैन का टायर फटने से बड़ा हादसा हो गया। दुर्घटना में एक स्कूल विद्यार्थी की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। वैन में 11 बच्चे सवार थे। वैन बिरधाना और गुढा गांव के बीच दुर्घटना की शिकार हुई। एसएफएस स्कूल बिरधाना की वैन स्कूल की छुट्टी होने के बाद बच्चों को झज्जर में उनके घर छोड़ने जा रही थी। हादसे में एक मासूम छात्र हितांश सिंगला निवासी झज्जर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य छात्र घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। घायलों को तुरंत नागरिक अस्पताल झज्जर में भर्ती कराया गया। यह हादसा होने से अभिभावकों में भारी रोष देखने को मिला। परिजनों ने आरोप लगाया कि वैन की हालत काफी समय से जर्जर थी और इस संबंध में कई बार स्कूल प्रबंधन को अवगत कराया गया था। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। एएसपी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया चालक की लापरवाही सामने आई है। वैन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहन जांच की जा रही है। छात्र हितांश की असमय मृत्यु से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पीड़ित परिजनों को ढांढस बंधाने के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों का आना जारी है। वहीं, कई संगठनों ने निजी स्कूलों की लापरवाह परिवहन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हादसे की सूचना मिलने के बाद जिला सिविल सर्जन डॉक्टर जयमाला भी नागरिक अस्पताल पहुंची और उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। जिला सिविल सर्जन ने बताया कि हादसे की सूचना मिली थी इस हादसे में एक बच्चे की मौत हुई है जबकि यह कन्या घायल हुआ है उसका एक लिए अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। एक अन्य बच्चों को मामूली चोट आई है। उन्होंने कहा कि वह खुद इस पूरी स्थिति का जायजा ले रही है।

सोम ग्रुप ऑफ कंपनी द्वारा हेल्थ कैम्प ने 40 से अधिक गांवों के लोगों को किया लाभान्वित

रायसेन। समाज कल्याण एवं ग्रामीण स्वास्थ्यसेवाओं के लिए अपनी सतत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए सोम ग्रुप ऑफ कंपनीज़ ने मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले में स्थित सेहतगंज गांव में नि :शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया। कंपनी की इस पहल ने एक ही दिन में 400 से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करते हुए ज़रूरतमंद समुदायों को मेडिकल सपोर्ट प्रदान किया। 40 से अधिक गांवों के मरीज़ नि :शुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कैम्प में पहुंचे, जो क्षेत्र में सुलभ स्वास्थ्यसेवाओं की तुरंत आवश्यकता एवं दूरगामी प्रभावों को दर्शाता है। सोम हाई स्कूल में आयोजित इस कैंप का संचालन आशा मोहन फाउन्डेशन हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य गांववासियों को सुलभ, नि :शुल्क मेडिकल कन्सलटेशन एवं ज़रूरी उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराना था। मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य जांच, डायग्नॉस्टिक, दवा वितरण एवं ऑन-साईट कन्सलटेशन सहित सभी ज़रूरी सुविधाएं प्रदान की और सुनिश्चित किया कि सभी मरीज़ों को समय पर गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिले। भोपाल से जाने-माने डॉक्टरों की टीम ने लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें डॉ टीना गुप्ता

(गायनेकोलोजिस्ट एवं ऑब्स्टेट्रिशियन), डॉ वसंत त्रिवेदी (आर्थोपेडिक सर्जन), डॉ संजीव गुप्ता (सीनियर कन्सलटेन्ट- डिपार्टमेन्ट ऑफ सीटीवीएस), डॉ पीयूष गोयंका (इंटरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट), डॉ नितेश उपाध्याय (पीडिएट्रिशियन, डीएनबी- पीडिएट्रिक्स) और डॉ निशांत कुमार शुक्ला (न्युरोवैस्कुलर एण्ड न्युरोएंडोवैस्कुलर सर्जन) शामिल थे। हर विशेषज्ञ ने विभिन्न आयुवर्गों एवं विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में लोगों की ज़रूरतों को पूरा किया। कैम्प को स्थानीय लोगों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पुरूषों, महिलाओं, बुज़ुर्गों ने बढ़-चढ़कर कैम्प में हिस्सा लिया, जिन्हें अक्सर नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल पातीं। चिकित्सा सुविधाओं के अलावा कैम्प ने लोगों को जल्दी निदान, निवारक चिकित्सा के बारे में जागरुक भी बनाया, ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की जागरुकता बेहद महत्वपूर्ण होती है।

वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने की नई ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी एक नयी इंडियन ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ 'एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी' लॉन्च करने जा रहा है, जो रात 9 बजे डिस्कवरी चैनल और डिस्कवरी+ पर विशेष रूप से प्रसारित होगी। यह शो दिलचस्प कहानी कहने के अंदाज़ को समृद्ध ऐतिहासिक किस्सों के साथ जोड़ता है और भारत के मशहूर और गुमनाम राजाओं-रानियों की बहादुरी और हिम्मत को फिर से ज़िंदा करता है। इसमें गोरिल्ला युद्ध रणनीति बनाने वाले योद्धाओं, नौसेना के जांबाज़ सिपाहियों और साम्राज्य बनाने वालों की कहानियाँ शामिल हैं। यह आठ एपिसोड की सीरीज़ दर्शकों को समय और ज्योग्राफिकल बाउंडरीज़ के पार ले जाती है। गढ़वाल (उत्तराखंड) और मालवा (पश्चिम मध्य प्रदेश) से लेकर राजपुताना (राजस्थान), दक्कन (महाराष्ट्र और तेलंगाना), कर्नाटक और कश्मीर तक — हर कहानी एक ऐसे शासक की झलक दिखाती है, जिसकी बहादुरी ने इतिहास की दिशा बदल दी। भारत और साउथ एशियन डायस्पोरा के दर्शकों तक इसे पहुँचाने के लिए यह सीरीज़ सात भाषाओं — अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बांग्ला — में उपलब्ध होगी।

तनाएरा ने प्रमाणिकता और विरासत को बढ़ावा देने के लिए उठाया एक और कदम

इस राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस पर अपने प्रोडक्ट्स में लाई जीआई- टैगिंग

ब्राण्ड कारीगरों को सशक्त बनाते हुए भारत की समृद्ध टेक्सटाईल धरोहर को संरक्षित बनाने के प्रयास जारी रखे हुए है

मुंबई एजेंसी। देश राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस के आयोजन की तैयारियां में जुटा है, इस बीच टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने अपने प्रोडक्ट्स पर जीआई टैगिंग की शुरूआत कर देश की बेजोड़ टेक्सटाईल धरोहर को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है। इस पहल के साथ तनाएरा देश के कुछ पहले साड़ी ब्राण्ड्स में शामिल हो गई है, जो बनारसी, चंदेरी और माहेश्वरी जैसे मुख्य क्लस्टर्स में जीआई-सर्टिफाईड हैण्डलूम साड़ियां लेकर आती है। यह पहल लूम पर काम करने वाले कारीगरों के लिए ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो कई पीढ़ियों से अपनी कारीगरी को नया आयाम देते आए हैं, और फैब्रिक के हर पीस में परम्परा बुनते हैं। यह कदम प्रमाणिकता एवं नैतिक कारीगरी के लिए तनाएरा के समर्पण की पुष्टि करता है, जिसका उद्देश्य उन उपभोक्ताओं एवं समुदायों के साथ गहरे रिश्ते बनाना है जो भारत की समृद्ध बुनाई

की परम्परा को जीवंत बनाए रखे हुए हैं। तनाएरा शुरूआत से ही प्रमाणिकता को महत्व देती आई है। सिल्क के लिए हैण्डलूम मार्क से लेकर ज़री सर्टिफिकेशन तक इनका हर प्रोडक्ट इसी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अब जीआई टेगिंग की पेशकश ब्राण्ड के प्रति उपभोक्ताओं के भरोसे को और मजबूत बनाएगी, ब्राण्ड का उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ कारीगरी को एक ही छत के नीचे लाना है।

इस पहल के तहत तनाएरा जीआई सर्टिफिकेशन को सुगम बनाने के लिए वेंडर पार्टनर्स एवं कारीगर समूहों के साथ मिलकर काम करेगी, उन्हें दस्तावेजों के लिए ज़रूरी सहयोग, कानूनी मार्गदर्शन एवं हर ज़रूरी सहायता प्रदान करेगी। आज परिधानों में डिज़ाइन की बात करें तो हाथ की कारीगरी का महत्व कम हो रहा है, इसके बजाए मशीनां के काम पर ज़ोर बढ़ा है, ऐसे में तनाएरा का यह प्रयास हाथ की कारीगरी की खूबसूरती, भव्यता एवं परम्परा को बनाए रखने, इसे संरक्षित रखने के ब्राण्ड के इरादे को दर्शाता है। तनाएरा हैण्डलूम रीटेल के लिए सर्टिफाईड एवं पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाती है। हैण्डलूम मार्क, सिल्क मार्क, ज़री सर्टिफिकेशन, खादी सर्टिफिकेट और पश्मिना सर्टिफिकेशन जैसे प्रयास ब्राण्ड के इसी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। अब जीआई टैगिंग के साथ, ब्राण्ड के सर्टिफिकेशन्स सुनिश्चित करते हैं कि ब्राण्ड का हर प्रोडक्ट उन कारीगरों से आया है जो सदियों से इस कारीगरी की धरोहर को संरक्षित बनाए रखे हुए हैं।

स्नैपचैट , डब्ल्यूपीपी मीडिया और [illegible] ने 'एटेंशन एडवांटेज रिसर्च लॉन्च की, भारत में डिजिटल विज्ञापनों के भविष्य को कर रहे हैं परिभाषित

मुंबई, एजेंसी। भारत की जनरल जेड कम्युनिटी के सबसे पसंदीदा प्लेटफॉर्म स्नैपचैट ने वैश्विक मीडिया एजेंसी डब्ल्यूपीपी मीडिया और अटेंशन-मेजरमेंट लीडर लुमेन के साथ मिलकर 'एटेंशन एडवांटेज, भारत का सबसे बड़ा मल्टी-प्लेटफॉर्म अटेंशन स्टडी लॉन्च किया। यह रिसर्च डिजिटल विज्ञापन के मूल्यांकन का

एक नया मापदंड, नया मॉडल और नया दृष्टिकोण पेश करती है, खासकर जनरल जेड को प्रभावी ढंग से टारगेट करने के लिए। यह ऐतिहासिक अध्ययन साबित करता है कि 'असली ध्यान' यानी किसी व्यक्ति की नज़र वास्तव में विज्ञापन पर हो ब्रांड प्रभाव और व्यापार वृद्धि का शक्तिशाली संकेतक है।

यह अध्ययन ऐसे समय पर आया है जब भारत की 377 मिलियन की जनरल जेड आबादी का खर्च करने की सामूहिक शक्ति 2035 तक 2 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन यह पीढ़ी उन विज्ञापनों को नकार देती है जो उनका ध्यान आकर्षित नहीं करते। 'एटेंशन एडवांटेज' अध्ययन यही समझने के लिए किया गया कि वास्तव में क्या काम करता है।

सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। राजकोट मुख्यालय वाली सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इस पेशकश में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और 400 करोड़ रुपये तक का ऑफ़र फ़ॉर सेल शामिल है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे पंप और मोटर, सोलर पंप और कंट्रोलर, पंखे, लाइटिंग, अन्य विद्युत उपभोक्ता उत्पाद और कृषि उपकरणों का बड़े पैमाने पर निर्माण करती है। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 95.17त्न की सीएजीआर के साथ परिचालन राजस्व के आधार पर, यह भारत में विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों की सबसे तेज़ी से बढ़ती निर्माता कंपनी है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने गुजरात के राजकोट में 1,38,821 वर्ग मीटर में फैला भारत का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन और वर्टिकली इंटीग्रेटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों का संयंत्र स्थापित किया है। 31 मार्च 2025 तक, कंपनी की स्थापित क्षमता पंप और मोटरों के लिए 24,00,000 यूनिट, पंखों के लिए 72,00,000 यूनिट, लाइटिंग उत्पादों के लिए 2,19,00,000 यूनिट और कृषि उपकरणों के लिए 72,000 यूनिट है। 31 मार्च 2025 तक आवासीय और सोलर पंप सेगमेंट में निर्माण क्षमता के मामले में कंपनी देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। निर्माण सुविधा में उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रमुख प्रक्रियाओं के लिए रोबोटिक ऑटोमेशन और कस्टमाइज्ड मशीनें हैं। यह बैकवर्ड इंटीग्रेटेड है, जिससे बाहरी निर्भरता कम होती है, उच्च गुणवत्ता का उत्पादन सुनिश्चित होता है और बड़े पैमाने पर कारोबारी संचालन संभव होते हैं। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड एक दोहरे व्यवसाय मॉडल का संचालन करता है सिल्वर और बेदिया ब्रांड के तहत अपने ब्रांड की बिक्री, और भारत में प्रमुख मूल उपकरण निर्माताओं के लिए उत्पादों का डिज़ाइन, निर्माण और आपूर्ति। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) हैं और ट्राइलीगल लीगल काउंसल है।

एमराल्ड फाइनेंस का एमराल्ड

'एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप गूगल प्ले स्टोर पर लॉन्च हुआ

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड (बीएसई- एमराल्ड), जो भारत में अपने प्रमुख अर्ली वेज एक्सेस सहित वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली एक गतिशील कंपनी है, ने अपने कर्मचारी-केंद्रित मोबाइल एप्लिकेशन एमराल्ड ईडब्ल्यूए के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की है, जो अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। केवल उन कंपनियों के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध जो एमराल्ड के साथ पंजीकृत हैं, एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप अर्जित वेतन तक डिजिटल और सुविधाजनक पहुंच प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह लॉन्च आधुनिक कार्यबल को जिम्मेदार और तकनीक-सक्षम वित्तीय समाधान प्रदान करने की एमराल्ड की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, जो अल्पकालिक नकदी आवश्यकताओं को तत्काल और सुरक्षित तरीके से पूरा करता है। यह ऐप एमराल्ड के स्वामित्व वाले क्लू-ड्रिवन प्लेटफ़ॉर्म द्वारा संचालित है, जो नियोक्ताओं की पेरोल प्रणालियों और समय ट्रैकिंग सॉफ़्टवेयर के साथ सहज रूप से एकीकृत होता है। इस रियल-टाइम एकीकरण की मदद से कर्मचारी अपनी अर्जित तनख्वाह का 40त्न तक किसी भी समय पे साइकिल के दौरान निकाल सकते हैं-वह भी एक पूर्णतः स्वचालित प्रणाली के माध्यम से। पुनर्भुगतान सीधे वेतन दिवस पर उनके वेतन से काट लिया जाता है, जिससे शुरुआत से ही शून्य डिफॉल्ट और कोई एनपीए नहीं रहा है। कंपनी प्रति लेनदेन 1.5त्न से 2त्न तक की मामूली प्रोसेसिंग फीस के माध्यम से राजस्व अर्जित करती है। यह संरचना उच्च परिचालन दक्षता और एक मजबूत जोखिम न्यूनीकरण मॉडल के चलते लगभग 24त्न की आंतरिक प्रतिफल दर निरंतर उत्पन्न करती रही है।

एमराल्ड ईडब्ल्यूए कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजय अग्रवाल ने कहा- हमें एमराल्ड ईडब्ल्यूएऐप लॉन्च करने पर गर्व है, जो हमारे डिजिटल परिवर्तन के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्लेटफ़ॉर्म हमारे साझेदार कॉरपोरेट्स के कर्मचारियों को उनकी अर्जित वेतन तक तुरंत और लचीली पहुंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है-जिससे महंगे क्रेडिट पर निर्भरता समाप्त होती है और वित्तीय भलाई को बढ़ावा मिलता है।

व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह ऐप न केवल उपयोगकर्ता सहभागिता और सेवा वितरण को बेहतर बनाता है, बल्कि उच्च लेनदेन मात्रा और गहन क्लाइंट एकीकरण के माध्यम से हमारे आवर्ती राजस्व मॉडल को भी मजबूत करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, यह मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण वेतन से जुड़ी अतिरिक्त वित्तीय सेवाएं-जैसे कि पर्सनल लोन, गिफ्ट वाउचर, और इनवॉइस डिस्काउंटिंग-प्रस्तुत करने के लिए एक मजबूत आधार बनेगा, जिससे नए विकास के अवसर खुलेंगे।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने 2025 के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत कर वैश्विक उपस्थिति मजबूत की

तिरुचिरापल्ली/दिल्ली एनसीआर, एजेंसी। उच्च शिक्षा के लिए एक वैश्विक केंद्र बनने के भारत के विज़न के अनुरूप एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) ने 2025 अकादमिक सत्र के लिए अपने रामापुरम और तिरुचिरापल्ली कैंपस में 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत किया है। अपने परिवार के साथ ये विद्यार्थी श्री लंका, म्यांमार, नेपाल, थाईलैंड, सिंगापुर, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों से यात्रा कर यहां पहुंचे और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं वैश्विक भविष्य के लिए इस संस्थान को अपने स्थल के रूप में चुना।

इन विद्यार्थियों को संस्थान में शामिल करने के प्रतीक के रूप में एसआरएमआईएसटी ने भारत की समृद्ध विरासत का अनुभव लेने में उनकी मदद के लिए एक विशेष हेरिटेज विजिट का आयोजन किया। विद्यार्थियों को स्वागत का एहसास कराने, इस देश की परंपराओं से उनका परिचय कराने और शुरुआत से ही समुदाय से जुड़ाव महसूस कराने के लिए यह पहल डिजाइन की गई थी।

इस पहल के बारे में एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉक्टर कतिरवन कन्नन ने कहा, हमें हमारे कैंपस में एशिया और पश्चिम एशिया से विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। इन युवा विद्यार्थियों ने अपने भविष्य के लिए एसआरएम इंस्टीट्यूट को आधार सोपान के रूप में चुना। हमारा लक्ष्य ना केवल उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना, बल्कि एक ऐसा सहायक एवं समावेशी वातावरण तैयार करना है जहां विभिन्न संस्कृतियों से आए विद्यार्थी फल फूल सकें।

इन अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों जैसे कंप्यूटर साइंस, एआई एवं मशीन लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एवं बायोटेक्नोलॉजी के साथ ही स्नातकोत्तर कार्यक्रमों जैसे बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में नामांकन कराया है।

शेरा एनर्जी ने क्यू1 एफवाय26 में समेकित पीबीटी में 52 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की अग्रणी निर्माता कंपनियों में से एक है, ने क्यू1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नदीम शेख ने कहा- हमने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही को मजबूत गति के साथ पूरा किया है, जो वित्तीय वृद्धि और रणनीतिक प्रगति ङ्क दोनों से परिपूर्ण रही।

हमारा समेकित प्रदर्शन प्रमुख क्षेत्रों में स्वस्थ मांग और हमारे एकीकृत व्यावसायिक मॉडल की निरंतर मजबूती को दर्शाता है। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रही हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, शेरा ज़ाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से ज़ाम्बिया में कॉपर कैथोड निर्माण सुविधा का अधिग्रहण। यह कदम हमारी बैकवर्ड इंटीग्रेशन क्षमताओं को मजबूत करता है, जिससे हमें उच्च-शुद्धता वाले तांबे की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जो हमारे उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। इससे हमारे लागत ढांचे में सुधार होगा, मार्जिन विस्तार को बल मिलेगा और आपूर्ति श्रृंखला की दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित होगी। एनएसई द्वारा हमारे प्रेफरेंशियल इक्विटी शेयर्स को मंज़ूरी मिलना भी निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और हमारे भविष्य के विस्तार के लिए पूंजी आधार को और मजबूत करता है। हमारी विकास रणनीति वैश्विक और घरेलू बाजारों की बदलती ज़रूरतों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। वैश्विक वाइंडिंग वायर बाजार के 2024 में 14.88 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 23.02 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ऑटोमोटिव, औद्योगिक मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बढ़ती मांग के कारण है। उच्च गुणवत्ता वाले वाइंडिंग वायर और गैर-लौह धातु उत्पादों के अग्रणी निर्माताओं में से एक के रूप में, शेरा एनर्जी इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा संक्रमण और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांग हमारे हालिया रणनीतिक पहलों की प्रासंगिकता को और बढ़ाती है। आगे देखते हुए, हम अपने संचालन को बढ़ाने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अपने पोर्टफोलियो में नवाचारपूर्ण, वैल्यू-एडेड उत्पादों को प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

मेकमायट्रिप ने लॉन्च किया बहुभाषी जनरेटिव एआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट - यात्रा बुकिंग को बनाया संवादात्मक और समावेशी

एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क पर आधारित यह सिस्टम रियल-टाइम में लाखों ट्रैवल फैसलों को देगा ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी, मेकमायट्रिप ने ट्रैवल प्लानिंग को सरल, संवाद-आधारित और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने जनरेटिव एआई-इनेबल्ड ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट लॉन्च किया है, जो यात्रा की खोज से लेकर बुकिंग, यात्रा के दौरान और उसके बाद तक हर चरण में यूजर्स की मदद करेगा। यूजर्स को उनके पूरे सफर में बातचीत के माध्यम से सहायता मिलेगी, जिसमें डेस्टिनेशन की तलाश, खरीदारी, यात्रा के दौरान, और बिक्री के बाद के परिदृश्य शामिल हैं। नया जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट पुराने एआई एजेंट मायरा का बेहतर वर्जन है, जो अब आवाज और टेक्स्ट के ज़रिए यात्रियों से बात कर सकता है। इससे उन लोगों को भी मदद मिलेगी जो अब तक अंग्रेजी भाषा में असहज होने की वजह से ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग से वंचित

थे। मायरा का बीटा वर्जन अभी अंग्रेजी और हिंदी में लाइव है। आने वाले समय में इसे कई अन्य भारतीय भाषाओं में भी लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल यह वर्जन शुरुआती यूजर्स के फीडबैक के आधार पर बेहतर संवाद अनुभव के लिए परखा जा रहा है।

इस असिस्टेंट की मदद से यूजर्स आसानी से हिंदी या अंग्रेजी में यात्रा से जुड़े कठिन सवाल भी पूछ सकते हैं, जैसे अगस्त में मैं अपने बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए कहाँ जा सकता हूं या मुझे उदयपुर में 3-स्टार होटल 3500 रुपये के बजट में चाहिए। या मैं दक्षिण भारत में मदुरै, रामेश्वरम, कोवलम, कोडाइकनाल घूमना चाहता हूँ। लेकिन फ्लाइट से नहीं जाना चाहता, कोई अच्छा रूट बताइए। आपको वास्तविक समय में उपलब्धता, कीमतों और प्रासंगिकता के आधार पर अपने सभी सवालों के व्यक्तिगत जवाब मिलेंगे। अधिकांश ग्लोबल एआई प्लेटफ़ॉर्म केवल सुझाव देकर रुक जाते हैं, जबकि मायरा यूजर को प्रेरणा से बुकिंग तक के पूरे सफर में एक ही संवाद में ले जाती है ङ्क जहां उपयोगकर्ता केवल बातचीत के जरिए ही ट्रैवल प्लानिंग से लेकर पक्की बुकिंग तक पहुंच सकता है। जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट, मायरा, सभी प्रमुख यात्रा श्रेणियों-फ्लाइट, एकोमोडेशन, हॉलिडेज़, ग्राउंड ट्रांसपोर्ट, वीजा और फॉरेक्स के लिए विशेष एआई एजेंट्स के नेटवर्क पर बनाया गया है। यह टेक्स्ट, वॉइस, इमेज और वीडियो जैसे मल्टीमॉडल इनपुट्स को सपोर्ट करता है।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरूआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरूआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, ‟संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।" चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बबार्दी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।" लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मयार्दा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच ‟लोक का मंदिर" है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

संपादकीय

चीजें साफ होनी चाहिए

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के चुनाव आयोग पर हमला तेज कर दिया है। कर्नाटक विधानसभा क्षेत्र का ड़ाटा पेश करते हुए आरोप लगाया है कि मतदाता सूची में हेराफेरी की गई। दस्तावेज का ढ़ेर मीड़िया के समक्ष दिखाते हुए दावा किया कि ये सूची चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध मतदाता सूची के ढ़ेर से निकाली हैं। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष ने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में वोट चोरी मॉड़ल के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए न्यायपालिका से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उनका दावा है कि महादेवपुरा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा मतों की चोरी हुई। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पत्र की मार्फत शपथ खाते हुए औपचारिक घोषणा प्रस्तुत करने को कहा। नागरिकों को गुमराह करना बंद करने और बेतुके निष्कर्षों की बजाय मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के 20(3)(बी) का हवाला देते हुए शपथ/घोषणा पर हस्ताक्षर कर पत्र सौंपने को कहा। कोई भी झूठी घोषणा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 31 के तहत दंड़नीय अपराध है जिसमें एक साल की कैद या जुमार्ना, या दोनों का प्रावधान है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 227 के अंतर्गत झूठी गवाही देने पर सात साल की जेल व जुमार्ना हो सकता है। आयोग इन आरोपों पर तभी संज्ञान लेगा जब गांधी इन्हें विशिष्ट रूप से लिखित में दर्ज कराएंगे। रही बात फर्जी या अमान्य पतों की तो देश में अभी भी बहुत से इलाके हैं, जहां सटीक पता/क्रमांक संख्या मौजूद नहीं है। वार्ड, मकान संख्या, गली आदि के विवरण के लिए राज्य सरकारों को जिम्मेदार बनाया जाना जरूरी है। बहरहाल, इस आरोप की गंभीरता को समझना आवश्यक है कि दो कमरों में क्रमशः अस्सी/छियालिस लोग कैसे रह सकते हैं। इनमें तमाम मतदाताओं की तस्वीरें अकार में इतनी छोटी हैं कि पहचानना मुश्किल है। इन आरोपों की पुष्टि आयोग बगैर प्रत्यारोपों के करनी चाहिए। मतदाता सूचियों के प्रति आयोग जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। बेशक, लोगों से अपेक्षा की जाती है कि मतदाता परिचय-पत्र में नाम दर्ज करते हुए स्पष्टता का ख्याल रखें। आयोग को भी सतर्कता बरतनी होगी। सवाल आरोपों-प्रत्यारोंपों का नहीं है। आयोग को मामले को बेवजह तूल देने की बजाय गड़क्ष्बड़ियों का निस्तारण करने के प्रति जवाबदेह बनना चाहिए। प्रतिपक्ष का काम है, विरोध करना। उसे आश्वस्त करने और मतदाताओं के अधिकार का सम्मान करने में कोताही उचित नहीं कही जा सकती।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके हास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल व्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर व्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।

उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अगस्त क्रान्ति की वर्षगांठ : आजादी की पहली क्रान्ति के योद्धाओ की दास्तान!

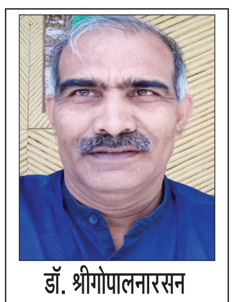

डॉ. श्रीगोपालनारसन

देश की आजादी का पहला बिगुल सन 1857 की मेरठ क्रान्ति में नही, बल्कि सन 1824 में हरिद्वार के कुंजा बहादुरपुर गांव से बजा था। इसलिए मेरठ से उठी आजादी की सन 1857 की चिगांरी को पहली आजादी की चिंगारी बताना भी पूरी तरह से एक बड़ी भूल है क्योकि देश में सन 1857 से पहले ही आजादी का बिगुल बज चुका था। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले के ग्राम कुन्जा बहादुरपुर में सन 1824 में ही क्रांति की पहली मशाल जल गई थी। इस गांव में किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था । कुन्जा बहादुरपुर के तत्कालीन राजा विजय सिहं ने इस क्रांति का नेतृत्व किया था । वर्षा न होने पर गांव में किसानों की फसल सूख गई थी। किसान फसल पैदा न होने के कारण सरकार को लगान देने की स्थिती में नही थे। मजबूर होकर उन्होने ने राजा विजय सिंह से लगान माफ करने की गुहार लगाई । राजा को किसानो की मांग उचित लगी तो उन्होने अंग्रेजो से उस साल का लगान न लेने की प्रार्थना की परन्तु अंग्रेज नही माने और राजा की प्रार्थना को अंग्रेजो ने उन्हे दुत्कारते हुए ठुकरा दी। जिसकारण राजा विजय सिहं अंग्रेजो से नाराज हो गए और उन्होने अंग्रेजो द्वारा जबरन लगान वसूली का विरोध करने का फैसला किया और उन्होने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर देश की पहली क्रान्ति को जन्म दिया।

इसी विरोध के कारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो की आंख की किरकिरी बन गए थे। अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर को नेस्तनाबूद करने के लिए गांव के कुएं में पीसा हुआ कांच मिला दिया और रात्रि में हमलाकर विद्रोहियों को कुचलने की कौशिश की। राजा विजय सिंह ने भी अंग्रेजो का जमकर मुकाबला किया। उनके सेनापति कल्याण सिंह ने अपनी सैन्य टुकडी के साथ अंग्रेजों पर आक्रमण कर ग्राम कल्हालटी में ज्वालापुर से लाए जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। जिससे बोखलाए अंग्रेजो ने गांव के 152 विद्रोहियों को एक ही दिन में रूडकी के पास गांव सुनहरा के वट वृक्ष पर लटकाकर फांसी दे दी थी।जिससे खोफजदा होकर ग्राम सुनहरा, रामपुर व मतलबपुर के लोग अपने धर छोडकर जगंलो में जा छिपे थे। अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध में राजा विजय सिंह जहां शहीद हो गए ,वही उनके सेनापति कल्याण सिंह की अंग्रेजो ने हत्या कर उसका शव देहरादून जेल के मुख्यद्वार पर लटका दिया था। इसी कारण कुन्जा बहादुरपुर की गिनती शहीद ग्राम के रूप में होती है और उत्तराखण्ड सरकार ने इसी कारण इस गांव को पर्यटन गांव भी धोषित किया हुआ है। वही सुनहरा का ऐतिहासिक वट वृक्ष भी शहीद स्मारक के रूप में दर्शनीय है और पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल का भी सौन्द्रयकरण किया गया हैं। इस स्मारक पर प्रति वर्ष 10 मई को रूडकी के लोग श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते है।

देश में आजादी की इस पहली लडाई के दौरान 27 सितम्बर सन 1930 को रूडकी के राजकीय हाई स्कूल जो अब इन्टर कालेज है,में एक जनसभा हुई थी जिसमें अरूणा आसफ अली आई थी इस सभा की भनक पुलिस को लग गई थी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, इस धटना में एक दर्जन लोग धायल हुए थे। जबकि 28 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तारकिया था। इसी तरह 3 सितम्बर 1930 को झबरेडा में अंग्रेजो को देश से भगाने के लिए हुई जनसभा में पुलिस ने लाठी चार्ज कर लोगो को वहां से भगा दिया था। भगवानपुर मे तो इस बाबत हुई जनसभा में पुलिस के लाठी चार्ज से लाला बल्ली मल्ल बूरी तरह धायल हो गए थे।जिसकारण उनकी शहादत हो गई थी। तब से सन 1857 तक अंग्रेजो के खिलाफ हरिद्वार जिले तत्कालीन जिला सहारनपुर के लोगो का आन्दोलन जारी रहा। सन 1857 के अगस्त माह में रूडकी के तत्कालीन ज्वाइंट मजिस्ट्रट एचडी राबर्टसन ने अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह कर रहे लोगो के प्रति कू्रता दिखाई और ग्राम भनेडा की गुर्जर बस्ती में आग लगवा दी तो लोगो में उनके प्रति इतना गुस्सा व्याप्त हो गया कि उन्हे रूडकी से 6 मील दूर कस्बा मंगलौर जाने के लिए लोगो के जगह जगह विरोध के कारण तीन दिन लग गए थे।

स्वतन्त्रता आन्दोलन के इन लम्हों को हमेशा याद करने के लिए रूडकी में सुनहरा वट वृक्ष के नीचे हर वर्ष क्षेत्र के स्वतन्त्रता सेनानी और उनके वंशज एक श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन करते है।जिसमें उन 152

अमर शहीदों जिन्हे एक ही दिन में क्रूर अंग्रेजो ने सुनहरा वट वृक्ष पर फांसी पर लटका दिया था,समेत अन्य शहीदों को भी श्रद्धासुमन अर्पित किये जाते है। शहीद ग्राम का सम्मान प्राप्त गांव कुंजा बहादुरपुर के विकास के लिए और गांव की पहचान देश विदेश तक पहुंचाने के लिए गांव के बुजुर्ग चौधरी अजमेर सिंह जबतक जिये काफी भागदौड करते रहे परन्तु राजनेताओ की अनदेखी के चलते इस गांव को अभी तक पर्यटन गांव के रूप में स्वीकृत विकास राशि का भी लाभ नही मिल पाया है। अलबत्ता पिछले दिनों जिला पंचायत ने गांव के बाहर आजादी क्रांति स्मृति द्वार जरूर बनवा दिया है।

(लेखक अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भांजे है)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो का एक और मामला सामने आया, कुल संख्या 19 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में पांच महीने के एक बच्चे में पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही 2025 तक पोलियो के कुल मामलों की संख्या 19 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), इस्लामाबाद ने बुधवार को पुष्टि की कि यह नया संक्रमण खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो का 12वां मामला है। एनआईएच ने बताया कि पांच महीने का यह बच्चा लक्की मरवात जिले के गजनी खेल तहसील के सुलेमान खेल यूनियन काउंसिल का निवासी है। बुधवार को उसका पोलियो वायरस परीक्षण पॉजिटिव आया था। यह भी पता चला कि बच्चे को नियमित पोलियो टीकाकरण नहीं मिला था और उसे केवल एक अतिरिक्त खुराक दी गई थी। 2025 में लक्की मरवत जिले में पोलियो का यह तीसरा मामला दर्ज किया गया है, जबकि 2024 में दो मामले सामने आए थे। अन्य मामलों में से पांच सिंध प्रांत से हैं और पंजाब तथा गिलगित-बाल्टिस्तान से एक-एक मामला सामने आया है।

ईपीए ने बंद किया सात अरब डॉलर का अनुदान कार्यक्रम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने बृहस्पतिवार को 7 अरब डॉलर का एक अनुदान कार्यक्रम बंद कर दिया। इस कार्यक्रम का मकसद 9 लाख से ज्यादा कम आय वाले अमेरिकी परिवार के घरों पर सोलर पैनल लगवाना और उसका खर्चा उठाने में मदद करना था। यह कदम ट्रंप प्रशासन ओर से लिया गया है। माना जा रहा है कि इससे देश में स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया धीमी होगी। यह पैसा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सबके लिए सौर कार्यक्रम का हिस्सा था। इसे 60 अलग-अलग समूहों- जैसे राज्य सरकारों, जनजातीय संगठनों और क्षेत्रों को दिया जाना था, ताकि वे घरों की छत पर सौर पैनल और सामुदायिक सौर पार्क जैसी परियोजनाएं शुरू कर सकें।

फेडरल रिजर्व बोर्ड में आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को नामित करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह फेडरल रिजर्व के गवर्नर बोर्ड में चार महीने के लिए एक शीर्ष आर्थिक सलाहकार को नामित करेंगे। यह नियुक्ति अस्थायी रूप से रिक्त पद को भरने के लिए की जाएगी। बाद में इस पद के लिए लंबे समय के लिए किसी को चुना जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष स्टीफन मिरान को गवर्नर एड्रियाना कुगलर द्वारा खाली की गई सीट पर नियुक्त किया है। एड्रियाना कुगलर, जिन्हें बाइडन ने नियुक्त किया था, शुक्रवार को पद छोड़ रही हैं। यदि सीनेट द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो मिरान 31 जनवरी, 2026 तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे।

पेंसिल्वेनिया में पुलिस कर्मियों पर हमला करने वाले संदिग्ध की मौत

हैरिसबर्ग, एजेंसी। पेंसिल्वेनिया के थॉम्पसन इलाके में बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे दो पुलिस कर्मियों पर हमला करने वाले संदिग्ध की मौत हो गई। वहीं, घायल पुलिस कर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत अभी स्थिर है। राज्य पुलिस प्रमुख क्रिस्टोफर पेरिस ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मी एक व्यक्ति की खैरियत लेने गए थे। वहां पहुंचते ही उन पर गोली चला दी गई। एक पुलिसकर्मी ने मौके पर ही दूसरे की चोट पर पट्टी बांधी, और तीसरे पुलिसकर्मी ने उनकी मदद की। गवर्नर जोश शापिरो ने दोनों को नायक कहा और बताया कि पुलिसकर्मी जोसेफ पेरेचिंस्की की तेजी और समझदारी से कई लोगों की जान बची। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति राइफल से लैस था और आदेश मानने से इनकार कर रहा था। घटना के दौरान उसे गोली लगी और वह मारा गया। यह घटना थॉम्पसन नगर से लगभग 8 किलोमीटर और फिलाडेल्फिया से करीब 262 किलोमीटर दूर हुई। पुलिस प्रमुख ने कहा कि संदिग्ध की मौत हो चुकी है और आगे और जानकारी दी जाएगी।

उपराष्ट्रपति को बर्थडे पर आ सके रोमांचकारी मजा, सुरक्षाकर्मियों ने जबरन नदी में बढ़वा दिया पानी

ओहियो, एजेंसी।
पिछले दिनों 2 अगस्त को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का जन्मदिन था। इस दिन को खास बनाने के लिए वह सपरिवार नौकायन पर निकले थे लेकिन जिस नदी में उन्हें रोमांचकारी नौकायन करना था, वहां जलस्तर कम था। इसलिए उनकी सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर ओहियो की नदी का जलस्तर बढ़वा दिया ताकि उपराष्ट्रपति वेंस और उनका परिवार उनके 41वें जन्मदिन पर बोटिंग का लुत्फ उठा सके।

मशहूर अमेरिकी अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जेडी वेंस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने सेना के इंजीनियरों को ओहियो की झील से निकलने वाली एक नदी के बहाव में असामान्य बदलाव करने को कहा था ताकि फैमिली टूर पर गए उपराष्ट्रपति वेंस के लिए नौका विहार भ्रमण की व्यवस्था की जा सके। अमेरिकी सेना के इंजीनियरों के कोर के एक बयान जारी कर कहा है कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने उनसे अनुरोध किया था कि लिटिल मियामी नदी के जलप्रवाह में वृद्धि की जाए, ताकि उपराष्ट्रपति के सुरक्षा दल उन्हें सुरक्षित नौकायन में सहायता कर सकें।

सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, जेडी वेंस को 2 अगस्त को, 41वें जन्मदिन पर दक्षिण-पश्चिमी ओहियो क्षेत्र में देखा गया था, जिसमें उन्हें लिटिल मियामी नदी में कैनोइंग करते देखा गया था। यह नदी सीजर क्रीक झील की एक सहायक नदी है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गुरुवार को गार्जियन से गुमनाम रूप से संपर्क किया और आरोप लगाया कि सीजर क्रीक झील से अधिक पानी छोड़ने का अनुरोध न केवल उपराष्ट्रपति के सीक्रेट सर्विस दल की सहायता के लिए था, बल्कि अच्छी बोटिंग के लिए जल उपलब्धता की परिस्थितियाँ बनाने के लिए भी था।

उपराष्ट्रपति के इस कदम की आलोचना हो रही है। आलोचकों ने इसे अधिकारों का बेजा इस्तेमाल बताया है, खासकर तब जब ट्रम्प प्रशासन सरकारी खर्च में कटौती पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या वेंस का कार्यालय ऐसे समय में सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के संसाधनों का अपने निजी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल कर रहा था, जब ट्रम्प प्रशासन ने अपने दक्षता अभियान के तहत विदेशी सहायता, वैज्ञानिक अनुसंधान और सरकारी नौकरियों में अरबों डॉलर की कटौती की है।

रिचर्ड डब्ल्यू. पेंटर, जिन्होंने राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में व्हाइट हाउस नैतिकता वकील के रूप में कार्य किया था, ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सेना के इंजीनियरों द्वारा करदाताओं के पैसे को नदी में पानी का प्रवाह बढ़ाने के लिए खर्च करना अपमानजनक है ताकि उपराष्ट्रपति कैनोइंग कर सकें, जबकि राष्ट्रीय उद्यान सेवा के बजट में कटौती ने बाकी सभी के लिए पारिवारिक छुट्टियों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। द गार्जियन ने मंगलवार को इस बदलाव के बारे में टिप्पणी के लिए सबसे पहले लुइसविले स्थित यूएसएसीई से संपर्क किया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त के शुरुआती दिनों में जब वेंस छुट्टियां मना रहे थे, तब नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि हुई थी और झील के जलस्तर में गिरावट आई थी।

धार्मिक वजहों से लोगों से भेदभाव नहीं कर पाएंगे अमेरिकी बैंक, ट्रम्प ने कानून पर दस्तखत किए

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर किया है। जिसके तहत बैंक किसी व्यक्ति को उसके राजनीतिक या धार्मिक विचारों के तहत उसे सर्विस देने से इनकार नहीं कर सकते हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, इस आदेश में उन बैंकों की जांच करने को कहा गया है, जिन्होंने गलत तरीके से ग्राहकों को सेवाएं देने से मना किया।

ऐसे बैंकों पर जुर्माना लगाया जा सकता है या दूसरे कदम उठाए जा सकते हैं। साथ ही, धर्म के आधार पर खाते बंद करने की शिकायतों को न्याय विभाग को भेजा जाएगा। छोटे व्यवसायों से जुड़े बैंकों को उन ग्राहकों को दोबारा सेवा देने की कोशिश करनी होगी, जिनके खाते गलत तरीके से बंद किए गए। व्हाइट हाउस ने कहा- राष्ट्रपति ट्रम्प चाहते हैं कि किसी को भी उनके राजनीतिक या धार्मिक विचारों की वजह से बैंकिंग सेवाओं से वंचित न किया जाए। बैंकिंग निर्णय निष्पक्ष और जोखिम के आधार पर होने चाहिए।

ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि कुछ बड़े बैंकों ने हथियार बनाने वाली कंपनियों, तेल-गैस कंपनियों, धार्मिक समूहों और क्रिप्टोकरेंसी कंपनियों के खाते उनके विचारों के कारण बंद किए।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि उनके साथ भी बैंकों ने भेदभाव किया। जेपी मॉर्गन बैंक ने उनके पुराने खातों को 20 दिन में बंद करने को कहा, और बैंक ऑफ अमेरिका ने उनके 1 बिलियन डॉलर जमा करने से मना कर दिया। हालांकि, दोनों बैंकों ने इन आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस में फेयर एक्सेस टू बैंकिंग एक्ट नाम का एक बिल फिर से पेश किया गया है, जो बैंकों को निष्पक्ष सेवाएं न देने पर कुछ ऋण कार्यक्रमों से रोकता है। ट्रम्प ने एक और आदेश भी जारी किया, जिससे रिटायरमेंट खातों में क्रिप्टोकरेंसी और रियल एस्टेट जैसी परिसंपत्तियों तक पहुंच आसान होगी।

बिजली के तार से टकराकर नदी पर क्रैश हुआ विमान, 2 की मौत

न्यूयार्क एजेंसी। हवाई दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब अमेरिका के मिसौरी राज्य में एक बड़ा हादसा सामने आया है जहां एक हेलीकॉप्टर मिसिसिपी नदी के ऊपर से गुजर रही पावरलाइन से टकराकर क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार 2 लोगों की मौत हो गई है।

यह हादसा गुरुवार को सेंट चार्ल्स काउंटी में हुआ। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर मिसिसिपी नदी पार करते समय पावरलाइन से टकरा गया जिसके बाद वह अनियंत्रित होकर नदी पर मौजूद एक बजरे से जा भिड़ा। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि हेलीकॉप्टर में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि आग पर जल्दी काबू पा लिया गया था। मृतकों की पहचान कर ली गई है। इस हादसे की जांच एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर ह्यूजेस 369डी मॉडल का था।

दुनिया में इस साल तीसरा सबसे गर्म महीना रहा जुलाई, यूरोपीय यूनियन ने किस बात की दी चेतावनी?

लंदन, एजेंसी।
जुलाई 2023 या जुलाई 2024 जितना गर्म नहीं, जो रिकॉर्ड पर सबसे गर्म और दूसरा सबसे गर्म है, कोपरनिकस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने ग्रह की औसत सतह का तापमान अभी भी 1850-1900 पूर्व-औद्योगिक अवधि से 1.25 डिग्री सेल्सियस (2.25 फ़ारेनहाइट) अधिक था।

ग्लोबल वार्मिंग पर नजर रखने वाली यूरोपीय यूनियन की एजेंसी ने गुरुवार 7 अगस्त को बताया कि इस साल जुलाई तीसरा सबसे गर्म महीना रहा है। हालांकि, दो साल पहले रिकॉर्ड हाई टेंपरेचर की तुलना में इस महीने के तापमान में थोड़ी कमी आई है। वैश्विक औसत तापमान में थोड़ी कमी होने के बावजूद, वैज्ञानिकों का मानना है कि जुलाई में भीषण गर्मी और जानलेवा बाढ़ रही है।

हम लगातार गर्म होती दुनिया के प्रभावों को देख रहे- कार्लो बुओंटेम्पो: कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के डायरेक्टर कार्लो बुओंटेम्पो ने कहा, ÷रिकॉर्ड तोड़ जुलाई के बाद वैश्विक तापमान रिकॉर्ड का हालिया सिलसिला फिलहाल खत्म हो गया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन रुक गया है। हम लगातार गर्म होती दुनिया के प्रभावों को देख रहे हैं। नए रिकॉर्ड पर पहुंच सकता है तापमान- यूरोपीय यूनियन यूरोपीय यूनियन की निगरानी एजेंसी ने कहा कि अगर वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को सीमित नहीं किया जाता तो तापमान नए रिकॉर्ड पर पहुंच सकता है। बता दें कि 25 जुलाई को, तुर्की ने जंगल की आग से जूझते हुए अपना अब तक का सबसे अधिक तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था। यह जुलाई 2023 या जुलाई 2024 जितना गर्म नहीं है, जो अब तक का सबसे गर्म और दूसरा सबसे गर्म तापमान है। कोपरनिकस की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने धरती का औसत सतही तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक काल से 1.25 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जब मनुष्यों ने तेल, गैस और कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों को अंधाधुन तरीके से जलना शुरू नहीं किया था। जीवाश्म ईंधन के जलने से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण हैं। वनों की कटाई, जंगल की आग और कई तरह के कारखाने भी वायुमंडल में ऊष्मा को रोकने वाली गैसें छोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर, 2024 इतिहास का सबसे गर्म साल था। कोपरनिकस के अनुसार, यूरोप किसी भी अन्य महाद्वीप की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है।

अमेरिका का वेनेजुएलाई राष्ट्रपति पर 50 करोड़ डॉलर का इनाम

काराकास, एजेंसी।
अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की गिरफ्तारी पर 5 करोड़ डॉलर यानी 418 करोड़ इनाम रखा है। ट्रम्प प्रशासन ने आरोप लगाया है कि मदुरो दुनिया के सबसे बड़े नार्को-तस्करों में से एक हैं। मुदरो पर आरोप है कि वे ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानिल मिला कोकीन भेज रहे हैं।

अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने गुरुवार को इनाम की घोषणा करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में मदुरो न्याय से नहीं बच पाएंगे और उन्हें अपने अपराधों के लिए जवाब देना होगा। बॉन्डी ने कहा कि न्याय विभाग ने मदुरो से जुड़े 70 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त की है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं।

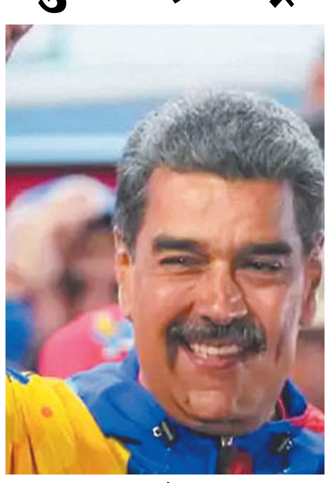

मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे: मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। यही इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर कई प्रतिबंध लगाए हैं: वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता है तो वहीं, अमेरिका, वेनेजुएला में मानवाधिकार के उल्लंघन पर नाराजगी जताता रहा है। लगभग 100 साल पहले वेनेजुएला में तेल भंडारों की खोज हुई थी। तेल की खोज होने के 20 साल बाद ही वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में से एक बन गया। उसे लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब कहा जाने लगा।

1950 के दशक में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे धनी देश था। लेकिन आज इस देश की हालत खराब हो चुकी है। देश की 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। बीबीसी के मुताबिक पिछले 7 साल में करीब 75 लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं। दरअसल, वेनेजुएला लगभग पूरी तरह से तेल पर निर्भर था। 80 के दशक में तेल की कीमतें गिरने लगीं। कीमतों में गिरावट ने वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को भी नीचे ला दिया। सरकारी नीतियों की वजह से वेनेजुएला अपना कर्ज चुकाने में फेल होने लगा। बाद में तेल के दाम बढ़े भी तो वह इसका फायदा नहीं उठा सका। 2015 में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से वेनेजुएला की हालत और खराब हो गई है।

चीन में छोटे-छोटे मच्छरों का भयानक आतंक, निपटने के लिए उतारने पड़ गए सैनिक और ड्रोन

ताइपे, एजेंसी।
ड्रैगन कहे जाने वाले पड़ोसी देश चीन में 73 साल पुराना वायरस चिकनगुनिया फिर लौट आया है और इसने अब तक करीब 8000 लोगों को शिकार बना डाला है। मच्छरों के काटने से फैलने वाले इस वायरस की रोकथाम के लिए चीनी अधिकारियों को सैनिक और ड्रोन तक उतारने पड़ गए हैं। चीनी अधिकारी मच्छर जनित वायरस से लड़ने के लिए जाल का इस्तेमाल और कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। सैनिक मास्क पहनकर कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। यहाँ तक कि छिड़काव के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने ऐसे बड़े मच्छर तैयार किए हैं, जो खतरनाक मच्छरों के लार्वा खा जाते हैं और तालाबों में मच्छर खाने वाली ऐसी हजारों मछलियां छोड़ी गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस वायरस के अधिकांश मामले हांगकांग से लगभग 170 किलोमीटर (105 मील) दूर, दक्षिणी चीनी विनिर्माण केंद्र फोशान में मिले हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बताया है कि नए मामलों की संख्या धीरे-धीरे कम होती दिख रही है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सीज़र लोपेज़-कैमाचो के अनुसार, यह चीन में अब तक दर्ज किया गया सबसे बड़ा चिकनगुनिया प्रकोप प्रतीत होता है। यह वायरस संक्रमित मच्छरों द्वारा फैलता है और बुखार और जोड़ों में दर्द का कारण बन सकता है।

लोपेज़-कैमाचो ने एक बयान में कहा, इस घटना को बड़ी बनाने वाली बात यह है कि चिकनगुनिया चीन की मुख्यभूमि में पहले कभी नहीं फैला था। इससे पता चलता है कि ज़्यादातर आबादी में पहले से कोई रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी, इसलिए यह वायरस तेजी से फैल गया।

चीन के सरकारी टेलीविज़न पर कर्मचारियों को शहर की सड़कों, रिहायशी इलाकों, निर्माण स्थलों और अन्य जगहों पर कीटनाशक का छिड़काव करते हुए दिखाया गया है जहाँ लोग मच्छरों के संपर्क में आ सकते हैं। कर्मचारियों ने कार्यालय भवनों में प्रवेश करने से पहले कुछ जगहों पर भी छिड़काव किया। भारी बारिश और उच्च तापमान ने चीन में इस संकट को और बढ़ा दिया है, क्योंकि इसकी वजह से मच्छरों के पनपने की अनुकूल दशा बनती है।

गाजा सिटी पर कब्जा करेगा इजराइल, 75 प्रतिशत गाजा पट्टी पर पहले से इजराइली सेना का कब्जा

तेल अवीव, एजेंसी।
इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने शुक्रवार को गाजा पट्टी के उत्तरी इलाके में मौजूद गाजा सिटी पर कब्जे के लिए इजराइली सेना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। फैसले के लिए कैबिनेट ने 10 घंटे तक चर्चा की है। बैठक करीब 10 घंटे चली और उसके बाद नेतन्याहू के कार्यालय से सुबह-सुबह एक बयान जारी किया गया जिसमें कहा गया कि कैबिनेट के ज्यादातर सदस्य इस योजना के पक्ष में थे।

इस योजना का मकसद गाजा शहर में उन इलाकों में घुसना है जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है। ये वो इलाके हैं जहां अब तक इजराइली सेना ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की है। इजराइली सेना (आईडीएफ) का कहना है कि गाजा के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा पट्टी उस 25प्रतिशत इलाके में है, जो आईडीएफ के कब्जे में नहीं हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने पूरी गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कही थी, लेकिन इस बयान में केवल गाजा सिटी का जिक्र है।

कैबिनेट ने जंग खत्म करने के बदले हमास के सामने 5 प्रमुख शर्तें भी रखी हैं- बचे हुए सभी 50 बंधकों की रिहाई। (इनमें से 20 के जीवित होने की संभावना है) गाजा पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण। गाजा में ऐसा वैकल्पिक नागरिक प्रशासन बनाना जो न तो हमास हो और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण। नेतन्याहू बोले- गाजा को अपने पास रखने का इरादा नहीं नेतन्याहू ने गुरुवार रात कहा था कि जंग के बाद के लिए एक प्लान बनाया जाएगा। इसमें इजराइल गाजा पर नागरिक शासन नहीं करेगा और न ही फिलिस्तीनी अथॉरिटी को इसमें कोई भूमिका दी जाएगी। नेतन्याहू के मुताबिक इजराइल गाजा का सुरक्षा घेरा बनाकर रखेगा, लेकिन में प्रशासन में शामिल नहीं रहेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा, हमारा मकसद गाजा को हमास के आतंक से मुक्त करना, वहां के लोगों को आजादी देना और फिर शासन एक जिम्मेदार अरब ताकत को सौंपना है। जो हमारे लिए खतरा न बने और गाजा के लोगों को अच्छा जीवन दे। नेतन्याहू ने पूरे गाजा पर कब्जे का प्लान बनाया था। इसे बिग गाजा प्लान नाम दिया गया था। हालांकि, उनके प्लान पर सेना से सहमति नहीं बन पाई थी। इजराइली डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर आपत्ति जताई थी। इससे इजराइली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। जमीर ने चेतावनी दी थी कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक 20 इजराइली नागरिकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों बिग गाजा प्लान के खिलाफ जाने पर आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांग चुके हैं। उनके एक करीबी अधिकारी ने एक इजराइली वेबसाइट से कहा कि अब फैसला हो चुका है, हम गाजा पर पूर्ण कब्जे की ओर बढ़ रहे हैं। अगर चीफ ऑफ स्टाफ जमीर को यह मंजूर नहीं है।

मुंह की कई बीमारियों को दूर करता है गुड़

सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है।

आयुर्वेद के मुताबिक सुबह उठते ही गर्म पानी पीने के कई फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पिया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित होता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है। सुबह उठकर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से शरीर में भी काफी शक्ति आती है।

हालांकि कई सारे लोग इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते होंगे, लेकिन इनका सेवन हर किसी व्यक्ति के लिए फायदेमंद हैं। अगर आप भी इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते हैं तो हम आपको यहां गर्म पानी और गुड़ के सेवन से जुड़े कई लाभ बताने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपके शरीर से न केवल कई सारे रोग दूर होंगे, बल्कि आपका स्वास्थ्य भी हमेशा दुरुस्त रहेगा।

वजन घटाने में फायदेमंद

अगर आप गुड़ और गर्म पानी पीने के फायदों के बारे में नहीं जानते हैं तो आपको बता दें कि गुड़ में मौजूद पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन B1, B6 और विटामिन C हमारे शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं, जिसके कारण आपका बढ़ा हुए पेट अंदर हो सकता है और आपको वजन कम करने में भी मदद मिलेगी। ऐसा करने के लिए आप रात को दो टुकड़े गुड़ के खाकर गर्म पानी पी लीजिए।

पेट से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर

अगर आप गैस की समस्या से परेशान रहते हैं तो आप रोज रात को सोने से पहले दो टुकड़े गुड़ खाकर गर्म पानी पी लें। ऐसा करने से गैस, कब्ज जैसी पेट संबंधी परेशानियां दूर होती है। अगर आप लगातार सुबह पेट न साफ होने की शिकायत से परेशान रहते हैं तो आप इस उपाय को जरूर अपना सकते हैं।

अनिद्रा की समस्या भी होती है दूर

अगर आप भी उन लोगों में शुमार हैं, जिन्हें रात को ठीक से नींद नहीं आती या फिर बैचेनी महसूस होती है तो वे लोग गर्म पानी के साथ गुड़ के एक या दो टुकड़े जरूर खाएं। गुड़ में पाए जाने वाले एंटी-डिप्रेसेंट गुण तनाव को दूर करने और नींद दिलाने में मदद करते हैं।

बीमारियों को खत्म करता है गर्म पानी और गुड़

रोज रात को इलायची के साथ गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से मुंह के बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। ऐसा करने से न केवल आप कैविटी जैसी समस्या से दूर रहते हैं, बल्कि आपके मुंह से बदबू की समस्या भी खत्म हो जाती है। गर्म पानी और गुड़ से आपके मसूड़े भी स्वस्थ रहते हैं।

दूध में गुड़ डालकर पीना है कितना फायदेमंद

अनिद्रा को दूर करे

अगर आपको नींद न आने की समस्या हो तो सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध और गुड़ मिलाकर पीना चाहिए। इससे आपकी अनिद्रा की बीमारी दूर हो जाएगी। गुड़ का सेवन करने से हमारा खून शुद्ध होता है और दूध हमारे शरीर में ऊर्जा बनाएं रखता है। ये हमारे शरीर को रिलैक्स की मुद्रा में लाता है।

पाचन को ठीक करे

पाचन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में दूध और गुड़ बहुत लाभकारी होते हैं। इन दोनों सामग्रियों में मौजूद पोषण पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पाचन ठीक बना रहता है। इसे पीने से हमारी पाचन क्रिया से जुड़ी सारी समस्याएं दूर हो जाती है। साथ ही इसका सेवन करने से पेट में गैस नहीं बनती।

कैल्शियम से भरपूर

दूध एवं गुड़ दोनों ही कैल्शियम के भरपूर स्रोत माने जाते हैं, इसलिए शरीर को हेल्दी बनाएं रखने के साथ ही हड्डियों की बीमारियों जैसे स्टियोपोरोसिस या उम्र के साथ होने वाले जोड़ों के दर्द आदि से भी सुरक्षित रखता है। इसलिए हर रोज गुड़ की छोटा सा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाएं और गरम दूध पिएं। ऐसा करने से आपके जोड़ मजबूत होंगे और दर्द भी दूर हो जाएगा।

दूर करे पीरियड का दर्द

महिलाओं को पीरियड्स के दर्द से बचने के लिए गरम दूध में गुड़ डालकर कर जरूर पीना चाहिए। डॉक्टर हमेशा गर्भवती महिलाओं को थकावट और कमजोरी को दूर करने से लिए गुड़ का सेवन करने के सलाह देते हैं। अगर गर्भवती महिला हर रोज गुड़ खाती है तो उन्हें एनीमिया नहीं होता।

वजन घटाने मे सहायक

अगर आप मोटापे के शिकार हैं तो इसे बचने के लिए गुड़ को शक्कर की जगह दूध या चाय में डाल कर पीएं। गुड़ और दूध वेट को कम करने में मदद करते हैं। गुड़ में प्रोटीन के रूप में एनर्जी होता है और दूध दूसरी ओर चर्बी को जलाने में मदद करता है।

रेसिपी

चने के कबाब

सामग्री

■ काले चने: 2 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स: 1/2 कप ■ बारीक काटे प्याज: 2 ■ बारीक काटी शिमला मिर्च: 1 ■ उबले आलू: 2 ■ अदरक लहसुन का पेस्ट: 2 टेबलस्पून ■ धनियापत्ती: 2 टेबलस्पून ■ अमचूर पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गरम मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ चाट मसाला: 1/ टीस्पून ■ पानी जरूरत के हिसाब ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कबाब पकाने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले चने को भिगोकर 5-6 घंटे के लिए रख दें। इसके बाद चने का पानी छान लें। फिर कूकर में चने और 1 कप पानी डालकर 5-6 सीटी लगा लें। कूकर का प्रेशर खत्म होने के बाद चने का पानी छान लें। एक बर्तन में चने मैश कर लें। अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, जीरा पाउडर, अमचूर, धनियापत्ती, अदरक लहसुन का पेस्ट, उबले आलू, शिमला मिर्च, ब्रेड और नमक मिला लें। आलू को भी मैश कर लें। हथेलियों पर थोड़ा-सा तेल लगाकर मिश्रण से थोड़ा-सा हिस्सा लेकर पहले लोई बनाएं फिर इसे चिपटा करके कबाब का आकार दें। इसी तरीके से मिश्रण से कबाब बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। गर्म तेल में एक बार 4-5 कबाब डालकर करारे होने तक तल लें। तैयार कबाब पर चाट मसाला छिड़क लें, हरी और लाल चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

व्रत वाले आलू बड़े

सामग्री

■ कुट्टू का आटा: 1 कप ■ उबले आलू : 4 ■ जरूरत के हिसाब से तेल ■ जीरा: 1/2 टीस्पून ■ सौंफ: 1/2 टीस्पून ■ बारीक काटी हरी मिर्च: 2 ■ करी पत्ता: 7-8 ■ काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ सेंधा नमक: 2 टीस्पून ■ नींबू का रस: 1 टीस्पून ■ शक्कर: स्वाद के अनुसार ■ घी: 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले कड़ाही में घी डालकर मीडियम आंच पर मिर्च, सौंफ, जीरा, करी पत्ते डालकर 1-2 मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें आलू मैश करके डाल दें। इसमें काली मिर्च, नींबू का रस और थोड़ी-सी शक्कर डालकर मिक्स कर लें। आलू बड़े का भरावन तैयार है। इसे आंच से उतार कर ठंडा होने दें। भरावन को दूसरे बर्तन में निकाल लें, कड़ाही साफ कर लें। साफ कड़ाही में तेल डालकर धीमी आंच पर रख दें। जब तक तेल गर्म हो रहा है तब तक घोल तैयार कर लें। इसके लिए बर्तन में कुट्टू का आटा और थोड़ा-सा सेंधा नमक मिक्स कर लें। फिर पानी डालकर बढ़िया घोल तैयार कर लें। अब आलू वाले मिश्रण से लोइयां बना लें। एक लोई लेकर इसे घोल में डुबोएं फिर तेल में छोड़ते जाएं। एक बार में 2-3 आलू बड़े ही तेल में डालें। आलू बड़ों को बढ़िया तरीके से तलकर निकाल लीजिए। तैयार व्रत वाले फलाहारी आलू बड़ों को फलाहारी चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 1802

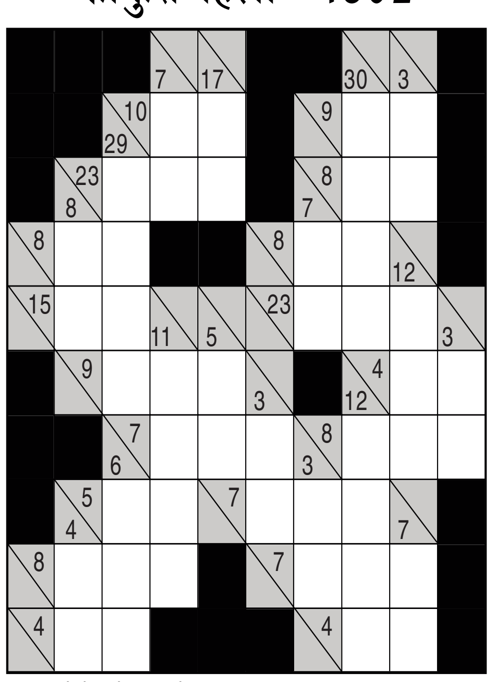

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23 → 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1801 का हल

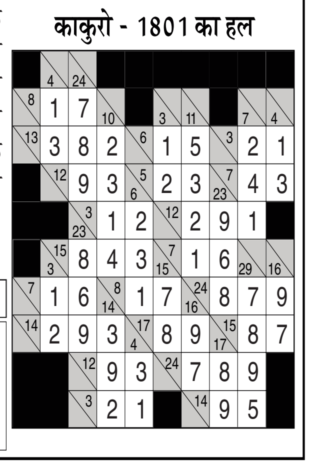

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1802

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1801

जु	दा	ई	■	उ	त्स	व	■	जं	ग
र्म	■	मा	सु	म	■	क्त	■	ग	■
■	आ	न	■	रा	नी	■	दि	ल	से
भा	ई	■	दे	व	■	शू	ल	■	व
■	ना	■	■	जा	ल	■	ज	ब	क
भ	■	श	गु	न	■	द	ला	ल	■
रो	टी	■	स	■	दो	स्त	■	मा	या
सा	■	जो	■	आ	■	क	र्ज	■	रा
■	स	र	फ	रो	श	■	■	ना	ना
ह	त्या	■	■	प	■	सं	ग	म	■

सूडोकु -1802

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1801 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 1802

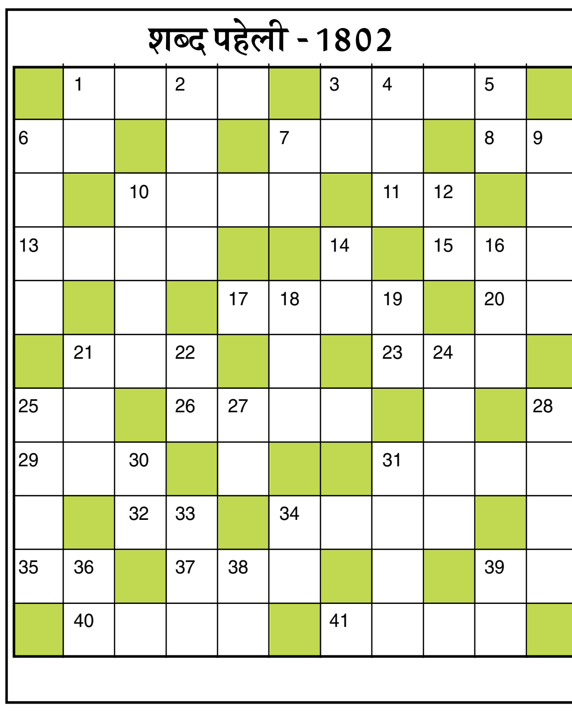

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली - 1801 का हल

प	व	न	कु	मा	र	■	म	क	ब	रा
ला	न	■	त	■	स	ली	का	■	स	त
य	■	प	र	वा	ना	■	न	न	■	दि
न	का	र	ना	■	■	क	■	म	हा	न
वा	■	ख	■	स	ह	ल	ज	■	ज	■
दी	वा	ना	प	न	■	प	र	व	री	श
■	जि	■	र	स	ले	ना	■	न	■	री
ग	ब	न	■	नी	■	■	अ	वा	न्त	र
ज	■	शा	न	■	आ	ब	नू	स	■	र
रा	ज	■	ज	टा	यु	■	रू	■	क	क्ष
ज	ल	च	र	■	ध	र्मो	प	दे	श	क

धर्मस्थला गांव के मंदिर की प्रतिष्ठा धूमिल करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश : विहिप

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी तालुका के धर्मस्थला गांव में स्थित श्री मंजुनाथ स्वामी मंदिर को लेकर गलत और भ्रामक जानकारी देने वालों की विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कड़ी निंदा की है। विहिप ने मंदिर की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए इसे अंतरराष्ट्रीय साजिश बताते हुए इसकी एसआईटी जांच जारी रखने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। विहिप के बेंगलुरु प्रांत अध्यक्ष दीपक राज गोपाल और पूर्व प्रांत अध्यक्ष डॉ. एमबी पुराणिक ने शुक्रवार को एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि आज निहित स्वार्थ और हिंदू विरोधी ताकतें धर्म के प्रतीक धर्मस्थल के बारे में व्यापक रूप से गलत जानकारी फैला रही हैं और इस स्थान के सम्मान और गरिमा को कम करने की कोशिश कर रही हैं, जो एक अक्षम्य अपराध है। विहिप बेल्थांगडी थाना क्षेत्र में 2012 में हुई कुमारी सौजन्या की हत्या की गहन और पारदर्शी जांच करने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा देने की मांग करती रही है। विहिप ने तब से इस संबंध में चल रहे सभी निष्पक्ष संघर्षों को अपना समर्थन भी दिया था।उन्होंने कहा गया कि एक व्यक्ति के दावे के आधार पर धर्मस्थला के मंदिर और हिंदू धार्मिक मान्यताओं की गरिमा को कमजोर करने के लिए व्यवस्थित रूप से एक साजिश रची जा रही है।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की राज्यस्तरीय परामर्श बैठक में मानव तस्करी के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई पर जोर

पटना। बिहार की राजधानी पटना में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के तत्वाधान में 'भारत में मानव दुर्व्यापार: समन्वय और रोकथाम तंत्र को मजबूत करना' विषय पर राज्यस्तरीय परामर्श बैठक में बच्चों की तस्करी एवं अन्य बाल अपराधों से निपटने के लिए बेहतर समन्वय, जवाबदेही और रोकथाम रणनीतियों की तात्कालिक आवश्यकता पर जोर दिया गया। यह परामर्श बैठक 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' की ओर से बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित की गयी। बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का देश का सबसे बड़ा नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) 418 जिलों में काम कर कर रहा है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य हुलेश मांझी ने बच्चों के विरुद्ध अपराधों से निपटने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर बल देते हुए कहा कि हम सभी को एक समाज के रूप में बच्चों के खिलाफ हो रहे किसी भी प्रकार के अत्याचार की सूचना देनी चाहिए। बहुत से कमजोर और असुरक्षित बच्चे हमारे सामने शोषण का शिकार होते हैं, लेकिन हम इसे अनदेखा कर देते हैं। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव शिल्पी सोनिराज ने परामर्श बैठक में कहा कि हमें मानव तस्करी के मामलों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ देखने की आवश्यकता है।

बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में मंत्री चंद्रनाथ के खिलाफ ईडी ने दाखिल किया आरोपपत्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सरकारी प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र में ईडी ने मंत्री के दो बैंक खातों में 1.5 करोड़ के फर्जी लेन-देन का विवरण शामिल किया है। ईडी के अनुसार, ये लेन-देन वर्ष 2016 से 2021 के बीच हुए, जब राज्य में स्कूल नौकरी घोटाले का चरम समय था। एजेंसी का कहना है कि इनमें अधिकतर इनवर्ड रेमिटेंस शामिल हैं। आरोपपत्र में उल्लेख है कि पहले भी मंत्री से इन लेन-देन पर सवाल किए गए थे, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। चंद्रनाथ सिन्हा इस मामले में आरोपपत्र का सामना करने वाले राज्य के दूसरे मंत्री हैं। इससे पहले पूर्व शिक्षा मंत्री और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) के पूर्व महासचिव पार्थ चटर्जी के खिलाफ भी ईडी आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। ईडी के नोटिस के बावजूद सिन्हा दो बार पूछताछ में पेश नहीं हुए थे। हालांकि गुरुवार को वे अचानक कोलकाता स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि उनसे पूछताछ हुई या नहीं।

शुभेंदु अधिकारी का आरोप - ममता बनर्जी सरकार के कामकाज में दखल दे रही है आई-पैक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि 2021 के विधानसभा चुनाव से अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) के लिए जनसंपर्क रणनीति बनाने वाली एजेंसी 'आई-पैक' अब राज्य सरकार के प्रशासनिक कामकाज में भी हस्तक्षेप कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक ईमेल का स्क्रीनशॉट साझा किया, जो कथित तौर पर आई-पैक के प्रतिनिधि आवेश सिंह ने राज्य सूचना एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के निदेशक और अतिरिक्त सचिव को भेजा था। इस ई-मेल में राज्य सरकार की एक परियोजना 'आमादेर पाड़ा, आमादेर समाधान' से जुड़े प्रमुख डिजाइन संसाधनों के ड्राइव लिंक दिए गए थे। अधिकारी का दावा है कि यह सीधा प्रशासनिक दखल है। हालांकि इस स्क्रीनशॉट की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

'अगर वोट चोरी हुई तो कर्नाटक में बर्खास्त हो सरकार', राहुल के आरोपों पर चिराग पासवान का जवाब

एजेंसी

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर बड़ा बयान दिया है। चिराग पासवान ने कहा कि राहुल गांधी ने कर्नाटक में 'वोट चोरी' के सबूत दिखाए हैं, जहां उनकी पार्टी की सरकार है। अगर उनकी बात सही है तो कर्नाटक सरकार को बर्खास्त करके वहां राष्ट्रपति शासन लागू कर देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पटना में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी बेंगलुरु में वोट चोरी की बात कर रहे हैं, लेकिन यह भूल गए हैं कि कर्नाटक में उनकी अपनी सरकार है। अगर वह आरोप लगा रहे हैं तो फिर कर्नाटक में सरकार को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लागू कर देना चाहिए। चिराग पासवान ने आगे कहा, राहुल गांधी ने वोट चोरी और

वोटर लिस्ट में धांधली की बात कही। उन्होंने कई दस्तावेज सामने दिखाए, जिसमें धांधली के कारण भी गिनाए कि एक मतदाता का नाम चार जगह है, किसी के पिता का नाम नहीं है, तो किसी का पता सही नहीं है। लेकिन इन गड़बड़ी को एसआईआर प्रक्रिया से ही सुधारा जा सकता है, जो बिहार में चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी दावा किया कि अगर एसआईआर प्रक्रिया का मामला कर्नाटक पहुंचेगा तो वहां यही लोग (कांग्रेस) विरोध करेंगे। चिराग ने कहा कि राहुल गांधी बेहद गलत राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाए कि महाराष्ट्र के साथ झारखंड में भी चुनाव हुए थे, लेकिन झारखंड के चुनाव में वह जीत गए, तो क्या झारखंड के चुनाव सही थे?

बिहार के सीतामढ़ी में स्थित पुनौरा धाम में मां जानकी मंदिर के शिलान्यास पर चिराग पासवान ने कहा, यह बिहार के लोगों का लंबे समय से सपना रहा है। व्यक्तिगत रूप से भी, मैंने हमेशा बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के माध्यम से अपनी इच्छा व्यक्त की है और वादा किया कि जिस तरह अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है, उसी तरह मेरी मां सीता को समर्पित एक भव्य मंदिर यहां बनाया जाना चाहिए। यह अधिकांश बिहारियों की इच्छा रही है। आज, मुझे खुशी है कि यह यात्रा शुरू हो रही है।

रेलवे ने रचा इतिहास- साढ़े चार किमी. लंबी मालगाड़ी का सफल संचालन

एजेंसी

नई दिल्ली। माल ढुलाई को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए पूर्व मध्य रेल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल (डीडीयू मंडल) ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। डीडीयू मंडल के गंजख्वाजा स्टेशन से गुरुवार को भारतीय रेल की अब तक की सबसे लंबी मालगाड़ी 'रूद्रास्त्र' का सफलतापूर्वक चलाया गया। करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबी इस विशेष मालगाड़ी में छह खाली बॉक्सन रेक को आपस में जोड़कर कुल 354 वैगन तैयार किए गए, जिसे सात शक्तिशाली इंजनों की सहायता से चलाया गया। 'रूद्रास्त्र' ने औसतन 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पांच घंटे में 200 किलोमीटर की दूरी तय की। यह गंजख्वाजा स्टेशन से चलकर गढ़वा रोड स्टेशन तक पहुंची। इस ऐतिहासिक परिचालन में गंजख्वाजा से सोननगर तक डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) पर और आगे गढ़वा रोड तक भारतीय रेल के सामान्य ट्रैक पर इस सुपर-लंबी ट्रेन का संचालन किया गया। यह प्रयोग न केवल एक तकनीकी नवाचार है बल्कि सुव्यवस्थित संचालन, उत्कृष्ट समन्वय और समय की बचत का एक आदर्श उदाहरण भी है। डीडीयू मंडल के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय रेल के सबसे व्यस्त और रणनीतिक मंडलों में से एक है, जो धनबाद मंडल को कोयला और अन्य माल लदान के लिए समय से खाली वैगनों की आपूर्ति करता है। यहां मालगाड़ियों के डिब्बों की जांच व मरम्मत का कार्य बड़े पैमाने पर किया जाता है।

कटिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 48466 लोग प्रभावित

एजेंसी

कटिहार। गंगा और कोसी नदी के जल स्तर में लगातार वृद्धि के कारण जिले के कुर्सेला, बारारी, मनिहारी और अमदाबाद के दियरा और निचले भागों के 20 पंचायतों (1 नगर पंचायत सहित) के 83 वार्डों और 68 गांवों में रहने वाले 48466 लोग आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। जल स्तर बढ़ने से आवागमन बाधित होने पर प्रशासन ने कुर्सेला अंचल में 11 नाव, बरारी अंचल में 12 नाव, मनिहारी अंचल में 6 नाव और अमदाबाद में 8 नाव निःशुल्क परिचालित करना शुरू कर दिया है। कुल 37 नावों के माध्यम से आवागमन को सुचारू रखा जा रहा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण शुरू कर दिया है ताकि प्रभावित परिवारों को सामुदायिक रसोई के माध्यम से भोजन कराया जा सके। अब तक 11 आंगनबाड़ी केंद्रों को ऊंचे स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल कैंप के माध्यम से 538 लोगों का इलाज किया गया है। पशुपालन विभाग ने कुर्सेला, बरारी, मनिहारी और अमदाबाद में 4 पशु चिकित्सा शिविर लगाकर 194 पशुओं का इलाज किया है। इसके अलावा पशु चिकित्सा मोबाइल वैन के माध्यम से

भी पशुओं का इलाज किया जा रहा है। नदियों के जल स्तर बढ़ने के कारण कुर्सेला प्रखंड में 5, बारारी प्रखंड में 8, मनिहारी में 10 और अमदाबाद में 8 विद्यालयों को अन्यत्र ऊंचे स्थानों के विद्यालयों में शिफ्ट किया गया है। कुल 31 विद्यालयों को शिफ्ट किया गया है।

बिहार में भागलपुर के शहरी क्षेत्र में बाढ़ कहर, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति भयावह

भागलपुर। जिले में बाढ़ की स्थिति दिन ब दिन भयावह होती जा रही है। बाढ़ का असर अब शहरी इलाकों में भी साफ दिखने लगा है। शहर के वीआईपी इलाकों में गिने जाने वाले बैंक कॉलोनी स्थित घर गंगा के पानी से घिर चुके हैं। पानी भरने से घरों के फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और जरूरी सामान भीगकर खराब हो रहे हैं। सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो चुकी हैं। लेकिन फिलहाल नाव की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जिससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। बढ़ते जलस्तर के बीच राहत और बचाव कार्य में भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। उधर सबौर प्रखंड में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से स्थिति गंभीर हो गई है।

बिहार के विकास में केंद्र सरकार का मिल रहा पूरा सहयोग : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के विकास में केंद्र सरकार का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जुलाई 2024 के केंद्रीय बजट में बिहार को विशेष आर्थिक पैकेज के तहत सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन, बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि देने की घोषणा की गयी, जबकि फरवरी 2025 के बजट में मखाना बोर्ड तथा दरभंगा में हवाई अड्डा बनाने सहित अन्य कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गयीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम की पावन धरती पर माता सीता का जन्म हुआ था, यह काफी पवित्र स्थल है। राज्य सरकार द्वारा पुनौराधाम मंदिर परिसर के विकास के लिए पहले से भी अनेक कार्य कराए गए हैं। आज 883 करोड़ रुपये की लागत से यहां माता सीता के भव्य मंदिर के निर्माण के साथ ही मंदिर परिसर के समग्र विकास की वृहद योजना का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि मां जानकी के मंदिर परिसर का पूरे तौर पर विकास किया जाएगा, इसके लिए यहां पूर्व से उपलब्ध 17 एकड़ भूमि के अलावा 50 एकड़ भूमि अधिग्रहित की जा रही है। जमीन अधिग्रहण के बाद कुल 67 एकड़ भूमि पर मां जानकी के भव्य मंदिर एवं परिसर का विकास कार्य बेहतर ढंग से कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा इस नई योजना का शिलान्यास किया गया है। हमलोगों ने सीतामढ़ी जिले में विकास के अनेक कार्य कराए हैं, वह निरंतर आगे बढ़ रहा है। यहां जो जरूरतें या कमियां रह गई हैं, उन्हें दूर किया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा अयोध्या से सीतामढ़ी के बीच रेलमार्ग और सड़क मार्ग विकसित किया जा रहा है। अमित शाह के द्वारा सीतामढ़ी से दिल्ली के लिए आज नई ट्रेन की भी शुरुआत की गयी है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह से आह्वान करते हुये कहा कि इन विकास कार्यों के लिए केंद्रीय गृह मंत्री का आप सभी हाथ उठाकर अभिनंदन कीजिये और इन्हें धन्यवाद दीजिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां जानकी के भव्य मंदिर बनने और नई ट्रेन शुरू होने से आप सभी को काफी फायदा होने वाला है। बिहार में 24 नवम्बर, 2005 से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गठबंधन वाली राजग की सरकार बनी। वर्ष 2005 से पहले बिहार की हालत काफी बदतर थी, यह किसी से छुपा नहीं है। शाम के बाद लोग डर के कारण अपने घरों से बाहर नहीं निकलते थे। सड़कों के अभाव के कारण कहीं आने-जाने के लिए रास्ता नहीं था। हमलोगों ने हर क्षेत्र के विकास और हर तबके के उत्थान के लिए काम किया है। प्रारंभ से ही बिहार के विकास के लिए हर प्रकार से काम किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन कराया गया, यह हम सभी के लिए गौरव की बात है।

दिग्विजय सिंह का हाथ थाम मंच पर ले गए सिंधिया, पांच साल बाद एक साथ दिखे दोनों नेता

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में लंबे समय बाद ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने सियासी गलियारों में चर्चाओं को हवा दे दी। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का हाथ पकड़कर उन्हें मंच पर ले जाते नजर आ रहे हैं। पांच साल बाद दोनों नेता इस तरह एक साथ दिखाई दिए, जिससे अटकलों का दौर तेज हो गया है।दरअसल, भोपाल के रातीबड़ स्थित एक निजी स्कूल के शुभारंभ के मौके पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में सिंधिया पहुंचे तो दिग्विजय सिंह मंच से नीचे बैठे थे। कार्यक्रम में मंच पर आते ही

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजनीतिक गिले शिकवे को दरकिनार करते सामने बैठे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पास जाकर स्नेह पूर्वक अभिवादन किया। इसके बाद उनका हाथ थामा और उन्हें मंच पर साथ लेकर आए। इस दौरान पूरे सभागार में तालियां गूंज उठीं। सिंधिया की इस पहल का वीडियो अब वायरल हो रहा है। इसे लेकर कहा जा रहा है कि विरासत का अर्थ केवल संपत्ति नहीं, संस्कारों और अनुभवों का हस्तांतरण भी है। राजनीतिक गलियारे में यह भी बात सामने आई है कि भले विचारधारा अलग हों, सिंधिया दिल से आदर भाव रखते हैं। गौरतलब है कि मार्च 2020 में सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने और 22 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल होने के बाद दोनों नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी का दौर चला था। कमलनाथ सरकार के गिरने के समय दिग्विजय सिंह और सिंधिया के रिश्ते बेहद तल्ख थे। ऐसे में उनका यह साथ बैठना पांच साल बाद की एक सियासी 'सॉफ्ट मोमेंट' के रूप में देखा जा रहा है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में इस समय सिंधिया के लिए माहौल पूरी तरह सहज नहीं है।

गडकरी 23 अगस्त को करेंगे मप्र के सबसे बड़े फ्लाइओवर का लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आगामी 23 अगस्त को जबलपुर में निर्मित मध्य प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओवर (एलिवेटेड कॉरिडोर) का लोकार्पण करेंगे। 6.855 किलोमीटर लंबाई वाला यह फ्लाइओवर 1052 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार किया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि उन्होंने गत दिवस नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर फ्लाईओवर के लोकार्पण के लिये आमंत्रित किया था। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने 23 अगस्त को जबलपुर में कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है। यह

फ्लाईओवर जबलपुर शहर के यातायात दबाव को कम करेगा और प्रदेश में आधुनिक आधारभूत संरचना के क्षेत्र में एक नया मानक भी स्थापित करेगा।

जीवन की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों के पालन की आदत को प्रोत्साहित करें: जस्टिस सप्रे

एजेंसी

जबलपुर। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पालन कराना जरूरी है। सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की संख्या कम करने के लिये समन्वित प्रयास सुनिश्चित किये जाए। हर व्यक्ति की जान महत्वपूर्ण है। यह प्रयास हो कि किसी की भी गलती से किसी निर्दोष की जान नहीं जाये। जरूरी है कि हेलमेट पहनने की आदत को बढ़ावा दिया जाए। सीट बेल्ट लगाने के संबंध में जागरूकता लाई जाए। शराब पीकर वाहन चलाने वालों तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। लोक परिवहन वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, जिससे सड़कों पर चलने वाले छोटे वाहनों की संख्या में कमी लाई जा सकें। न्यायमूर्ति सप्रे मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जबलपुर शहर को सड़क सुरक्षा एवं यातायात सुधार के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सुधार लाने की जरूरत है। जबलपुर को इस क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिये जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी पूरी पूर्ण गंभीरता, लगन, समर्पण एवं संवेदनशीलता के भाव से जुट जाए। बैठक में कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव, अतिरिक्त कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात एवं सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। न्यायमूर्ति सप्रे ने कई दर्दनाक घटनाओं का

उदाहरण देते हुए कहा कि सभी वाहन चलाते समय हेलमेट व सीटबेल्ट अनिवार्य रूप से लगायें। इसके साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों सहित अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिये भी हेलमेट पहनने की अनिवार्यता लागू की जाए। उन्होंने मीडिया से सड़क सुरक्षा और यातायात सुधार के जागरूकता अभियान में तेजी लाने और इस अभियान को प्रभावी बनाने में सहयोग का आग्रह किया।

रेल दुर्घटनाओं में आई भारी कमी, व्यापक हुआ सुधार : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय रेल ने सुरक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि बीते वर्षों में रेल हादसों की संख्या में भारी गिरावट आई है। वर्ष 2004 से 2014 के दौरान जहां कुल 1,711 गंभीर रेल हादसे हुए (औसतन 171 प्रति वर्ष), वहीं 2024-25 में यह संख्या घटकर केवल 31 रह गई और 2025-26 में (जून तक) सिर्फ तीन प्रमुख रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि देश में गंभीर रेल हादसों के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2014-15 में 135 गंभीर रेल हादसे दर्ज हैं जबकि 2024-25 में यह घटकर 31 रह गए। इसी प्रकार 2025-26 (जून तक) केवल 3 गंभीर रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह सुधार रेलवे की सुरक्षा प्राथमिकताओं और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। रेल मंत्री ने बताया कि 'प्रति मिलियन ट्रेन किलोमीटर दुर्घटनाएं (एपीएमटी किमी) सूचकांक में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो 2014-15 में 0.11 से घटकर 2024-25 में 0.03 हो गया है, यानी करीब 73 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि रेलवे ने सुरक्षा मद में खर्च में तीन गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। 2013-14 में जहां कुल खर्च 39,463 करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 के लिए यह अनुमानित खर्च 1,16,470 करोड़ रुपये हो गया है। यह खर्च ट्रैक मेंटेनेंस, ब्रिज वर्क्स, रोड अंडर ब्रिज/ओवर ब्रिज, आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम और रोलिंग स्टॉक की देखरेख जैसे कार्यों पर किया जा रहा है। रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे में तकनीकी उन्नयन और संरचना सुधारों से सुरक्षा में व्यापक सुधार हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग अब तक 6,635 स्टेशनों पर स्थापित की जा चुकी है। 11,096 लेवल क्रॉसिंग गेट्स का इंटरलॉकिंग किया गया है। 6,640 स्टेशनों पर ट्रैक सर्किटिंग की सुविधा दी गई है। कवच जैसी आधुनिक रेल सुरक्षा प्रणाली 1548 किलोमीटर रूट पर लगाई जा चुकी है।

धराली आपदा: 729 रेस्क्यू, 16 लापता, राहत बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी

एजेंसी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली में आपदा प्रभावित क्षेत्र से कुल 729 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। हर्षिल में संचार व्यवस्था बहाल कर दी गई है। आपदा में कुल 16 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और खोजबीन अभियान युद्धस्तर पर जारी है। मौसम साफ रहा तो शनिवार को फंसे सभी यात्रियों को रेस्क्यू कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी खुद आपदा प्रभावित क्षेत्रों में ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर राहत बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी बुलेटिन में बताया गया कि हर्षिल से जौलीग्रांट लाये गये यात्रियों की संख्या 112 और हर्षिल से मातली लाये गये यात्री संख्या 396 है, हर्षिल से चिन्यालीसौड़ लाये गये यात्रियों की संख्या 121 और गंगोत्री, भैरवघाटी, निलांग से हर्षिल लाये गये लोगों की संख्या 100 है। कुल मिलाकर 729 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। दो शव मिले हैं। मातली से लाये गये लोगों में से 03गम्भीर रूप से घायल को एम्स ऋषीकेश और 02 घायलों को मलेट्री अस्पताल देहरादून और शेष 09

जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी में भर्ती किया गया है। आपदा में सेना के 09 और नागरिक 07 सहित कुल 16 लोग लगभग लापता है। प्रभावित क्षेत्रों में 2500 खाने क पैकेट हर्षिल भेज गये हैं। राशन सहित अन्य पैकेट बनाकर भेजे जा रहे हैं। 125 केवीए जेन सेट चिन्यालीसौड चिनूक हैलीकॉप्टर द्वारा भेजा गया है। आज इसे हर्षिल भेजा जा रहा है। दोपहर में हर्षिल में एयरटेल और जीओ की मोबाईल कनेक्टिविटी बहाल कर दी गयी है। हर्षिल में माइक्रों हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना में विद्युत उत्पादन बहाल कर दिया गया है। पावर हाउस तक बिजली आ रही है। आस पास विद्युत आपूर्ति बहाल की गयी है।लिंचागाड़ में वाशआउट हुए पुल के स्थान पर वैली ब्रिज लांचिग का कार्य चल रहा है और शनिवार सायं तक पूर्ण होने की संभावना है। इसके उपरान्त हर्षिल तक सड़क सुचारू होने की संभावना है। खोजबीन के लिए मौके पर डॉग स्क्वॉड की सेवाएं ली जा रही है। हर्षिल में अभी लगभग 250 लोग फंसे हैं ।

चार अधिकारियों के निलंबन को लेकर चुनाव आयोग ने बंगाल सरकार को दिया अल्टीमेटम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत को भेजे गए नए नोटिस में चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि चार अधिकारियों के निलंबन के अपने आदेश को 11 अगस्त दोपहर तीन बजे तक लागू किया जाए और इसकी अनुपालन रिपोर्ट आयोग को सौंपी जाए। आयोग के सचिव सुजीत कुमार मिश्रा द्वारा हस्ताक्षरित यह पत्र ऐसे समय भेजा गया है जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक दिन पहले सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि वह निलंबन आदेश लागू नहीं करेंगी और अधिकारियों को 'पहरेदार' बनकर संरक्षण देंगी। इससे आयोग और राज्य सरकार के बीच टकराव और गहराने के आसार हैं। चुनाव आयोग ने दो निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), दो सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) और एक अस्थायी डाटा एंट्री ऑपरेटर को निलंबित करने का फैसला सुनाया था। इन पर दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर पूर्व और पूर्वी मिदनापुर के मयना विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार करने में अनियमितताओं के आरोप हैं। आयोग ने मुख्य सचिव को सभी पांच आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और जल्द से जल्द कार्रवाई रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया था। निलंबित अधिकारियों में देवोत्तम दत्ता चौधरी और बिप्लव सरकार डब्ल्यूबीसीएस (एक्जीक्यूटिव) रैंक के अधिकारी हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि अब तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ की गई ठोस कार्रवाई की अनुपालन रिपोर्ट उसे प्राप्त नहीं हुई है। दरअसल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयोग के अधिकार क्षेत्र और आदेश की वैधता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि भाजपा, राज्य सरकारी अधिकारियों को डराने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है। झाड़ग्राम में एक जनसभा में उन्होंने कहा था, हम उन्हें निलंबित नहीं करेंगेज हम आपकी रक्षा करेंगे। मैं आपकी पहरेदार हूं।÷ उन्होंने आयोग को भाजपा का 'बंधुआ मजदूर' की तरह काम करने का भी आरोप लगाया था। दरअसल इन अधिकारियों पर आरोप है कि इन्होंने बिना वेरीफिकेशन सैकड़ो नाम मतदाता सूची में शामिल कर दिए थे।

रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप में करेंगे भारत की कप्तानी, आईसीसी ने दिया बड़ा हिंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। जिसके बाद अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में भारत के लिए खेलते हुए दिखेंगे। इतना ही नहीं रोहित अभी वर्ल्ड कप के कप्तान भी हैं। फैंस को उम्मीद है कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक कप्तानी कर सकते हैं। वहीं अब फैंस की उम्मीदों को बल आईसीसी के एक पोस्टर ने भी दे दिया है।

दरअसल, 2026 में भारतीय टीम लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर आईसीसी ने एक पोस्टर जारी किया है। इसमें इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और भारत के मौजूदा वनडे कप्तान रोहित शर्मा नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर रोहित 2026 में टीम की कप्तानी करेंगे तो क्या वह 2027 वर्ल्ड कप तक वनडे कप्तान बने रह सकते हैं?

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के बाद रोहित ने इस फॉर्मेट को टाटा कर दिया था। अब उनका पूरा फोकस वनडे पर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में जोर देकर कहा था कि 2027 के लिए योजना बनाना अभी जल्दबाजी होगी। इंग्लैंड सीरीज से पहले गंभीर ने कहा कि, उससे पहले अभी टी20 वर्ल्ड कप बाकी है। वह भी एक टूर्नामेंट है, जो फरवरी-मार्च में भारत में होने वाला है। इसलिए इस समय पूरा फोकस है। इंग्लैंड सीरीज के बाद टी20 वर्ल्ड कप पर फोकस रहेगा। नवंबर-दिसंबर 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप में अभी भी ढाई साल का समय है।

गंभीर ने आगे कहा कि, अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते रहें, तो उम्र बस एक नंबर है। भारत के पास अभी 3 फॉर्मेट में 3 कप्तान हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 इंटरनेशनल की कमान संभाल रहे हैं। वहीं रोहित के संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिल की कप्तानी वाली टीम ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई।

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकॉर्ड बुक; भारत के अलावा ऐसा करने वाली बनी तीसरी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में कीवी बल्लेबाजों ने ऐसा धमाका किया कि रिकॉर्ड बुक हिल गई। पहली पारी में जिम्बाब्वे को मात्र 125 रनों पर ढेर करने के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 130 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 601 रन ठोक दिए। सबसे खास बात यह रही कि डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। मैच में सलामी बल्लेबाज कॉन्वे ने 153 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद रवींद्र और निकोल्स ने चौथे विकेट के लिए 250 से ज्यादा रन की नाबाद साझेदारी कर मेजबानों की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन के अंत तक क्रीज पर डटे रहे और रन बरसाते रहे। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के पास इन पर कोई जवाब नहीं था। इससे पहले यह कारनामा भारत ने 1986 में कानपुर टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ किया था। उस मैच में श्रीलंका को पहली पारी में 420 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 676 रन बनाए थे। इस दौरान सुनील गावस्कर ने 176, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 199 और कप्तान कपिल देव ने 163 रन ठोके थे। भारतीय बल्लेबाजों की इस त्रयी ने विपक्षी टीम को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था। ऐतिहासिक उपलब्धि की शुरुआत 1938 में इंग्लैंड ने की थी, जब ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 903 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 7 विकेट पर पारी घोषित कर दी थी। लियोनार्ड हटन ने 364, मौरिस लेलैंड ने 187 और जो हार्डस्टाफ ने 169 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 201 और 123 रनों पर आउट कर मैच 579 रनों से जीता था। बुलावायो टेस्ट में न्यूजीलैंड की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि वे न केवल मैच पर पूरी पकड़ बना चुके हैं, बल्कि अपने बल्लेबाजों की ऐतिहासिक पारी से क्रिकेट जगत में फिर एक बार खास पहचान बना रहे हैं। यह प्रदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा, क्योंकि इसने कीवी क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

क्रिकेटर यश दयाल पर लगा बैन, अब इस बड़ी टी20 लीग में नहीं खेल पाएंगे

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुश्किलें कम होने की बजाय बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, रेप केस में फंसे यश दयाल पर अब बैन लग गया है। आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज यश दयाल इस साल यूपीटी20 लीग में खेलने नहीं दिखेंगे। UPCA ने यश दयाल पर बैन लगा दिया है। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने ये फैसला जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में यश दयाल के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज होने के बाद लिया है, जिसमें उनपर पर 17 साल की नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोप लगाया गया था। यश दयाल को आखिरी बार मई की शुरुआत में आईपीएल 2025 ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी टीम का हिस्सा रहते हुए देखा गया था। इसके बाद से वह क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गोरखपुर लायंस द्वारा 7 लाख रुपये में खरीदे गए यश दयाल को यूपीसीए ने यूपीटी20 2025 में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। रिपोर्ट में यूपीसीए सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यश दयाल पर दर्ज मामलों के कारण उन्हें लीग से प्रतिबंधित कर दिया गया है। बता दें कि, पहले यश दयाल पर एक महिला ने गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज कराई। इसमें कहा गया था कि यश दयाल ने महिला को शादी का झांसा देकर उनका यौन शोषण किया। ये शिकायत 21 जून को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर दर्ज की गई थी, जिसके बाद औपचारिक एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। फिर जुलाई की शुरुआत में यश दयाल पर जयपुर में एफआईआर दर्ज हुई। इस बार राजस्थान हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी।

आयरलैंड की महिला टीम ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया

डबलिन (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में इस वक्त कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। पाकिस्तान की पुरुष टीम में आए दिन बवाल होते हैं। पाकिस्तान की टीम लंबे समय से कोई बड़ा टूर्नामेंट और सीरीज नहीं जीत पाई है। कुछ वैसा ही हाल पाकिस्तान की महिला टीम का भी हो चुका है। पाकिस्तान की महिला टीम को आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ टी20 सीरीज में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज के दूसरे मैच में आयरलैंड की टीम ने पाकिस्तान को हराया और सीरीज अपने नाम कर ली है।

आयरलैंड की टीम ने जीती सीरीज

आयरलैंड ने पाकिस्तान को रोमांचक टी20 मुकाबले में हराया। जेन मेगोइर ने आखिरी गेंद पर छक्का मारकर आयरलैंड को जीत दिलाई। आयरलैंड ने क्लोनटर्फ क्रिकेट क्लब में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए थे। जवाब में आयरलैंड ने आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

पाकिस्तान ने बनाए 168 रन

पाकिस्तान की शवाल जुल्फिकार ने 27 गेंदों में 33 रन बनाए। वह कारा मरे का शिकार बनीं। पाकिस्तान ने 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए। आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रमीन शमीम ने गेबी लुइस और ली पॉल को लगातार गेंदों पर आउट कर दिया। आयरलैंड का स्कोर 3 विकेट पर 35 रन हो गया था। लौरा डेलानी ने हैट्रिक गेंद को बचाया। उन्होंने 42 रन बनाए। ओर्ला प्रेनडरगास्ट ने 34 गेंदों में 51 रन बनाए। रेबेका स्टॉकेल 16 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहीं। एवा कैनिंग आखिरी गेंद से पहले स्टंप आउट हो गईं। इससे मेगोइर को हीरो बनने का मौका मिल गया।

जब भी बल्लेबाजी पर उठे सवाल, शुभमन गिल ने बल्ले से दिया बखूबी जवाब

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज में अपनी बल्लेबाजी से उन सभी सवालों के जवाब दे दिए जो अक्सर उठाए जाते थे। इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में गिल की पहली सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई। वह श्रृंखला में उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाए। गिल ने 10 पारियों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। गिल ने चार शतक लगाए। उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक पार्थिव पटेल ने कहा कि जब गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे थे, तो सवाल उठ रहे थे कि क्या वह विदेशी पिच पर अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे? क्या वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए। हेडिंग्ले में गिल ने पहली पारी में 147 रन बनाए, तो दूसरी पारी में लोगों ने कहा कि उस बड़े स्कोर के बाद उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। एजबेस्टन में पहली पारी में 269 रन आए तो चर्चा हुई कि कहीं यह रन कम न पड़ जाएं लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 161 रन बनाए। पटेल ने कहा कि तीसरे टेस्ट में, वह दोनों पारियों में जल्दी आउट हो गए, और उनके फॉर्म पर फिर से सवाल उठने लगे, जबकि पिछले मैच में उन्होंने पहले ही 430 रन बना लिए थे और फिर मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाया, एक ऐसा मैच जिसे भारत को ड्रॉ कराना था। जब भी कोई चुनौती आई है, जब भी सवाल पूछे गए, गिल ने अपने बल्ले से उनका बखूबी जवाब दिया।

सचिन से आगे निकल जाएंगे रुट : पनेसर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का मानना है कि स्टार जो रूट अपने करियर में 18,000 रन बना सकते हैं। पनेसर के अनुसार जिस प्रकार रुट ने भारत के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बनाये। वह सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है। पिछले कुछ सालों में जो रूट ने जमकर रन बनाये हैं। ऐसे में वह महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का सबसे ज्यादा 15921 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। रूट भारत के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। उन्होंने 500 से ज्यादा रन बनाए। सीरीज के अंतिम मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। पोंटिंग ने 13378 रन बनाए हैं, जबकि रूट के अब 13543 रन हो गए हैं। रूट तेंदुलकर से केवल 2378 रन पीछे हैं। पनेसर का मानना है कि जो रूट तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल जाएंगे। मुझे लगता है कि 18,000 रन बनाएंगे क्योंकि वह सिर्फ 34 के हैं। वह 34 के हैं, उनके पास 6 साल और है।

टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट अमीन के साथ फिर पिच पर आए नजर

ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक दिवसीय मैचों के लिए कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान नईम अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर दोबारा स्टोरी शेयर करते हुए कहा कि भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं। अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में रहे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। कोहली का ध्यान अब भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ आईपीएल की प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं। हालांकि फैंस को अभी अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ेगा। भारत को यूं तो अगस्त में बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय मैच खेलने थे, लेकिन यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले चुके हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टरूबा (एजेंसी)। टी20 सीरीज में कहर ढाने के बाद पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज का भी विजयी आगाज किया है, लेकिन ये जीत उसे आसानी से नहीं मिली। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 49 ओवरों में 280 रनों पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान ने ये टारगेट 48.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने एक समय अपने पांच विकेट 180 रनों पर ही खो दिए थे और उस पर हार का संकट था। तभी हसन नवाज और हुसैन तलत ने बेहतरीन साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। हसन ने 54 गेंदों पर पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। हुसैन तलत ने 37 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

बाबर अर्धशतक से चूके

सैम अयूब पाकिस्तान को अब्दुल्ला शफीक के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। अयूब ने 12 गेंदों पर पांच रन बनाए। अब्दुल्ला ने फिर बाबर आजम के साथ मिलकर टीम को 50 के पार पहुंचा दिया। शामर जोसेफ ने इस साझेदारी को तोड़ा और शफीक को 29 रनों पर आउट कर दिया। उनका विकेट 63 रनों पर गिरा। बाबर आजम अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। 47 के निजी स्कोर पर उन्हें गुडकेश मोती ने अपना शिकार बनाया। बाबर ने 64 गेंदों का सामना कर पांच चौके और एक छक्का मारा।

सलमान अगा 23 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान मोहम्मद रिजवान के रूप में पाकिस्तान ने अपना पांचवां विकेट खोया। वह 69 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 53 रन बना पाए। यहां से पाकिस्तान पर हार का संकट था। हसन और हुसैन ने पहले विकेट पर पैर जमाए और फिर स्कोरबोर्ड को चालू रखते हुए टीम को जीत की दहलीज पार कराई। इन दोनों ने 104 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

विंडीज की तरफ से लगे तीन अर्धशतक

पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज को शाहीन अफरीदी ने शुरुआती झटका दे दिया। उन्होंने चार के कुल स्कोर पर ब्रेंडन किंग को पवेलियन की राह दिखाई। दूसरे सलामी बल्लेबाज एविन लुईस ने कैसी कार्टी के साथ मिलकर टीम को खराब शुरुआत से बाहर निकाला। कार्टी 30 रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। लुईस को 105 के कुल स्कोर पर अयूब ने पवेलियन भेज दिया। शेरफन रदरफोर्ड को सलमान ने 10 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर वेस्टइंडीज को चौथा झटका दिया। इसके बाद कप्तान शै होप और रोस्टन चेज ने टीम को संभाला। दोनों ने 64 रन जोड़े। होप को 55 के निजी स्कोर पर अफरीदी ने अपना शिकार बनाया। अफरीदी ने फिर खतरनाक रोमारियो शेफर्ड को चार रनों से आगे नहीं जाने दिया। नसीम शाह ने चेज को आउट कर अपना खाता खोला। अंत में मोती ने 18 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 31 रन बनाते हुए टीम को 250 के पार पहुंचाया।

जॉन सीना-लोगान पॉल के धमाकेदार मुकाबलों से गूंजा एरीना

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का ताज़ा एपिसोड रोमांच और ड्रामे से भरपूर रहा, जहां शुरुआत से लेकर अंत तक दर्शकों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। शो की शुरुआत जॉन सीना ने की, जिन्होंने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए ब्रॉक लेसनर को सीधी चुनौती दी और कहा कि वे उनसे डरते नहीं हैं। इसी बीच लोगान पॉल ने एंट्री मारते हुए सीना को झूठा करार दिया और मैच की मांग कर डाली। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक चल ही रही थी कि ड्रू मैकइंटायर ने सीना पर अचानक हमला कर दिया। हालांकि कोडी रोड्स ने आकर सीना को बचाया और पॉल-मैकइंटायर की जोड़ी को उसी रात टैग टीम मैच की चुनौती दी, लेकिन मुकाबला बिना नतीजे के समाप्त हुआ। पहला मैच द एमएफटी और मोटर सिटी मशीन गन्स के बीच हुआ, जिसमें तेज़-तर्रार मूव्स और सुपरकिक्स की बरसात देखने को मिली। अंत में टाला ने चोकस्लैम के जरिए साबिन को हराकर द एमएफटी को जीत दिलाई। दूसरा मुकाबला सोलो सिकोआ और सामी जैन के बीच रहा, जिसमें शुरुआती बढ़त सोलो के पास थी। लेकिन टामा टोंगा और एमएफटीस के हस्तक्षेप के बावजूद सामी ने रोलअप से शानदार जीत दर्ज की। तीसरे मैच में शार्लेट फ्लेयर और चेल्सी ग्रीन आमने-सामने थीं। रिंगसाइड पर कई बार ध्यान भटकाने की कोशिश हुई, यहां तक कि जन्मदिन का केक भी हथियार बनने वाला था। मगर एलेक्सा के हस्तक्षेप और फ्लेयर की चतुराई से ग्रीन को केक में मुंह मारना पड़ा और फिगर-एट लॉक के जरिए फ्लेयर ने जीत अपने नाम की। बैकस्टेज सेगमेंट में जॉन सीना और आर-ट्रूथ की मुलाकात ने माहौल हल्का-फुल्का कर दिया, जहां दोनों ने दोस्ती का जश्न मनाया। कुल मिलाकर, यह स्मैकडाउन एपिसोड हाई-ऑक्टेन एक्शन, चौंकाने वाले पलों और दर्शकों को सीट से बांधे रखने वाले ट्विस्ट से भरा रहा। जॉन सीना और लोगान पॉल के बीच शुरू हुआ टकराव आने वाले शो के लिए बड़ा संकेत है, जबकि कोडी रोड्स और ड्रू मैकइंटायर की मौजूदगी ने कहानी को और दिलचस्प बना दिया। रिंग के भीतर और बाहर हुए सभी घटनाक्रम ने साबित किया कि यह एपिसोड हाल के सबसे धमाकेदार स्मैकडाउन में से एक रहा।

शाहीन अफरीदी ने अपने नाम किया ये खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने खराब फॉर्म होने के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाल मचाया है। त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। शाहीन अफरीदी ने राशिद खान को एक खास सूची में पीछे कर दिया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने मेजबान टीम के खिलाफ टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इविन लुईस, रोस्टन चेज और कप्तान शाई होप की अर्धशतकीय पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने 48.5 ओवर में पांच के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। शाहीन ने मुकाबले में चार विकेट लेकर पाकिस्तान को जीत दिला दी। इस चार विकेट के साथ शाहीन ने 65 वनडे मैचों में 131 विकेट पूरे किए। पाकिस्तानी स्टार गेंदबाज अब 65 वनडे मैचों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। 65 वनडे मैचों के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट राशिद खान ने लिए थे। जिन्होंने 128 विकेट लिए थे। सूची में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का नाम तीसरे नंबर पर खिसक गया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद 126 विकेट चटकाए थे। पाकिस्तान के दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने इतने मुकाबले खेलने के बाद 122 वनडे विकेट अपने नाम किए थे। न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड ने भी इतने ही विकेट हासिल किए थे।

बाबर आज़म की टी20 टीम में वापसी हो : वसीम अकरम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले देश के स्टार बल्लेबाज बाबर आज़म को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस शामिल करने की मांग की है। दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 खेलने के बाद से बाबर टीम से बाहर हैं। औसत प्रदर्शन और स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना के चलते उन्हें प्रबंधन की योजनाओं से बाहर माना जा रहा था। अकरम का मानना है कि एशिया कप और आगामी टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान को एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है, और बाबर इस भूमिका के लिए आदर्श खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे पास अधिकार होता, तो मैं बाबर को टीम में जरूर शामिल करता। वह परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी ढाल सकते हैं, जैसा उन्होंने 2019 में समरसेट के लिए खेलते हुए लगभग 150 के स्ट्राइक रेट के साथ दिखाया था।' पूर्व कप्तान ने बाबर की बहुमुखी प्रतिभा पर जोर देते हुए कहा कि वह किसी भी बल्लेबाजी क्रम में योगदान दे सकते हैं। अकरम ने तीसरे नंबर को बाबर के लिए आदर्श स्थान बताया, लेकिन स्थिति के अनुसार बदलाव की गुंजाइश भी रखी। उन्होंने कहा, 'जब हम 140 या 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ, हमें ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी उठाए और बाकी टीम को साथ लेकर चले। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और भविष्य में भी पाकिस्तान के लिए बहुत कुछ कर सकता है।' अकरम का मानना है कि बाबर में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और टीम को उनके अनुभव का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने प्रशंसकों से भी बाबर का समर्थन करने की अपील की। एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें पाकिस्तान अपना पहला मैच 12 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ओमान के खिलाफ खेलेगा।

ओवल टेस्ट में भारत पर था स्लो ओवर रेट से बचाने के दबाव- गौतम गंभीर ने लिया था बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत ने 6 रनों से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट चाहिए थे। मोहम्मद सिराज की धारदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड टिक नहीं पाया और टीम इंडिया ने मैच जीतकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में कीमती अंक हासिल किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीत भारत को न केवल सीरीज बराबरी दिलाने में अहम रही, बल्कि डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल पर भी दोहरे नुकसान से बचाया। दरअसल, मैच के पांचवें दिन सुबह मैच रेफरी जेफ क्रो ने भारतीय टीम को चेतावनी दी थी कि वे निर्धारित समय से छह ओवर पीछे हैं। यदि यह ओवर रेट सुधरा नहीं, तो चार डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते थे। ऐसे में भारत को या तो इंग्लैंड को जल्द आलआउट करना था या ओवर रेट सुधारना था। चेतावनी के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सितांशु कोटक के बीच अहम रणनीति बैठक हुई। बैठक में एक सुझाव आया कि प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर पूरे होने के बाद दोनों छोर से रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी दी जाए, ताकि ओवर रेट सुधारा जा सके। हालांकि, इसके साथ यह जोखिम भी था कि इंग्लैंड के जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं और मैच पलट सकता है।

इस पर कोच गौतम गंभीर ने साफ कहा कि उन्हें ओवर रेट की चिंता नहीं है, चाहे चार अंक कट जाएं, लेकिन टीम को जीत के लिए ही खेलना है। इसके बाद फैसला हुआ कि एक छोर से प्रसिद्ध कृष्णा और दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज को लगातार आक्रमण पर रखा जाएगा। कप्तान शुभमन गिल ने भी इस रणनीति को मंजूरी दी। नतीजा यह हुआ कि तेज गेंदबाजों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के बाकी विकेट जल्दी गिरा दिए और मैच 6 रनों से अपने नाम कर लिया। यह जीत केवल स्कोरबोर्ड पर नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और आक्रामक खेल भावना का भी प्रमाण रही। सिराज की निर्णायक स्पेल और गंभीर की आक्रामक सोच ने भारत को हार से जीत की ओर मोड़ दिया, साथ ही डब्ल्यूटीसी में बहुमूल्य अंक भी दिलाए।

वरुण धवन ने बॉर्डर 2 का अमृतसर शेड्यूल पूरा किया

अभिनेता वरुण धवन ने अपकमिंग वॉर ड्रामा फिल्म बॉर्डर-2 की अमृतसर की शूटिंग खत्म कर ली है। बुधवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर अमृतसर सेट से रैप-अप पार्टी की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। वीडियो में निर्माता भूषण कुमार, अभिनेत्री मेधा राणा और वरुण धवन नजर आ रहे हैं, वहीं अभिनेता वरुण धवन केक काटते हुए कह रहे हैं, शूटिंग खत्म हुई, भारत माता की जय। फिल्म बॉर्डर-2 में अभिनेत्री मेधा राणा वरुण संग खास रोल में नजर आएंगी। वहीं, कुछ समय पहले निर्माता भूषण कुमार ने फिल्म में अभिनेत्री के चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, हमें फिल्म में एक ऐसी लड़की चाहिए थी जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके। वहीं, मेधा भी हमारी उम्मीदों पर खरी उतरीं। उन्होंने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया, खासकर क्षेत्र की बोली, बोलने के तरीके और अभिनय में भावों की गहराई ने सभी को चौंका दिया। हमें पूरा विश्वास है कि मेधा इस रोल में बिल्कुल परफेक्ट हैं।

प्रोड्यूसर निधि दत्त ने भी फिल्म में मेधा के अभिनय की तारीफ की थी, जिसमें उन्होंने कहा, फिल्म में निर्देशक से लेकर सभी कलाकारों का चुनाव इस वजह से किया गया है ताकि एक ऐसी कहानी दिखाई जा सके, जो सच्ची और प्रेरणादायक लगे। मेधा राणा और वरुण साथ मिलकर फिल्म में एक नई ताजगी लेकर आएंगे, यह जोड़ी कहानी को और भी खूबसूरत बना देगी। यह फिल्म मेधा के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि वह एक सैन्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं। फिल्म बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह हैं और इसका निर्माण गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले हो रहा है। बॉर्डर 2 जेपी दत्ता की 1997 की ब्लॉकबस्टर बॉर्डर का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म थी। उसमें सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी गुलजार, पूजा भट्ट और शरबानी मुखर्जी लीड रोल में थे। वहीं बॉर्डर 2 में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी हैं। यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हुमा कुरैशी ने भूटान में पूरा किया टाइगर नेस्ट ट्रेक, बताया जीवन बदलने वाला अनुभव

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने हाल ही में भूटान के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों में से एक, मशहूर टाइगर नेस्ट ट्रेक को पूरा किया। अभिनेत्री ने इस खूबसूरत और रोमांचक अनुभव को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। हुमा कुरैशी ने बताया कि भूटान के टाइगर नेस्ट तक का ट्रेक मुश्किल जरूर था, लेकिन बहुत शांत, और जिंदगी को बदल देने वाला अनुभव रहा। अभिनेत्री ने इस यात्रा की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, टाइगर नेस्ट ट्रेक अब मेरी यादों का हिस्सा बन गया है; यह ट्रेक बहुत मुश्किल था लेकिन उतना ही शांत और सुकून भरा भी। उन्होंने आगे लिखा, पारो टकसांग, जिसे टाइगर्स नेस्ट भी कहा जाता है, भूटान में एक बहुत ही सुंदर और ऊंचे पहाड़ पर बना मठ (मंदिर) है। यहां तक पहुंचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत सुंदर और सुकून देने वाला अनुभव होता है। यह ट्रेक 6.4 किलोमीटर लंबा है (आने-जाने मिलाकर)। इसे पूरा करने में करीब 6 घंटे लगते हैं।

हुमा ने इससे पहले अपनी भूटान यात्रा की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीं, जिसमें वह पहाड़ों के खूबसूरत नजारों में पोज देती नजर आ रही थी। क्लीप में अभिनेत्री ने शांत झरनों और भव्य पहाड़ी नजारों को भी दिखाया था।

इसके अलावा, उन्होंने भूटान के एक म्यूजियम (संग्रहालय) की झलकियां भी इंस्टाग्राम पर शेयर कीं थीं। दूसरी ओर, हुमा कुरैशी की थ्रिलर फिल्म बयान को आधिकारिक तौर पर प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के लिए चुना गया है। विकास रंजन मिश्रा के निर्देशन में बनी फिल्म बयान इस श्रेणी में शामिल एकमात्र भारतीय फिल्म है। फिल्म में अनुभवी अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर के साथ-साथ परितोष सैंड, अविजित दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पैरी छाबड़ा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। इसकी घोषणा के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने बताया था कि यह फिल्म उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है, क्योंकि इसमें उन्हें ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला है जिसे वह लंबे समय से करना चाहती थीं। बयान फिल्म का प्रीमियर पहली बार दुनिया के सामने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के डिस्कवरी सेक्शन में होगा— ये ऐसा सेक्शन है जिसमें जो क्रिस्टोफर नोलन, अल्फोंसो क्वारोन और बैरी जेनकिंस जैसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर्स की फिल्में दिखाई जा चुकी हैं।

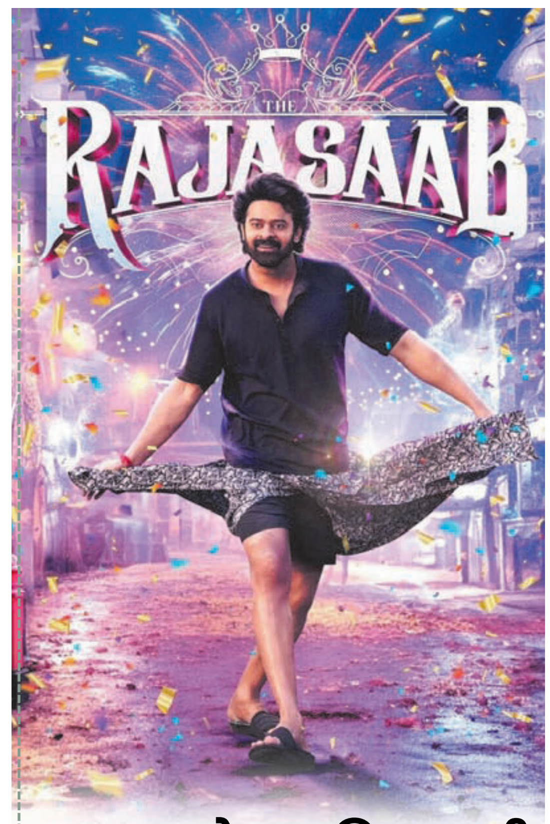

प्रभास के करियर की सबसे लंबी फिल्म होगी द राजा साहब

साउथ सुपरस्टार प्रभास की मच अवेटेड फिल्म 'द राजा साहब' की रिलीज डेट और रन टाइम को लेकर अपडेट सामने आया है। पिछले काफी समय से फिल्म के रन टाइम को लेकर तरह तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब फिल्म के निर्माता टीजी विश्व प्रसाद ने इस पर बात की है और इस बारे में फैंस को कन्फर्म तरीके से जानकारी भी दी है। टीजी विश्व प्रसाद ने ग्रेट आंध्र से बातचीत करते हुए हाल ही में खुलासा किया कि फिल्म का पहला कट 4 घंटे 30 मिनट लंबा है। जी हां, प्रभास की फिल्म की लंबाई 4 घंटे 30 मिनट तय की गई है। हालांकि ये फाइनल नहीं है, इसमें अभी कुछ बदलाव भी होंगे लेकिन इस बात को जानने के बाद फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है क्योंकि इतनी लंबी फिल्में अब कम ही देखने को मिलती हैं।

शूटिंग अंतिम चरण में रिलीज डेट तय

निर्माता के अनुसार, फिल्म अब अपने अंतिम चरण में है। कुछ गाने और पैच वर्क की शूटिंग बची है और टीम अक्टूबर के अंत तक फिल्म को पूरी तरह से तैयार कर लेगी। पहले फिल्म को 10 अप्रैल 2025 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट 5 दिसंबर 2025 तय की गई है। प्रभास के फैंस जहां फिल्म को संक्रांति पर रिलीज करवाने की मांग कर रहे हैं, वहीं हिंदी बेल्ट के डिस्ट्रीब्यूटर्स चाहते हैं कि फिल्म दिसंबर में रिलीज हो ताकि साल के आखिर में अच्छा बिजनेस किया जा सके। ऐसे में निर्माताओं ने सभी पक्षों की बात मानते हुए दिसंबर की तारीख को लॉक कर दिया है। जहां शुरुआती कट 4.5 घंटे का था, वहीं अब निर्देशक की मर्जी पर निर्भर करता है कि फिल्म को 3 घंटे 15 मिनट या 2 घंटे 45 मिनट में समेटा जाएगा। निर्माता ने कहा कि इतनी लंबाई का रॉ फुटेज बड़े स्टार्स की फिल्मों में सामान्य होता है और इसे फाइनल एडिट में कट कर छोटा किया जाएगा। 'द राजा साहब' में प्रभास के साथ निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और ऋद्धि कुमार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं मरुथी, जबकि इसे बी4 यू मोशन पिक्चर्स और एए फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

क्या भंसाली की लव एंड वॉर में स्पेशल डांस नंबर कर रही हैं प्रियंका चोपड़ा?

फिल्म लव एंड वॉर को लेकर ऐसी खबरें हैं कि इसमें प्रियंका चोपड़ा आइटम नंबर करने वाली हैं। संजय लीला भंसाली निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल जैसे सितारे नजर आएंगे। प्रियंका चोपड़ा के डांस नंबर जैसी खबरों ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रियंका इस फिल्म में आइटम नंबर नहीं करने वाली हैं।

प्रियंका नहीं कर रहीं आइटम नंबर

फिल्म लव एंड वॉर में प्रियंका चोपड़ा के आइटम नंबर करने की खबरों ने सिने जगत में हलचल बढ़ा दी। मगर, रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म लव एंड वॉर में प्रियंका के आइटम नंबर करने की खबरें सिर्फ हैं। प्रियंका इस फिल्म में आइटम नंबर नहीं कर रही हैं।

क्या प्रियंका और भंसाली के बीच हुई तकरार?

सूत्र के मुताबिक, प्रियंका ने भंसाली की फिल्म गोलियों की रास लीला राम लीला में एक खास गाना किया था। इसे पहले ऐश्वर्या राय करने वाली थीं, मगर आखिरी वक्त में उनके पीछे हट जाने के कारण प्रियंका ने फेवर करे तौर वह गाना किया। सूत्रों के मुताबिक आगे यह भी कहा गया है कि, प्रियंका ने रामलीला में इस शर्त पर गाना और डांस किया था कि उन्हें भंसाली की अगली फिल्म में लीड एक्ट्रेस के रूप में लिया जाएगा। वादा पूरा नहीं किया गया और दोनों के बीच तकरार हुई। इस वजह से प्रियंका लव एंड वॉर में कुछ नहीं कर रही हैं।

'रांझणा' का क्लाइमैक्स बदलने पर लीगल एक्शन लेंगे आनंद एल राय

पिछले दिनों डायरेक्टर आनंद एल राय, एक्टर धनुष और बाकी स्टार कास्ट को बिना बताए 'रांझणा' की प्रोडक्शन कंपनी ने एआई के जरिए इस फिल्म का क्लाइमैक्स बदल दिया। तमिल वर्जन में बदले हुए क्लाइमैक्स के साथ फिल्म को री-रिलीज भी किया गया। इस बात से आनंद एल राय और धनुष दोनों ही खफा हैं। अब ये मिलकर लीगल एक्शन लेने की सोच रहे हैं।

लीगल एक्शन की बात कर रहे हैं आनंद एल रॉय

अपने स्टेटमेंट में आनंद एल राय कहते हैं, 'मैं अपनी बाकी फिल्मों को लेकर बहुत चिंता में हूं। धनुष भी चिंता में हैं। हम अपने क्रिएटिव कंटेंट को ऐसे बाहरी दखल से बचाने और उसे बचाए रखने के लिए जुडिशिएल तरीकों को खोज रहे हैं, उन पर विचार कर रहे हैं। बताते चलें कि फिल्म 'रांझणा' के तमिल क्लाइमैक्स में कुंदन (धनुष) हॉस्पिटल के बैड पर आंखें खोलता है, उठ खड़ा होता है। उसके दोस्त बिंदिया (स्वरा भास्कर) और मुरारी (जीशान अयूब) खुश होते हैं। इसके बाद बनारस की गलियों में बड़ा और छोटा कुंदन दिखाए जाते हैं और फिल्म खत्म हो जाती है। जबकि आनंद एल राय निर्देशित 'रांझणा' में कुंदर आखिर में मर जाता है। कुंदन का मरना ही फिल्म को अलग और खास बनाता है। फिल्म के अंत के साथ की गई इसी छेड़छाड़ से आनंद एल राय नाराज हैं।

हिंदी में बोलने की डिमांड पर काजोल भड़कीं

महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से हिंदी और मराठी भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। मराठी भाषा न बोलने के कारण आए दिन हिंदी भाषियों के साथ मारपीट की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी बीच काजोल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हिंदी पर उनका रिएक्शन देख यूजर्स भड़क गए हैं। सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस काजोल मराठी भाषा में बात कर रही हैं। उनसे जो भी सवाल पूछे गए, वो सभी के जवाब मराठी भाषा में दे रही थीं। ऐसे में जब काजोल से हिंदी में बोलने को कहा गया, तो वह गुस्सा हो गईं और जो कहा, उस पर बवाल मच गया है।

काजोल से पपाराजी ने रिक्वेस्ट की थी कि वह हिंदी में भी कुछ बोल दें। इसी पर काजोल गुस्से से तमतमा गईं और पपाराजी से कहा, अब मैं हिंदी में बोलूं? जिसको समझना है, समझ लेंगे। काजोल के ऐसे तेवर देख यूजर्स उन्हें खूब सुना रहे हैं। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर यूजर्स खूब कमेंट कर रहे हैं।

काजोल के तेवर पर भड़के यूजर्स

एक यूजर ने वायरल वीडियो पर लिखा, अगर इन्हें हिंदी भाषा में बात करने में शर्म आती है, तो उन्हें बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों में काम करना बंद कर देना चाहिए। ये दोगलापन छोड़ देना चाहिए। एक ने लिखा, हिंदी से एक्ट्रेस बन गई, वरना पता नहीं क्या होती। अब मराठी बोलकर नेता बन रही है। शर्म आनी चाहिए। एक यूजर बोला, तो हिंदी फिल्मों में क्यों काम कर रही है? इसे मराठी फिल्मों में काम करना चाहिए। एक का कमेंट है, ये भूल क्यों जाते हैं कि इन्हें स्टारडम हिंदी फिल्मों से मिला है? इससे तो नॉन हिंदी फिल्में करती, जिनको समझना और देखना होता वो समझ जाते और देख लेते।

हिंदी और मराठी भाषा विवाद पर यह बोले थे काजोल के पति अजय देवगन

वहीं, कुछ दिन पहले सन ऑफ सरदार 2 के ट्रेलर लॉन्च पर काजोल के पति अजय देवगन ने महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर रिएक्ट किया था। जब एक रिपोर्टर ने महाराष्ट्र में भाषा पर विवाद को लेकर सवाल पूछा, तो अजय देवगन ने कहा था, मैं आपको सिर्फ इतना कह सकता हूं- आता माझी सटकली।

इन सिलेब्रिटीज ने भी हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर किया रिएक्ट

मालूम हो कि हिंदी और मराठी भाषा विवाद पर आम जनता से लेकर सिलेब्रिटीज तक खूब रिएक्ट कर रहे हैं। शिल्पा शेट्टी से लेकर उदित नारायण, संजय दत्त और सिंगर अनूप जलोटा ने भी इस पर रिएक्ट किया। जहां शिल्पा ने खुद को मराठी मुलगी बताते हुए कहा था कि माला मराठी येते, वहीं उदित नारायण ने कहा था कि वह महाराष्ट्र में रहते हैं और इसलिए वहां की भाषा जरूरी है, पर वह सभी भाषाओं का समान रूप से सम्मान करते हैं।

मिर्जापुर की गोलू ने मुंबई में खरीदा करोड़ों का घर

मिर्जापुर की गोलू गुप्ता यानी श्वेता त्रिपाठी ने मुंबई में रियल एस्टेट में बड़ा निवेश किया है। श्वेता से पहले कई बॉलीवुड स्टार्स रियल एस्टेट में इन्वेस्ट कर चुके हैं। कोई घर खरीद रहा है तो कोई बेच रहा है। अब श्वेता त्रिपाठी ने एक अपार्टमेंट खरीदा है, जो मुंबई के चेंबूर में स्थित है। यह एरिया मुंबई के तेजी से विकसित हो रहे रेजिडेंशियल एरिया में से एक है। श्वेता त्रिपाठी के इस नए अपार्टमेंट की कीमत 3 करोड़ रुपये है।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं!

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है -प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्ते

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा